निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

झारखंड डेफ क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल एवं भारतीय डेफ क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात करते सीएम हेमंत सोरेन

• बोकारो, शुक्रवार 8 मई 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 348 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

बिहार में सम्राट सरकार का विस्तार

भाजपा के 15, जदयू के 13, लोजपा (आर) के दो, हम (से) एवं रालोमो के एक-एक नेता बने मंत्री | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश के कई दिग्गज नेता रहे मौजूद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव हो चुका है। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद अब उनकी सरकार ने पहला बड़ा मंत्रिमंडल विस्तार कर लिया है। गांधी मैदान में हुए भव्य शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ 32 नए मंत्रियों ने शपथ ली। अब मुख्यमंत्री समेत सम्राट सरकार की टीम पूरी तरह आकार ले चुकी है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और कई बड़े एनडीए नेता इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। पटना के गांधी मैदान में गुरुवार को सम्राट चौधरी सरकार का पहला बड़ा मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। यह समारोह राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा गया। सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार में 32 नए मंत्रियों को शामिल किया गया। इस तरह मुख्यमंत्री और दो डिप्टी सीएम को मिलाकर कुल 35 सदस्यीय टीम तैयार हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को छोड़ दें तो मंत्रिमंडल में भाजपा और जेडीयू को बराबर-बराबर हिस्सेदारी मिली है। सहयोगी दलों-एलजेपी (रामविलास) को दो और हम-रालोमो को एक-एक मंत्री पद से संतोष करना पड़ा है। भाजपा कोटे से विजय कुमार सिन्हा, रामकृपाल यादव, नीतीश मिश्रा, दिलीप जायसवाल, केदार गुप्ता, मिथलेश तिवारी, रमा निषाद, प्रमोद चंद्रवंशी, लखेंद्र पासवान, संजय सिंह टाइगर, इंजीनियर कुमार शैलेंद्र, नंद किशोर राम, रामचंद्र प्रसाद, अरुण शंकर प्रसाद और श्रेयसी सिंह ने शपथ ली। वहीं जदयू कोटे से पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, मदन सहनी, लेसी सिंह, श्वेता गुप्ता, भगवान सिंह कुशवाहा, दामोदर रावत, बुलो मंडल (शैलेश कुमार), सुनील कुमार, शीला मंडल, रत्नेश सदा और जमा खान ने आज शपथ ली। दो डिप्टी सीएम विजय चौधरी और बिजेन्द्र यादव ने सम्राट चौधरी के साथ पहले ही शपथ ले चुके हैं। इसी प्रकार हम सेक्यूलर कोटे से जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन, आरएलएम कोटे से उपेन्द्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश और एलजेपी रामविलास पार्टी से दो मंत्री संजय कुमार सिंह और संजय कुमार पासवान ने शपथ ली। इस तरह अब सम्राट की सेना तैयार हो चुकी है। मंत्रिमंडल विस्तार में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर विशेष ध्यान दिया गया है। पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, महादलित, सवर्ण, अल्पसंख्यक और महिला प्रतिनिधित्व को संतुलित करने की कोशिश की गई। सीमांचल, मिथिलांचल, मगध, भोजपुर और तिरहुत जैसे क्षेत्रों को भी प्रतिनिधित्व देकर चुनावी संदेश देने की रणनीति अपनाई गई। इस विस्तार में भाजपा सबसे मजबूत स्थिति में नजर आई। भाजपा को 15 मंत्री पद मिले जबकि जदयू को 13 मंत्री नए और दो डिप्टी सीएम (सम्राट के साथ पहले शपथ ले चुके हैं) मिलाकर 15 मंत्री पद मिले। इससे साफ संकेत मिला कि नई सरकार में भाजपा की भूमिका और प्रभाव पहले से अधिक मजबूत हुआ है। बिहार की जनता अब सिर्फ राजनीतिक समीकरण नहीं बल्कि काम देखना चाहती है। बेरोजगारी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून व्यवस्था और निवेश जैसे मुद्दों पर नई सरकार से बड़ी उम्मीदें हैं। सम्राट चौधरी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि राजनीतिक संतुलन के साथ प्रशासनिक परिणाम भी दिखाई दें।

संक्षिप्त समाचार

ब्राउन शुगर बरामद, तीन गिरफ्तार

सरायकेला(नबिटा ब्यूरो)। जिले की पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत कपाली ओपी क्षेत्र से भारी मात्रा में ब्राउन शुगर बरामद की गई है जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 16.50 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिसमें मास्टरमाइंड महाराज अली भी शामिल है।

गैस टैंकर के पलटने से लगी आग, चालक झुलसा

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। जिले के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र में गुरुवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब गवाई नदी पुल के बीचों-बीच एक तेल टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया और उसमें अचानक आग लग गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। इस हादसे में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि 16 चक्का गैस टैंकर एनएच-32 पर गवाई पुल के पास पलट गया जिसके बाद उसमें आग लग गई। सूचना मिलते ही पिंड्राजोरा थाना पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

रंगदारी मांगने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। रंगदारी मांगने वाले गिरोह का धनबाद पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में कुख्यात प्रिंस खान उर्फ छोटे सरकार के नाम का भय दिखाकर एक करोड़ रुपये की रंगदारी की डिमांड की गई थी। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों को दबोच लिया। इसकी पुष्टि सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने की है। गिरफ्तार अपराधियों में देवानंद सिंह , बालक कुमार दास, मो. नासिर अंसारी और सुरेंद्र कुमार महतो उर्फ गोलक शामिल हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। इटखोरी थाना क्षेत्र के पकरिया कला गांव निवासी 32 वर्षीय संतोष भुइयां की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव उसके बड़े भाई के कमरे से मिला। शव के सिर पर चोट के निशान दिखे हैं। हत्या के पीछे सगी भाभी से प्रेम प्रसंग को कारण माना जा रहा है। हालांकि पुलिस अभी जांच में जुटी है। मृतक के बड़े भाई ने अपनी पत्नी पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस घटना में मृतक के बड़े भाई, भाभी और एक शख्स को हिरासत में लिया है।

इशांक सिंह ने रोशन किया देश व प्रदेश का नाम : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची के सात वर्षीय बाल तैराक इशांक सिंह ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इशांक सिंह को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए 5 लाख रुपये का चेक, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने बाल तैराक को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि इशांक सिंह ने 30 अप्रैल 2026 को लगातार 9 घंटे 50 मिनट तक तैरकर श्रीलंका-भारत के बीच स्थित चुनौतीपूर्ण पाल्क स्ट्रेट के 29 किलोमीटर लंबे समुद्री मार्ग को पार कर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। इतनी कम उम्र में इस उपलब्धि को हासिल करने के बाद इशांक सिंह को विभिन्न मंचों पर सम्मानित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि इशांक सिंह ने अपने साहस, अनुशासन और कठिन परिश्रम से पूरे झारखंड का नाम देश और दुनिया में रोशन किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल इशांक सिंह के परिवार के लिए नहीं, बल्कि पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के खिलाड़ियों में अपार प्रतिभा है और राज्य सरकार उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार की खेल नीति का लाभ खिलाड़ियों को मिल रहा है। खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण, संसाधन और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इशांक सिंह भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य और देश का नाम ऊंचा करेंगे। सीएम ने कहा कि इशांक सिंह जैसे प्रतिभाशाली बच्चों की सफलता अन्य खिलाड़ियों और युवाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को हर संभव सहायता और बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगी, ताकि वे अपनी प्रतिभा को और निखार सके। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खेल विभाग के अधिकारियों से राज्य में तैराकी से जुड़ी सुविधाओं और प्रशिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि आने वाले दिनों में तैराकी प्रशिक्षण और उससे जुड़ी आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए ताकि राज्य के उभरते खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिल सके।

जेगो तालाब में समाई कार, शादी से लौट रहे दो लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जिले के तमाड़ थाना क्षेत्र में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई। यह घटना चालाडी गांव के पास घटी जब एक कार अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में तीन लोग सवार थे जिनमें से एक युवक तैरकर बाहर निकलने में सफल रहा। कार सवार समेत सभी लोग रामगढ़ जिले के बरलंगा ओपी क्षेत्र के रहने वाले थे और एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। लौटने के दौरान चालाडी गांव के समीप अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सीधे तालाब में जा गिरा। हादसे के बाद कार तेजी से पानी में डूबने लगी। कार में मौजूद शुभम गुप्ता किसी तरह बाहर निकल आया। उसने स्थानीय लोगों और पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। सूचना मिलते ही तमाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तालाब में फंसे लोगों को बाहर निकालकर तमाड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने 42 वर्षीय करमजीत और 40 वर्षीय रिंकी गुप्ता को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि कार सवार लोग नशे की हालत में हो सकते हैं। हालांकि पुलिस ने इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की हर पहलू से जांच की जा रही है।

उत्पाद सिपाही परीक्षा पेपर लीक मामले में बिहार से बंगाल का सरकारी क्लर्क गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड उत्पाद सिपाही प्रश्न पत्र लीक मामले में रांची पुलिस ने बिहार में छापेमारी कर एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी बिहार के सहरसा जिले का रहने वाला है और वह बंगाल में काम करता था। उत्पाद सिपाही पेपर लीक मामले की जांच कर रही रांची पुलिस की विशेष टीम ने बिहार के सहरसा में छापेमारी कर अमृत राज उर्फ बुलबुल को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अमित राज सिलीगुड़ी में कर्मचारी भविष्य निधि में क्लर्क के तौर पर काम करता था। पूर्व में पकड़े गए आरोपियों के द्वारा प्रश्न पत्र लीक करने के मामले में अमृत का नाम सामने आया था। रांची पुलिस की विशेष टीम अमृत को गिरफ्तार करने के लिए उसके ठिकाने पर नजर रखी हुई थी। इसी बीच पुलिस को जानकारी मिली कि अमृत सहरसा स्थित अपने घर आया हुआ है जिसके बाद अमृत को वहां से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार करने के बाद अमृत को रांची लाया गया और उसे जेल भेज दिया गया है। जल्द ही रांची पुलिस अमृत को रिमांड पर लेगी ताकि उससे पूछताछ की जा सके। मामले को लेकर रांची के हेडक्वार्टर डीएसपी वन अमर पांडेय ने बताया कि पेपर लीक मामले में अमृत की भूमिका सामने आई थी जिसके बाद उसे सहरसा से गिरफ्तार किया गया है। रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र के रडगांव स्थित अर्धनिर्मित नर्सिंग कॉलेज में 11 अप्रैल को पुलिस की टीम ने छापेमारी की थी। पुलिस ने सॉल्वर गैंग के आधा दर्जन समेत 159 अभ्यार्थियों को गिरफ्तार किया था। छापेमारी के दौरान पुलिस को यह जानकारी मिली कि आरोपियों ने उत्पाद सिपाही प्रश्न पत्र का उत्तर अभ्यार्थियों को रटवाया जा रहा था। अभ्यार्थियों से यह कहा गया था कि जिन प्रश्न पत्र का उतर रटवाया जा रहा है, 12 अप्रैल को होने वाली परीक्षा में यही प्रश्न आएगा। इस एवज में अभ्यार्थियों से तीन-तीन लाख रुपए भी लिए गए थे।

बाइक की डिक्की से उड़ाए 25 लाख के गहने

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के चौपारण प्रखंड के महाराजगंज में बुधवार रात को चोरों ने एक बड़ी घटना को अंजाम दिया है। अज्ञात अपराधियों ने ज्वेलरी दुकान संचालक की बाइक से लगभग 25 लाख रुपए के आभूषण लेकर फरार हो गए। इस घटना को बड़े ही फिल्मी अंदाज में अंजाम दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, सूजी गांव निवासी सुधा ज्वेलरी दुकानदार के मालिक अलखदेव पोद्दार अपनी दुकान बंद कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कुछ कीमती आभूषण अपनी बाइक की डिक्की में रख दिए और दुकान का शटर गिराने लगे। तभी मौके का फायदा उठाते हुए अपाची बाइक सवार एक युवक वहां पहुंचा और चंद सेकंड में डिक्की से सभी आभूषण निकाल लिए जिसकी कीमत लगभग 25 लाख रुपये बताया जा रहा है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी इटखोरी की ओर फरार हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही चौपारण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा आरोपियों की पहचान के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। बरही एसडीपीओ अजीत कुमार विमल और इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि का पता चले तो तुरंत इसकी जानकारी नजदीकी थाना को दें ताकि आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी हो जाएगी।

मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़

साहिबगंज(नबिटा ब्यूरो)। जिले के पतना प्रखंड क्षेत्र में मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। रांगा थाना की पुलिस और बिहार एसटीएफ ने गुरुवार की सुबह संयुक्त रूप से प्रखंड क्षेत्र के आमगाछी केंदुआ ईदगाह के पास एक बंद घर में छापेमारी की। पुलिस की टीम ने घर का चार ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। घर का नाजारा देख पुलिस के होड़ गए। घर के अंदर कमरे में पिस्टल बनाने वाली मशीन और लेथ पाई गई। साथ ही घर के कमरे से अर्धनिर्मित 16 पिस्टल, मैगजीन समेत हथियार बनाने के कई आधुनिक उपकरण भी बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों बिहार में कुछ अपराधियों को गिरफ्तार किया गया था जिनकी निशानदेही पर यह कार्रवाई की गई है।

राज्य के युवाओं में अपार प्रतिभा : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को झारखंड बधिर क्रिकेट संघ के अध्यक्ष दीपक यादव के नेतृत्व में प्रतिभावान खिलाड़ियों के एक शिष्टमंडल ने लोक भवन मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने राज्यपाल को 'तृतीय टी20 नेपाल डीफ क्रिकेट टूर सीरीज ऑफ इंडिया 2026 में टीम के शानदार प्रदर्शन और विजेता बनने की उपलब्धि की जानकारी दी। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को बताया कि सीमित संसाधनों और विषम परिस्थितियों के बावजूद टीम के खिलाड़ियों ने लगातार मेहनत और संघर्ष के दम पर यह सफलता हासिल की है। खिलाड़ियों ने कहा कि आर्थिक और संसाधनों की कमी के बावजूद टीम ने कभी हौसला नहीं खोया और अपने प्रदर्शन से झारखंड के साथ-साथ देश का नाम भी रोशन किया। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, समर्पण और टीम भावना का प्रतीक भी है। खिलाड़ियों ने अपने संघर्ष, प्रतिभा और कड़ी मेहनत से यह साबित किया है कि चुनौतियां कभी भी सफलता के रास्ते में स्थाई बाधा नहीं बन सकती। राज्यपाल ने कहा कि क्रिकेट देश का सबसे लोकप्रिय खेल है और यह गर्व की बात है कि झारखंड के खिलाड़ी क्रिकेट सहित विभिन्न खेल विधाओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं में अपार प्रतिभा मौजूद है जिसे सही मंच और प्रोत्साहन मिलने की जरूरत है। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। ऐसे खिलाड़ी यह संदेश देते हैं कि मजबूत इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। राज्यपाल ने आश्वासन दिया कि खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे, साथ ही झारखंड बधिर क्रिकेट संघ को भी यथासंभव सहयोग और प्रोत्साहन देने की बात कही गई। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने राज्यपाल के साथ अपनी उपलब्धियों और अनुभवों को साझा किया। टीम के सदस्यों ने कहा कि राज्यपाल से मिले सम्मान और प्रोत्साहन से उनका मनोबल और बढ़ा है तथा वे भविष्य में भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे।

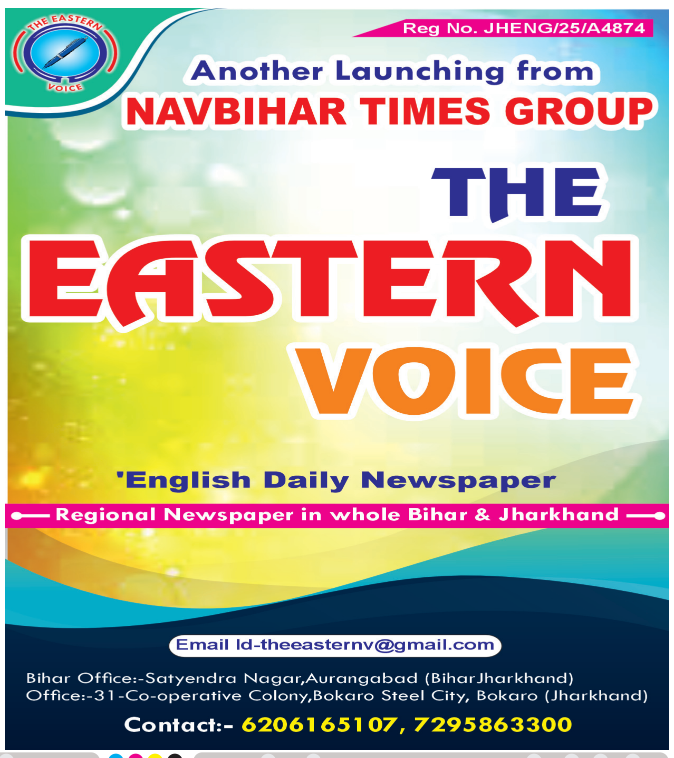

संक्षिप्त समाचार

जनगणना-2027 के स्व-गणना अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें : उपायुक्त

गिरिडीह (नबिटासं)। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रामनिवास यादव ने जनगणना-2027 के तहत चल रहे स्व-गणना अभियान में जिलेवासियों से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा संचालित जनगणना-2027 का कार्य पूरे देश में शुरू हो चुका है और इसके प्रथम चरण में 1 मई से 15 मई तक स्व-गणना सेल्फ एन्यूमरेशन) का कार्य किया जा रहा है उपायुक्त ने कहा कि आमजन स्वयं भी इस प्रक्रिया में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि नागर सी .केंसस .गोव .इन पोर्टल पर जाकर अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी आधारित पंजीकरण करें। इसके बाद अपने राज्य, जिला एवं क्षेत्र का चयन करते हुए डिजिटल मैप पर अपने मकान को चिन्हित कर मकान सूचीकरण एवं स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी करें। उन्होंने बताया कि प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद एक सी आईडी सेल्फ एन्यूमरेशन आईडी जेनरेट होगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है। 15 मई के बाद जब प्रगणक भौतिक सत्यापन के लिए घर पहुंचेंगे, तब यह सी - आईडी साझा करने पर जनगणना प्रक्रिया और अधिक सरल एवं सुगम हो जाएगी उपायुक्त ने कहा कि जिले के कई नागरिक इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं और सभी लोगों को इस महत्वपूर्ण एवं द्व कार्य में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्व-गणना प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी समस्या होने पर नागरिक टोल फ्री नंबर 1855 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं वेबसाइट के माध्यम से जागरूकता वीडियो, फ्लायर्स एवं अन्य आवश्यक जानकारियां भी साझा की गई हैं, ताकि लोगों को प्रक्रिया समझने में आसानी हो सके।

हजारीबाग के जनहित मुद्दों पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने उपायुक्त से की चर्चा

हजारीबाग (नबिटाब)। विधायक प्रदीप प्रसाद ने हजारीबाग उपायुक्त हेमंत सती से शिष्टाचार मुलाकात कर शहर एवं आमजन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, जनसुविधा एवं शहर के विकास से संबंधित कई विषयों को प्रमुखता से उठाया गया। बैठक के दौरान विधायक ने निजी विद्यालयों द्वारा अभिभावकों पर एक ही दुकान से किताब, जूता एवं स्कूल ड्रेस खरीदने का दबाव बनाने तथा री-एडमिशन फीस के नाम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की मनमानी अभिभावकों के हितों के खिलाफ है और इसे आम परिवार आर्थिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। विधायक ने विद्यालयों एवं संबंधित दुकानदारों की कथित साठगांठ की निष्पक्ष जांच कराने तथा अभिभावकों को अपनी सुविधा और आर्थिक क्षमता के अनुसार किसी भी दुकान से सामग्री खरीदने की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की मांग की। शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए विधायक ने हजारीबाग को जाममुक्त एवं व्यवस्थित बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ते वाहनों और अव्यवस्थित ट्रैफिक के कारण आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी क्रम में मिशन स्कूल रोड में किए गए पिलरिंग को हटाने की मांग भी उठाई गई, ताकि सड़क पर ट्रैफिक का दबाव कम हो सके और लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। विधायक ने शहर में मौजूद सूखे एवं जर्जर पेड़ों का मुद्दा भी उठाते हुए कहा कि बारिश एवं तेज हवा के दौरान ऐसे पेड़ कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। उन्होंने नगर क्षेत्र में चिन्हित कर खतरनाक एवं जर्जर पेड़ों को शीघ्र हटाने की मांग की, ताकि जनहानि एवं दुर्घटनाओं से बचाव सुनिश्चित हो सके। स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर विधायक ने सरकारी अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मरीजों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने पर जोर दिया। साथ ही पोस्टमार्टम व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित एवं त्वरित बनाने की आवश्यकता बताई, ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। बैठक में निजी नर्सिंग होमों में व्याप्त कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा।

बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडर की कीमतों के खिलाफ झामुमो का धरना, सरकार से दाम घटाने की मांग

गिरिडीह (नबिटासं)। बढ़ती महंगाई और घरेलू गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ रही कीमतों के विरोध में गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो जिला समिति की ओर से शहर के टॉवर चौक पर एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना के दौरान पार्टी नेताओं ने केंद्र सरकार पर आम जनता की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए घरेलू गैस सिलेंडर के दाम कम करने की मांग की धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने की। इस दौरान मेयर प्रमिला मेहरा, डिप्टी मेयर सुमित कुमार, पूर्व विधायक केदार हाजरा, प्रणव वर्मा, जिला उपाध्यक्ष अजीत सिंह पप्पू, जिला महामंत्री महालाल सोरेन, महानगर अध्यक्ष राकेश सिंह समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे धरना को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि रसोई गैस की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से आम जनता, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग की महिलाओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई ने लोगों का जीवन कठिन बना दिया है और सरकार जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि महंगाई पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं ने भाग लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

आईसीएआर का निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर, पशुपालकों को मिला लाभ

बरही/हजारीबाग (नबिटासं)। गौरियाकरमा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की ओर से चौपारण प्रखंड के बरहमौरिया गांव में निःशुल्क पशु चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन निदेशक डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव के नेतृत्व एवं परिसर प्रभारी डॉ. एस.के. महंता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर में क्षेत्र के बड़ी संख्या में पशुपालकों ने अपने छोटे और बड़े पशुओं की जांच कराई। आईसीएआर की पशु चिकित्सक डॉ. वंदना ने पशुओं की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाएं एवं उपचार निःशुल्क उपलब्ध कराया। इस दौरान पशुओं में होने वाली सामान्य बीमारियों, उनके बचाव और उचित देखभाल के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में वैज्ञानिक डॉ. विजय बहादुर सिंह एवं डॉ. आशा कुमारी उपस्थित रहे। वहीं संविदा कर्मी हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, कैलास कुमार वर्मा और दिलीप यादव ने आयोजन में सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान पशुपालकों को संतुलित पशु आहार, स्वच्छता और समय पर टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर किसानों और पशुपालकों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने कोयला ट्रांसपोर्टिंग रोकने का दिया अल्टीमेटम, विधायक से लगाई गुहार

केरेडारी/हजारीबाग (नबिटासं)। केरेडारी प्रखंड अंतर्गत पांडु पंचायत में कोयला ट्रांसपोर्टिंग को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण, सड़क हादसों और भारी वाहनों के दबाव से परेशान ग्रामीणों ने अब कोयला ढुलाई बंद कराने की चेतावनी दे दी है। ग्रामीणों ने एनटीपीसी और ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए ग्रामीण सड़क से हो रही कोयला ट्रांसपोर्टिंग पर रोक लगाने की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों को लिखित आवेदन सौंपते हुए कहा है कि पूर्व में पंचायत प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, एनटीपीसी अधिकारियों, ट्रांसपोर्टिंग कंपनी, थाना प्रभारी, सीआईएसएफ एवं ग्रामीणों के बीच बैठक हुई थी। बैठक में ग्रामीण सड़क से कोयला ट्रांसपोर्टिंग बंद करने और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर चर्चा हुई थी तथा 30 अप्रैल 2026 तक समाधान का आश्वासन दिया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि तय समय बीत जाने के बावजूद अब तक न तो कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई और न ही प्रदूषण नियंत्रण को लेकर प्रभावी कदम उठाए गए। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से गांवों में धूल का गुबार बना रहता है, जिससे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। वहीं आए दिन सड़क हादसों की आशंका से लोग दहशत में जीने को मजबूर हैं।

परियोजनाओं से संबंधित कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । उपायुक्त श्री हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में राजस्व, भू-अर्जन, राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएचएआई), कोल कंपनियों एवं एनटीपीसी से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने हजारीबाग जिले अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए लगभग 60 किलोमीटर लंबाई के प्रस्तावित निर्माण कार्य एवं भू-अर्जन से संबंधित मुआवजा भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने अवगत कराया कि भारतमाला परियोजना के पैकेज 10 एवं 11 के अंतर्गत सभी अधिग्रहित भू-स्वामियों को मुआवजा का भुगतान किया जा चुका है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित भूमि का म्यूटेशन समयबद्ध तरीके से अनिवार्य रूप से किया जाए।

बरकट्ठा क्षेत्र में एनएचएआई को हस्तांतरित रैयती प्लॉट्स के संबंध में अंचलाधिकारी को नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। भूमि हस्तांतरण एवं अधिग्रहण से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने बिजली विभाग की तेनुघाटझहजारीबाग ट्रांसमिशन लाइन विस्तार हेतु एनओसी की स्थिति की जानकारी ली तथा संबंधित बाधाओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित प्रखंडों के थाना प्रभारियों को आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने को कहा गया। एनटीपीसी से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने बिरहोर टोला,पगार क्षेत्र में बिरहोर समुदाय के आवासों की दयनीय स्थिति पर चिंता व्यक्त की तथा उनके घरों की शीघ्र मरम्मत कराने का निर्देश दिया। डीवीसी द्वारा अधिग्रहित भूमि के म्यूटेशन मामलों को लेकर विष्णुगढ़, बरही एवं चौपारण के अंचलाधिकारियों को अपर समाहर्ता के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। राजस्व विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने उच्च न्यायालय में लंबित मामलों की प्रखंडवार समीक्षा करने तथा निर्धारित तिथि से पूर्व काउंटर एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश दिया। सभी अंचलाधिकारियों को 20 तारीख तक संबंधित मामलों की प्रतिवेदन विधि शाखा को उपलब्ध कराने को कहा गया। उपायुक्त ने भूमि हस्तांतरण से जुड़े कार्यों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर बल देते हुए झारखंड ऊर्जा संचार निगम से संबंधित भूमि मामलों का निस्तारण 5 जून तक सुनिश्चित करने का निर्देश अपर समाहर्ता को दिया।

समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की उपायुक्त ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, संबंधित कार्यपालक अभियंता, महिला पर्यवेक्षिका सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे बैठक के दौरान उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की क्रमवार समीक्षा की। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन, पोषण वाटिका, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना तथा बाल संरक्षण योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से योग्य लाभुकों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को मिलने वाले पोषण आहार की गुणवत्ता और उपस्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए। किसी भी केंद्र मे अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं पोषण अभियान की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को समय पर लाभ उपलब्ध कराने पर बल दिया। उन्होंने शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने तथा भुगतान प्रक्रिया में देरी नहीं होने के निर्देश दिए। साथ ही पोषण स्तर में सुधार के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया किशोरियों एवं बालिकाओं से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ अधिक से अधिक बालिकाओं तक पहुंचाया जाए। स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से लाभुकों की पहचान कर योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए। साथ ही बाल विवाह एवं कुपोषण रोकने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाने को कहा गया बाल संरक्षण योजनाओं की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बच्चों से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा जरूरतमंद बच्चों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जाए।

अपराध नियंत्रण और नशा विरोधी अभियान को मिलेगी रफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवीन सिन्हा (हजारीबाग ब्यूरो)। झारखंड सरकार एवं पुलिस मुख्यालय रांची की ओर से हजारीबाग जिला पुलिस को 42 नई मोटरसाइकिल उपलब्ध कराई गई हैं। इससे पहले भी पुलिस मुख्यालय द्वारा जिले को 50 नई मोटरसाइकिल प्रदान की गई थी। नई वाहनों के मिलने से जिले में अपराध नियंत्रण, विधि व्यवस्था संधारण तथा नशा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों को और अधिक गति मिलेगी।

बुधवार को पुलिस केंद्र हजारीबाग में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने नई मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण थानों के लिए रवाना किया। इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अमित आनंद, पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर मनोज कुमार सिंह तथा परिचारी प्रवर पुलिस केंद्र कुमार देवव्रत भी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नई मोटरसाइकिलों के माध्यम से पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रभावी गश्ती सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही नशा तस्करी और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में पुलिस को मजबूती मिलेगी।

बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा को लेकर प्रशासन सजग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा और कल्याण को लेकर आमजनों से जागरूक होने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बाल मजदूरी, बाल विवाह, बच्चों पर हिंसा, शोषण अथवा किसी बच्चे के लापता होने जैसी स्थिति में तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना दें। यह सेवा 24 घंटे निःशुल्क उपलब्ध है और जरूरतमंद बच्चों को संरक्षण एवं सहायता प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन एवं महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित मिशन वात्सल्य योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए सहायता दी।

कुपोषण उन्मूलन की दिशा में हजारीबाग अग्रसर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवीन सिन्हा (हजारीबाग ब्यूरो)। हजारीबाग जिले में कुपोषण उन्मूलन के उद्देश्य से संचालित पोषण पुनर्वास केन्द्रों के माध्यम से कुपोषित बच्चों के उपचार एवं समुचित देखभाल की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। जिले के चारों टळ्ड केन्द्रों में आज दिनांक 07 मई 2026 को शैय्या अधिभोग की स्थिति के अनुसार टळ्ड सदर में 20 स्वीकृत बेड के विरुद्ध 17 भरे हुए एवं 03 रिक्त, टळ्ड बरकागांव में 10 के विरुद्ध 10 भरे हुए एवं 0 रिक्त, टळ्ड बिष्णुगढ़ में 10 के विरुद्ध 10 भरे हुए एवं 0 रिक्त तथा अनुमंडलीय अस्पताल बरही स्थित टळ्ड में 10 के विरुद्ध 07 भरे हुए एवं 03 रिक्त बेड उपलब्ध हैं। जिले के एएनएम, आंगनबाड़ी केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के माध्यम से कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें टळ्ड केन्द्रों में भर्ती कराया जाता है, जहां उनका समुचित स्वास्थ्य परीक्षण, वजन, लंबाई एवं मध्य ऊपरी बाहु परिधि का मापन किया जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुरूप मध्यम तीव्र कुपोषण एवं गंभीर तीव्र कुपोषण से ग्रसित बच्चों को परामर्श के उपरांत भर्ती कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाता है। टळ्ड केन्द्रों में बच्चों को सामान्यतः 15 से 20 दिनों तक रखा जाता है, जहां उन्हें पोषणयुक्त आहार प्रदान किया जाता है ताकि उनके वजन एवं स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार हो सके। इसके साथ ही बच्चों को आवश्यक दवाइयां एवं समुचित इलाज निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है।

बिना एफएसएसएआई लाइसेंस खाद्य सामग्री बेचने वालों पर होगी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । गिरिडीह प्रखंड अंतर्गत ग्राम बजटो में गुपचुप सेवन से हुई घटना को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में गुरुवार को उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिले में ठेला, खोमचा एवं अन्य अस्थायी दुकानों पर बिकने वाले गुपचुप, चाट, छोला, फास्ट फूड समेत सभी खाद्य सामग्री विक्रेताओं के लिए एफएसएसएआई लाइसेंस अनिवार्य होगा।

बिना लाइसेंस खाद्य सामग्री बेचने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से खाद्य पदार्थों की जांच, सैंपल कलेक्शन एवं टेस्टिंग कराने का निर्देश दिया, ताकि दूषित एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थों की पहचान कर समय रहते कार्रवाई की जा सके उपायुक्त ने कहा कि खाद्य सुरक्षा एवं जनस्वास्थ्य प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि खाद्य पदार्थों में बैक्टीरिया एवं अन्य दूषित तत्वों की समय-समय पर जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो बैठक में जिले के सभी प्रखंडों में पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच कराने का भी निर्णय लिया गया। उपायुक्त ने कहा कि दूषित पानी कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है, इसलिए प्रत्येक क्षेत्र में पेयजल स्रोतों की टेस्टिंग अनिवार्य रूप से की जाएगी। इसके लिए मोबाइल टेस्टिंग व्हीकल का भी उपयोग किया जाएगा, ताकि सुदूर क्षेत्रों में भी त्वरित जांच संभव हो सके नगर निकाय क्षेत्रों में संचालित फास्ट फूड स्टॉल, ठेला एवं अन्य खाद्य विक्रेताओं को भी साफ सफाई, स्वच्छ जल एवं हाइजीन के मानकों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उपायुक्त ने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण अभियान चलाने का निर्देश देते हुए कहा कि जनस्वास्थ्य से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा उपायुक्त रामनिवास यादव ने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि वे खुले एवं अस्वच्छ स्थानों पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें तथा व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।

विभिन्न परियोजनाओं के भू-अर्जन एवं बोडो हवाई अड्डा विस्तार को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । उपायुक्त रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में विभिन्न विकास परियोजनाओं के भू अर्जन कार्य एवं बोडो हवाई अड्डा विस्तार से संबंधित समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, संबंधित विभागों एवं एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारी और अंचलाधिकारी भी जुड़े।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले में संचालित विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से परियोजनावार प्रगति की जानकारी लेते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि विकास योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए भू-अर्जन प्रक्रिया का पारदर्शी और त्वरित निष्पादन बेहद जरूरी है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों में आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि किसी भी परियोजना में अनावश्यक विलंब न हो। बैठक में विशेष रूप से बोडो हवाई अड्डा विस्तार परियोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विकास और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए काफी महत्वपूर्ण है उपायुक्त ने संबंधित विभागों को भूमि चिन्हांकन, मापी, रैयतों से समन्वय तथा अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अंचलाधिकारियों को भू-अर्जन से जुड़े लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने और जमीनी स्तर पर आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आमजनों के हितों का ध्यान रखते हुए नियमानुसार एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए, ताकि प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं से जुड़े तकनीकी एवं प्रशासनिक मुद्दों पर भी चर्चा की गई तथा संबंधित एजेंसियों को गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया गया बैठक के अंत में उपायुक्त ने विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए आपसी समन्वय और नियमित मॉनिटरिंग पर जोर देते हुए भू-अर्जन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने तथा लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए।

आरके महिला कॉलेज की छात्राओं ने 12वीं के रिजल्ट में गड़बड़ी की उठाई शिकायत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड एकेडमिक काउंसिल जैक द्वारा इंटरमीडिएट 12वीं परीक्षा परिणाम जारी किए जाने के बाद आरके महिला कॉलेज की कई छात्राओं ने रिजल्ट में अंक संबंधी गड़बड़ी की शिकायत उठाई है। छात्राओं का आरोप है कि परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने के बावजूद उन्हें अपेक्षा से काफी कम अंक दिए गए हैं, जिससे वे मानसिक रूप से परेशान हैं और आगे के नामांकन व भविष्य को लेकर चिंतित हैं इस मामले को लेकर छात्राएं झारखंड छात्र मोर्चा झामुमो छात्र संगठन के प्रतिनिधियों से मिलीं और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। संगठन की ओर से छात्राओं की शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा भरोसा दिलाया गया कि मामले को संबंधित अधिकारियों और झारखंड एकेडमिक काउंसिल के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा इस दौरान मुख्य रूप से छात्र नेता अभय कुमार, विशाल झा, रोहित मंडल, कुंदन सिंह, आर्यन वर्मा, रौनक, करण, सूरज और आशीष समेत कई छात्र-छात्राएं मौजूद थे छात्र नेता अभय कुमार ने कहा कि छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर छात्र हित में आंदोलन और ज्ञापन सौंपने का कार्य भी किया जाएगा। साथ ही प्रभावित छात्राओं को हर संभव सहयोग और समाधान दिलाने का आश्वासन दिया गया।

शतचंडी महायज्ञ एवं हनुमान प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर उमड़ा आस्था का सैलाब

सांसद मनीष जायसवाल और विधायक मनोज यादव हुए शामिल, वैदिक मंत्रोच्चारण से भक्तिमय हुआ वातावरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। बरही प्रखंड के कोनरा स्थित प्राचीन भगवती मंदिर के जीर्णोद्धार के उपरांत गुरुवार को श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ एवं हनुमान प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। मंदिर परिसर से निकली इस धार्मिक शोभायात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूब गया। कलश यात्रा का शुभारंभ बरही विधायक मनोज यादव द्वारा मुख्य जजमान को कलश प्रदान कर किया गया। वहीं हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल भी मुख्य रूप से इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए और श्रद्धालुओं के साथ यात्रा में सहभागिता निभाई।कलश यात्रा में मुख्य यज्ञाचार्य जयनंदन मिश्रा महाराज एवं आचार्य ऋषिराज वेदव्यास मिश्रा ने पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ

पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इस अवसर पर आचार्य महेंद्र पांडे एवं कथाव्यास शेखर सुमन शास्त्री भी उपस्थित रहे। पूजन-अनुष्ठान में यजमान के रूप में ब्रह्मदेव केशरी एवं उनकी धर्मपत्नी मालती देवी, दिवाकर प्रसाद केशरी एवं उनकी धर्मपत्नी सुदामा देवी तथा महेंद्र प्रसाद केशरी एवं उनकी धर्मपत्नी प्रेमलता देवी ने विधिवत देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा में भाग लिया। श्रद्धालु सूर्य मंदिर नदी पहुंचे, जहां से पवित्र जल भरकर कलश को मंदिर परिसर लाया गया और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ स्थापित किया गया। यज्ञाचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ देवी-देवताओं का आह्वान कर पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इस मौके पर जयनंदन मिश्रा महाराज एवं ऋषिराज वेदव्यास मिश्रा ने कहा कि शतचंडी महायज्ञ समाज में सुख-शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में ऋषि-मुनि यज्ञों के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते थे और आज भी इस परंपरा को आगे बढ़ाना आवश्यक है। नौ दिवसीय इस महायज्ञ को लेकर कोनरा सहित पूरे बरही क्षेत्र में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस अवसर पर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज को एकता और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने का कार्य करते हैं। ऐसे आयोजनों से सामाजिक समरसता मजबूत होती है और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। वहीं बरही विधायक मनोज यादव ने कहा कि कोनरा के प्राचीन भगवती मंदिर का जीर्णोद्धार और महायज्ञ का आयोजन क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों के बीच आपसी प्रेम एवं भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। कलश यात्रा में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि रंजीत चन्द्रवंशी, जिला परिषद सदस्य प्रीति कुमारी, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, परमेश्वर यादव, सद्भावना विकास मंच अध्यक्ष राजसिंह चौहान, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय यादव, नागेश्वर रजक, बलराम केशरी, भाजपा युवा नेता आकाश जायसवाल, मनोज केशरी, छोटन ठाकुर, पिंटू चन्द्रवंशी, कैलाश ठाकुर, बबलू ठाकुर, विजय साव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं आयोजन को सफल बनाने में महायज्ञ समिति के संरक्षक भगवान केशरी, सुरेंद्र रजक, बिनोद विश्वकर्मा, बंशी केशरी, सतेंद्र कुमार शर्मा, शंकर वर्णवाल, जगदीश सिंह, कामेश्वर सिंह, बद्री केशरी, उमेश कुमार दास सहित अध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा, महासचिव राजकुमार यादव, सचिव रवि केशरी, कोषाध्यक्ष सरजू प्रसाद केशरी, सुभाष पासवान, नवीन केशरी, धनराज शर्मा, नितेश कुमार, योगेश केशरी, रवि पासवान, बिरजू केशरी, गुड्डू सिंह, रामदेव साव, ब्रह्मदेव यादव, विवेक विश्वकर्मा, सुखदेव केशरी, सूरज कुमार, आलोक वर्णवाल, राहुल केशरी, रोहित कुमार, संजय सिंह समेत सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने सक्रिय योगदान दिया।

प्राक्कलन समिति की बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। जिले के परिसदन में गुरुवार को विधानसभा की प्राक्कलन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री हेमलाल मुर्मू ने की। इस दौरान जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

जानकारी देते विधानसभा प्राक्कलन समिति के सदस्य

समीक्षा के दौरान कई योजनाओं और विकास कार्यों में खामियां सामने आईं, जिस पर समिति के सदस्यों ने नाराजगी जताते हुए कार्यप्रणाली में सुधार लाने का निर्देश दिया। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में सदस्यों ने बताया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

बैठक में मौजूद भाजपा विधायक शशि भूषण मेहता ने देवघर में सामने आए वेतन घोटाले को गंभीर बताते हुए कहा कि इस प्रकार की वित्तीय अनियमितताएं अन्य जिलों में भी हो सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जांच में गड़बड़ी पाई जाती है तो संबंधित पदाधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, झामुमो के वरिष्ठ विधायक मथुरा महतो ने जलसंकट को वर्तमान समय की बड़ी समस्या बताते हुए पुनासी डैम परियोजना को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना के कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि आम लोगों को इसका लाभ मिल सके।

भाजपा विधायक नागेंद्र महतो ने बताया कि समिति के सदस्य शुक्रवार को पुनासी डैम परियोजना का स्थल निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां सामने आएंगी, उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

समिति के सदस्यों ने कहा कि पुनासी डैम परियोजना राज्य की पुरानी योजनाओं में शामिल है, जिस पर बिहार विभाजन से पूर्व से ही कार्य चल रहा है, लेकिन अब तक इसका अपेक्षित लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच सका है। बैठक में जिले में विभिन्न योजनाओं पर हुए व्यय, शेष राशि तथा आगामी विकास योजनाओं को लेकर भी अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई।

करंट लगने से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी के हिंदपीढ़ी इलाके में रहने वाले समीर नाम के युवक की अपने ही घर की छत पर करंट लगने से मौत हो गई। समीर की मौत के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने बड़ा तालाब के पास सड़क जाम कर हंगामा किया। जानकारी के मुताबिक, बिजली विभाग की लापरवाही की वजह से युवक 11 हजार वोल्ट के तार के संपर्क में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समीर की मौत बिजली विभाग की लापरवाही की वजह से हुई है। समीर के परिजनों ने बताया कि वह छत पर कुछ काम से गया था। तभी 11 हजार वोल्ट के तार में शट हो गया, जिसकी वजह से मौके पर उसकी मौत हो गई। जैसे ही लोगों को करंट लगने की जानकारी मिली, लोग इकट्ठा होने लगे और बड़ा तालाब के पास सड़क जाम कर दिया।

सांसद मनीष जायसवाल शिक्षक की भूमिका में आए नजर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के चौपारण प्रखंड स्थित बसरिया उत्क्रमित उच्च विद्यालय का हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने निरीक्षण किया। इस दौरान सांसद शिक्षक की भूमिका में नजर आए। उन्होंने 1 घंटे तक छात्रों को पढ़ाया और उनकी बातें सुनी। इस दौरान सांसद ने छात्रों को सफलता का मंत्र भी दिया।

छात्रों के साथ संवाद में सांसद मनीष जायसवाल ने ईमानदारी पूर्वक पढ़ाई करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में रुचि हो उसी क्षेत्र में अपना करियर बनाएं। सांसद मनीष जायसवाल ने विद्यालय के 10वीं कक्षा में पहुंचकर स्वयं क्लास लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति गंभीर रहने, अनुशासन का पालन करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। सांसद ने कहा कि कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास से ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

सांसद जायसवाल ने विद्यार्थियों से करियर विकल्पों पर भी चर्चा की और उन्हें अपने रुचि के अनुसार आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति को समाज और देश में सम्मान दिलाता है। विद्यार्थियों को देश का आदर्श नागरिक बनने के लिए ईमानदारी, अनुशासन, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों को अपनाने की सीख भी दी। इस मौके पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांसद मनीष जायसवाल को एक आकर्षक पेंटिंग भेंट कर सम्मानित किया।

इस दौरान सांसद ने विद्यालय के शिक्षकों से भी मुलाकात की और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। विद्यालय में शिक्षकों की कमी की जानकारी मिलने पर सांसद मनीष जायसवाल ने तत्काल जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण कुमार को फोन कर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गर्मी की छुट्टी समाप्त होने से पूर्व विद्यालय में शिक्षकों की कमी हर हाल में दूर की जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

आम जनता के मुद्दे पर भाजपा और जेएमएम आमने-सामने

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। जिले में भाजपा और जेएमएम आम जनता के मुद्दे को लेकर जिला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष आमने-सामने जोरदार प्रदर्शन किया और एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि राज्य में बिजली, शुद्ध पेयजल और चिकित्सा की लचर व्यवस्था से जनता परेशान है। स्वास्थ्य विभाग आईसीयू में है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू ने कहा कि देश की जनता मंहगाई से दब रही है। जिला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष भाजपा कार्यकर्त्ता मिट्टी के घड़े के साथ और जेएमएम कार्यकर्त्ता लकड़ी के साथ प्रदर्शन किया। सत्ता और विपक्ष के प्रदर्शन को लेकर जिला उपायुक्त कार्यालय में पुलिस बल की तैनाती की गई। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच जमशेदपुर समेत पूर्वी सिंहभूम जिले में बदहाल बिजली व्यवस्था और गहराते

पेयजल संकट को लेकर भारतीय जनता पार्टी अब झामुमो-कांग्रेस सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई के मूड में है। गांव से लेकर शहर तक अनियमित बिजली आपूर्ति, ठप जलापूर्ति योजना और चरमराई चिकित्सा व्यवस्था से जनता परेशानियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली की खराब व्यवस्था के कारण आए दिन अस्पताल में मरीजों की मौत हो रही है। राज्य में स्वास्थ्य विभाग आईसीयू में चला गया है। वहीं, जमशेदपुर के बागबेड़ा ग्रामीण वृहद जलापूर्ति योजना का जिक्र करते हुए बताया कि 2018 में सप्लाई पानी देना था, लेकिन आज तक योजना धरातल पर नहीं उतारा गया। इससे साफ पता चलता है वर्तमान सरकार जनहित सुविधाओं में विफल है। वहीं बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद बढ़ती हिंसक घटनाओं पर कहा कि पूर्व सरकार के गुर्गे द्वारा घटना को अंजाम दिया जा रहा है, लेकिन शपथ ग्रहण होते ही बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह कठोरता से लागू होगी।

आरपीएफ के हत्थे चढ़े दो बदमाश, चलती ट्रेन में पिस्तौल लहराकर यात्रियों को धमकाने का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। चलती ट्रेन में अवैध देसी पिस्तौल लहराकर यात्रियों को धमकाने वाले दो युवकों को रेलवे सुरक्षा बल ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक अवैध देसी पिस्तौल और 7.65 एमएम का एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। यह कार्रवाई ट्रेन संख्या 186.5 क्रिया योगा एक्सप्रेस में हुई। आरपीएफ रांची मंडल के कमांडेंट पवन कुमार ने बताया कि ट्रेनों और रेलवे परिसरों में लगातार सुरक्षा जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को आरपीएफ पोस्ट की एस्कॉर्ट टीम चांडिल से हटिया तक ट्रेन में सुरक्षा ड्यूटी कर रही थी। ड्यूटी के दौरान ट्रेन के कीता रेलवे स्टेशन पार करने के बाद सामान्य कोच से अचानक शोर-शराबा और अफरा-तफरी की आवाज सुनाई दी। इसके बाद आरपीएफ एस्कॉर्ट टीम तत्काल कोच में पहुंची। वहां एक युवक यात्रियों के बीच अवैध देसी पिस्तौल लहराकर उन्हें धमका रहा था जबकि उसका साथी यात्रियों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहा था। घटना से कोच में बैठे यात्रियों के बीच भय और दहशत का माहौल बन गया।

रांची के आयुष औषधालयों में आग बुझाने की कोई व्यवस्था नहीं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के छोटे-बड़े सरकारी अस्पतालों में 4 मई से 10 मई तक फायर सेफ्टी वीक(अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह) मनाया जा रहा है। इस दौरान लोगों को अस्पतालों में आग लगने पर क्या करना है, इस बारे में जानकारी देने के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में ईटीवी भारत की टीम ने राजधानी रांची के छोटे-बड़े सरकारी अस्पतालों और औषधालयों में फायर सेफ्टी के इंतजामों की पड़ताल करने की कोशिश की।

रिम्स और रांची के जिला अस्पताल में आग लगने की इमरजेंसी के लिए व्यवस्था संतोषजनक है, जिला अस्पताल में तो फायरबॉल एक्सटिंग्विशर भी लगा हुआ है। हालांकि, रांची के दूसरे सीएचसी या आयुष औषधालयों में ऐसी स्थिति नहीं है। रांची

के डोरंडा में आयुष के संयुक्त औषधालय में आग बुझाने के लिए फायर एक्सटिंग्विशर टैंक तक नहीं है, जबकि रांची जिला आयुष अधिकारी का ऑफिस इसी अस्पताल की बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर पर है। जब जिला आयुष अधिकारी डॉ। साकेत कुमार से आग बुझाने के संसाधनों की उपलब्धता के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि रांची जिले में आयुष के तहत चलने वाले 18 औषधालयों में से किसी में भी इमरजेंसी की स्थिति में आग से बचाव के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने आग बुझाने के पुराने तरीके के अनुसार पानी और बालू की व्यवस्था की है। डोरंडा स्थित शहरी सामुदायिक केंद्र में बड़ी संख्या में मरीजों का इलाज होता है और यहां डिलीवरी से लेकर सर्जरी तक की सेवाएं दी जाती हैं। इसी अस्पताल के पहले तल्ले पर कुपोषित बच्चों के लिए उपचार केंद्र चलता है।

पूर्व मंडल अध्यक्ष के घर 80 लाख की चोरी, पूर्व सासंद ने उठाये सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अंबा (औरंगाबाद)। अंबा थाना क्षेत्र के अंबा बाजार चौक स्थित भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह के घर हुई लगभग 80 लाख रुपये की चोरी की घटना का एक पखवाड़ा बीत जाने के बावजूद अब तक पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। मामले में लगातार हो रही देरी को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। गुरुवार को पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह पीड़ित के घर पहुंचे और घटना की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने इस मामले में गहरी नाराजगी और चिंता जताते हुए पुलिस अधीक्षक से जल्द कार्रवाई की मांग की। पूर्व सांसद ने कहा कि जिले में लगातार हो रही चोरी की घटनाएं कानून-व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रही हैं। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में कई मामलों में चोरों ने लाखों-करोड़ों के आभूषण और कीमती सामान पर हाथ साफ किया है, लेकिन पुलिस अधिकांश मामलों का खुलासा नहीं कर सकी है।

उन्होंने आशंका जताई कि वीरेंद्र कुमार सिंह के घर हुई चोरी में किसी नजदीकी व्यक्ति की संलिप्तता हो सकती है। उन्होंने कहा कि जिस सटीक तरीके से चोरों ने केवल उसी कमरे को निशाना बनाया, जहां आभूषण और नकदी रखी थी, उससे यह संकेत मिलता है कि उन्हें अंदरूनी जानकारी थी।

पूर्व सांसद ने पुलिस को सुझाव दिया कि मामले की जांच फॉरेंसिक और वैज्ञानिक तरीके से की जाए, जिससे अपराधियों तक पहुंचा जा सके। साथ ही उन्होंने जिले में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए एसआईटी (विशेष जांच दल) गठित करने की मांग की। इसके अलावा उन्होंने स्थानीय स्तर पर निगरानी समितियां बनाने, खाली घरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा फेरीवालों की पहचान सुनिश्चित करने जैसे उपायों पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।इस दौरान मंडल अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता, पूर्व उप प्रमुख नवीन कुमार सिंह उर्फ मंटू सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

घरेलू गैस आपूर्ति को लेकर प्रशासन गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। विभिन्न गैस एजेंसियों के माध्यम से एलपीजी गैस आपूर्ति एवं वितरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार जिले में गैस आपूर्ति सामान्य रूप से संचालित हो रही है। विभिन्न गैस एजेंसियों द्वारा औसत दैनिक मांग के अनुरूप गैस की डिलीवरी की जा रही है तथा लंबित बुकिंग का निष्पादन लगातार किया जा रहा है। जिले में कुल 37 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 6595 सिलेंडर की मांग के विरुद्ध लगभग 6 सिलेंडर की डिलीवरी की जा रही है। साथ ही जिला में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धत है।जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा सभी गैस एजेंसियों को उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने, लंबित बुकिंग का शीघ्र निष्पादन करने तथा वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही कृत्रिम कमी उत्पन्न नहीं होने देने का भी निर्देश दिया गया है। संबंधित प्रखंडों के पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में गैस वितरण व्यवस्था की निगरानी करने तथा किसी भी समस्या की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। 7 मई 26 तक जिला में कुल नए 246 पीएनजी कनेक्शन लगाए जा चुके है। अभी तक औरंगाबाद जिला में 7 व्यवसायिक संस्थानों में पीएनजी कनेक्शन लिया जा चुका है। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 06186-295027 क्रियाशील है, जिस पर आमजन अपनी समस्या या शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिले के कुल 37 गैस एजेंसियों में से 06 संवेदनशील गैस एजेंसियों पर पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। नियंत्रण कक्ष में दिनांक 7 मई 2026 को प्राप्त कुल 06 शिकायतों में से 06 का निष्पादन कर दिया गया है। कालाबाजारी एवं जमाखोरी की रोकथाम हेतु सतत निगरानी की जा रही है।

बंद घर से हथियार बनाने की मशीन व 16 अर्धनिर्मित पिस्तौलें बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

साहिबगंज। जिले के पतना प्रखंड अंतर्गत रांगा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। रांगा थाना पुलिस और बिहार एसटीएफ की संयुक्त टीम ने आमगाछी केंदुआ ईदगाह के समीप एक बंद घर में छापेमारी कर भारी मात्रा में हथियार और उपकरण बरामद किए। पुलिस टीम ने घर के चार ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया। भीतर का दृश्य देख अधिकारी भी हैरान रह गए। कमरे से पिस्टल बनाने की मशीन, लेथ मशीन, 16 अर्धनिर्मित पिस्टल, मैगजीन समेत हथियार निर्माण में प्रयुक्त कई आधुनिक

उपकरण बरामद किए गए। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, बिहार में हाल ही में गिरफ्तार कुछ अपराधियों की निशानदेही पर यह कार्रवाई की गई है। हालांकि, जिस घर से यह बरामदगी हुई है, उसके मालिक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में अधिकतर बाहरी लोग निवास करते हैं, जिसके कारण किसी को इस गतिविधि की भनक तक नहीं लग सकी। घटना के बाद इलाके में दहशत और आश्चर्य का माहौल है। पुलिस ने सभी बरामद सामान को जब्त कर लिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। मौके पर बरहड़वा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल, बरहड़वा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह, रांगा थाना प्रभारी गौरव सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। रांगा थाना प्रभारी अखिलेश यादव ने बताया कि मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ बिहार में पकड़े गए अपराधियों की सूचना के आधार पर किया गया है। मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से साझा की जाएगी।

इधर, जिला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष जेएमएम के नेताओं ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि ये सरकार पूंजीपतियों की सरकार है। आम जनता महंगाई के बोझ तले दबती जा रही है, रसोई गैस की भी कीमत बढ़ती जा रही है। केंद्र सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।

ओटीपी के बाद भी नहीं दिया जा रहा सिलेंडर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। प्रखंड क्षेत्र में गैस सिलेंडर के लिए लोगों में हाहाकार मचा हुआ है। इसके पीछे का मुख्य कारण गैस एजेंसी द्वारा गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी बताई जा रही है। इस कालाबाजारी के पीछे गैस एजेंसी संचालक व कर्मी के अलावे स्थानीय पदाधिकारी की संलिप्तता संदिग्ध नजर आ रही है। एक तरफ शासन और प्रशासन गैस सिलेंडरों की पर्याप्त मात्रा होने का ढ़ोल पीट रहे हैं, तो दूसरी ओर गैस एजेंसी आपदा में अवसर तलाश करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। फलस्वरूप आमलोगों को गैस सिलेंडर के उठाव के लिए कार्यालय से गोदाम तक का चक्कर लगाना पड़ रहा है। उपभोक्ता एवं उसके परिजन तड़के सुबह 4 बजे से लेकर तपती धूप में घंटों तक इंतजार कर रहे हैं और इसके बावजूद अधिकांश लोगों को बिना गैस सिलेंडर लिए दुःखी मन से वापस घर लौटना पड़ रहा है। गुरुवार की सुबह भी विवादों में घिरे रहने वाले निशा भारत गैस एजेंसी के गोदाम पर सुबह 4 बजे से लेकर दोपहर तक उपभोक्ताओं की लंबी कतार देखने को मिली।

महेंद्र सिंह धोनी बने बिहार-झारखंड के नंबर वन टैक्स पेयर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर बिहार-झारखंड के सबसे ज्यादा आयकर दाता बने हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में माही ने एक बार फिर व्यक्तिगत श्रेणी में सबसे अधिक इनकम टैक्स दिया है। इसकी घोषणा बिहार-झारखंड के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त डॉ। डी सुधाकर राव ने गुरुवार को रांची में की। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त ने कहा कि धोनी एक बार फिर नंबर वन टैक्स पेयर बने हैं। हालांकि उन्होंने इस मौके पर आयकर की राशि नहीं बतायी। उन्होंने कहा कि बीते-वित्तीय वर्ष 2025- 26 के दौरान बिहार-झारखंड से करीब 20 हजार करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है, जिसमें 12 हजार करोड़ झारखंड से और 8 हजार करोड़ बिहार से मिला है। चालू वित्तीय वर्ष में भी 20,000 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है। उम्मीद करते हैं कि झारखंड से पिछले वित्तीय वर्ष की तरह 12,000 करोड़ का राजस्व प्राप्त होगा। बिहार-झारखंड में पैन कार्ड होल्डर 515 करोड़ हैं। मगर रिटर्न फाइल महज 40 लाख ही करते हैं। रिटर्न दाखिल करने वाले 40 लाख में झारखंड से 60% हैं, शेष 40% बिहार के हैं। आयकर विभाग आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या बढ़ाने के लिए इन दिनों विशेष अभियान चलाने जा रहा है, जिसके तहत 1 अप्रैल 2026 से लागू नये आयकर कानून की जानकारी आयकर दाताओं को दी जायेगी। इस अभियान का नाम आयकर विभाग ने प्रारंभ दिया है जो मई-जून महीने में बिहार-झारखंड के सभी प्रमुख शहरों में आयोजित किया जायेगा। 21 मई को पटना से प्रारंभ कार्यक्रम की शुरुआत होगी, जो मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, गया के बाद रांची, जमशेदपुर, बोकारो, हजारीबाग, धनबाद, दुमका जैसे शहरों में आयकर विभाग आयोजित कर आयकर दाताओं को नये कानून की जानकारी देगा। इधर, नए आयकर कानून को लेकर झारखंड दौरे पर आए प्रधान मुख्य कर आयुक्त डॉ डी सुधाकर राव ने गुरुवार को दोनों राज्यों के आयकर अधिकारियों के साथ दिनभर बैठक की और विभागीय कामकाज की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिया।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या : ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/755, दिनांकः 06.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नया मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा रेलवे स्टेशन, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्यों के लिए ओपन ई-टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं: **क्रम सं. 1, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3540, कार्य का नाम** : "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 12ए/1 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" से संबंधित विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 9,25,614/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु.18,500/-, **क्रम सं. 2, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3560-आर, कार्य का नाम** : "पूर्व रेलवे मुख्यालय भवनों (फेयरली प्लेस और ओल्ड केजी) के कार्यालयों के रिमॉडलिंग तथा भवन के बाहरी हिस्से के बड़े पैमाने पर उन्नयन जिसमें भवन की छत, दीवारों, चारदीवारी की व्यापक मरम्मत और छत से होने वाले रिसाव की रोकथाम शामिल हैं" से संबंधित विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 79,45,476/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 1,58,900/-, **क्रम सं. 3, निविदा संख्याः ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3588, कार्य का नाम** : "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 6/3 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 9,25,614/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 18,500/-, **क्रम सं.4, निविदा संख्याः ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3564-आर, कार्य का नाम** : "एईएन/आजिमगंज के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 24ए/4(ई) के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 9,25,614/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 18,500/-, **क्रम सं.5, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3610, कार्य का नाम :1)** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 7/ सी के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **2)** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 5/4 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **3)** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 5/3 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **4)** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 7/1 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **5)** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 7/5 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 46,28,070/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 92,600/-, **क्रम सं.6, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3563-आर, कार्य का नाम** : "एईएन/एसपीएल/हावड़ा के अंतर्गत हावड़ा रेलवे परिसर में भू-दृश्य विकास, बागवानी कार्यों और अन्य सहायक कार्यों" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 61,94,848/- **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 1,23,900/-, **क्रम सं.7, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3582, कार्य का नाम** : "मुरारई-गुमानी स्टेशनों पर 3 मीटर चौड़े एफओबी के विस्तार" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 23,82,453/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 47,700/-, **क्रम सं.8, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3552-ए, कार्य का नाम** : "एईएन/बोलपुर शांतिनिकेतन के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/बोलपुर शांतिनिकेतन के कार्यक्षेत्र में एमएलवी स्टेशन पर एफओबी के विस्तार" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 21,87,117/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 43,800/-, **पूर्णता अवधि:** 180 दिन (क्रम सं. 1 से 8 प्रत्येक हेतु)। **समापन तिथि एवं समयः** दिनांक 29.05.2026 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 से 8 प्रत्येक हेतु) । यदि किसी कारणवश उपर्युक्त समापन तिथि को अवकाश/ बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा जमा करने की तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस वेबसाइट पर समापन तिथि और समय के बाद कोई निविदा जमा नहीं की जा सकती। हालांकि, निविदाओं का ऑनलाइन उद्घाटन समापन तिथि के बाद किसी भी सुविधाजनक दिन किया जा सकता है। निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि उपरोक्त वेबसाइट पर अपनी निविदा ऑनलाइन प्रस्तुत करें।

HWH-53/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा सूचना सं.: **10-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 06.05.2026** के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थानः** "आसनसोल मंडल-बराकर स्टेशन यार्ड में अप रिसेप्शन लाइन (लाइन नं. 16) का विस्तार"। **निविदा मूल्य:** रु. 1,10,08,062,65, **बयाना राशि:** रु. 2,20,200/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 01.06.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in**

ASN-56/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आद्रा मंडल में 'एक स्टेशन-एक उत्पाद' योजना के लिए इच्छा की अभिव्यक्ति

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा द्वारा इच्छुक पार्टियों से निम्नलिखित कार्य के लिए मुहरबंद लिफाफों में "इच्छा की अभिव्यक्ति" आमंत्रित की जाती है: **कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल के अंतर्गत बिष्णुपुर-प्लेटफॉर्म-2 एवं 3 (स्टॉल), गड़बेता, चन्द्रकोणा रोड, झँटी पहाड़ी, रामकनाली, बर्नपुर-2, बोवाईचंडी तथा कोटशिला (ट्रॉली) स्टेशनों पर 'एक स्टेशन-एक उत्पाद' योजना का परिचालन (01 स्टॉल और 08 ट्रॉली)। **कार्य का स्थान:** जिस स्टेशन के लिए आवेदन किया गया है। **अनुबंध की अवधि:** एक पारी में 15 दिन (रोस्टर और प्राथमिकता वार)। दस्तावेजों सहित भरे हुए आवेदनों को जमा करने की अंतिम तारीख **16.05.2026 को दोपहर 1:00** बजे तक है। आवेदन संबंधित स्टेशन प्रबंधक के कार्यालय में रखे ड्रॉप बॉक्स में **16.05.2026 को दोपहर 1:00** बजे तक जमा किए जा सकते हैं। उक्त बॉक्स **16.05.2026 को अपराह्न 3:00** बजे खोला जाएगा। इच्छा की अभिव्यक्ति प्रपत्र दक्षिण पूर्व रेलवे की वेबसाइट **www.ser.indianrailways.gov.in** से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

(PR-139)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/आद्रा

दक्षिण पूर्व रेलवे

मुस्कान के साथ सेवा

मिड-डे मील खाने के बाद 250 से अधिक बच्चे बीमार

बच्चे की थाली में मिला था मरा हुआ सांप

- इलाके में हड़कम्प, परिजनों में बेचैनी
- सभी बच्चे इलाजरत व खतरे से बाहर
- घटना सोशल मीडिया पर हो रही वायरल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सहरसा जिले में गुरुवार को एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिले के महिषी प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय बलुआहा में मिड-डे मील खाने के बाद 250 से अधिक बच्चे अचानक बीमार पड़ गए। खाना खाने के कुछ देर बाद ही बच्चों ने पेट दर्द, उल्टी, चक्कर और बेचैनी की शिकायत की, जिसके बाद स्कूल परिसर में भारी हड़कंप मच गया। आनन-फानन में सभी बीमार बच्चों को इलाज के लिए महिषी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में बीमार बच्चों के पहुंचने से स्वास्थ्य केंद्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और भीड़ जमा हो गई। डॉक्टरों की टीम लगातार बच्चों की जांच और उपचार में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि एक बच्चे की थाली में सांप का मरा हुआ बच्चा मिला था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। हालांकि राहत की बात यह है कि सभी बच्चे अब खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

पांचवीं कक्षा के छात्र रोहित कुमार ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे स्कूल में भोजन में चावल-दाल दिया गया था। इसे खाने के कुछ ही देर बाद तबीयत खराब होने लगी। पेट में तेज दर्द के साथ उल्टी और चक्कर आने लगे। वहीं, सातवीं कक्षा की छात्रा शिवानी ने भी बताया कि भोजन के तुरंत बाद एक-एक कर कई बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी थी।

घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सहरसा के सिविल सर्जन डॉ. राजनारायण प्रसाद स्वास्थ्य अधिकारियों की टीम के साथ तुरंत महिषी पहुंचे और बच्चों के इलाज की व्यवस्था का जायजा लिया। सिविल सर्जन डॉ. राजनारायण प्रसाद ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह फूड प्वाइजनिंग का मामला लग रहा है। सभी बच्चों का तुरंत इलाज किया जा रहा है। एहतियात के तौर पर जिन बच्चों की तबीयत ज्यादा खराब थी, उन्हें सहरसा सदर अस्पताल रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल सभी बच्चों का उपचार जारी है।

कोर्ट ने थाना प्रभारी पर लगाया जुर्माना

सासाराम। जगदीशपुर थाना प्रभारी के द्वारा न्यायालय के आदेश का समय पर अनुपालन न करने के मामले में थाना प्रभारी जगदीशपुर को अदालत ने 500 रुपये की लागत अदा करने का निर्देश दिया है। साथ ही भविष्य में सतर्क रहने की चेतावनी भी दी है। न्यायालय में पेश होकर थाना प्रभारी जगदीशपुर ने बताया कि आदेश का पालन जानबूझकर नहीं रोका गया। उन्होंने कहा कि वह अन्य सरकारी कार्यों में व्यस्त होने के कारण अनुपालन नहीं कर पाए। थाना प्रभारी ने अपने कृत्य के लिए खेद जताते हुए 500 रुपये लागत देने की इच्छा जताई और पूर्व में आरक्षी अधीक्षक, भोजपुर के खिलाफ पारित आदेशों को वापस लेने का अनुरोध किया। न्यायालय ने थाना प्रभारी के पश्चाताप और मामले की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए उदार रुख अपनाया। अदालत को बताया गया कि देनदार रमेश कुमार की मृत्यु से संबंधित रिपोर्ट पहले ही जिलाधिकारी भोजपुर, आरा को प्राप्त हो चुकी है। इसके बाद अदालत ने थाना प्रभारी को जिला विधिक सेवा प्राधिकार रोहतास, सासाराम में 500 रुपये लागत जमा करने का आदेश दिया।

मनाई गई रवीन्द्रनाथ टैगोर की 165 वीं जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता रबीन्द्रनाथ टैगोर की 165 वीं जयंती गयाजी के स्थानीय चौक स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल प्रांगण में कॉंग्रेस पार्टी के तत्क्षण में मनाई गई। सर्वप्रथम रवीन्द्रनाथ टैगोर के चित्र पर माल्यार्पण के पाश्चात्य उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया।

जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, रंजीत कुमार सिंह श्रीकांत शर्मा, दामोदर गोस्वामी, इंटक के जिला महासचिव टिंकू गिरी, विनोद बनारसी, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, मुन्ना मांझी, प्रद्युम्न दुबे, रूपेश चौधरी, अशोक राम आदि ने कहा कि भारतीय संस्कृतिक चेतना में नई जान फूंकने वाले युगद्दष्टा एशिया महादेश के प्रथम नोवेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर ही विश्व के ऐसे कवि हैं जिनकी दो रचनाएं दो देशों का राष्ट्रगान बनी।

नेताओं ने कहा कि श्री टैगोर का भारत का राष्ट्र-गान ₹ जन- गन-मन ₹ और बांग्लादेश का आमार सोनार बांग्ला दोनों देशों के लिए प्रेरणादायी और राष्ट्रीय भावना को जागृत करने वाला गान है। नेताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकारों से रबीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती सभी शैक्षणिक संस्थानों में मनाने तथा इनकी प्रतिमा सभी संवैधानिक संस्थाओं में लगाने की मांग दोहराई है।

पति ने पत्नी को गोलियों से भूना

गुस्साये ग्रामीणों ने पति को पीट-पीटकर मार डाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। एक पति-पत्नी के विवाद ने खूनी रूप ले लिया। पहले पति ने पत्नी को गोली मार दी, जिसके बाद आक्रोशित भीड़ ने आरोपी पति को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

घटना सिरारी थाना क्षेत्र के कैथवां गांव के समीप रेलवे फाटक के पास की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नवादा जिले के सुल्तानपुर गांव निवासी 28 वर्षीय प्रदीप ठाकुर बाइक से पहुंचा और फिल्मी अंदाज में ई-रिक्शा से अपनी पत्नी 25 वर्षीय प्रतिमा देवी को नीचे उतार लिया। इसके बाद उसने कमर में छिपाकर रखे देशी पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी ने पत्नी को एक के बाद एक चार गोलियां मारीं।गोली की आवाज सुनते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। घटना के बाद भागने की कोशिश कर रहे आरोपी पति को लोगों ने पकड़ लिया। आक्रोशित भीड़ ने उससे हथियार छीन लिया और फिर बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घायल महिला को गंभीर हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला की पहचान प्रतिमा देवी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से सुमका गांव की रहने वाली बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और सनसनी का माहौल है।पुलिस ने मौके से पिस्टल और कई खोखे बरामद किए हैं। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि थाना से महज दो किलोमीटर की दूरी पर घंटों तक मॉब लिंचिंग जैसी घटना होती रही, लेकिन पुलिस समय पर नहीं पहुंच सकी। जानकारी के अनुसार, अब तक मॉब लिंचिंग में शामिल लोगों की न तो पहचान की गई है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। जिले में सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद आक्रोशित लोगों ने हाजीपुर-जंदाहा मुख्य मार्ग को अंधरावर चौक के पास जाम कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस लोगों को समझाने-बुझाने में जुट गई।

पूरा मामला सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, बुधवार देर रात अंधरावर चौक के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो भाइयों को कुचल दिया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को निजी पिकअप वाहन से सहदेई स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही बड़े भाई सुरेश साहनी की मौत हो गई, जबकि छोटे भाई असेसर साहनी की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है।घटना के बाद मृतक के घर में मातम पसरा हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सहदेई बुजुर्ग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था पूरी तरह बदहाल है और स्वास्थ्यकर्मियों की लापरवाही आम बात हो गई है। लोगों ने कहा कि इस घटना ने एक बार फिर बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था की जमीनी हकीकत उजागर कर दी है।

जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद लोगों को शांत कर जाम हटवाया। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए भेज दिया गया।

पूर्वा एक्सप्रेस से नवविवाहिता गायब

गयाजी। गया जंक्शन से एक विवाहिता के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। औरंगाबाद जिले के देव प्रखंड क्षेत्र के शिवपुर डेहरी निवासी अंशु कुमार अपनी पत्नी मुन्नी कुमारी के साथ बुधवार को 12382 दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस से गया पहुंचे थे। ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर रुकी, जहां से दोनों उतरकर डेल्हा साइड स्थित प्रतीक्षालय में जाकर बैठ गए। बताया गया कि दोनों को प्लस टू लीला महतो हाई स्कूल जाना था, जहां इंटर पास करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए सीएलसी लेने की प्रक्रिया पूरी करनी थी।

इसी दौरान मुन्नी कुमारी ने पति से शौच जाने की बात कही और प्रतीक्षालय से बाहर निकल गई। काफी देर बीत जाने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो पति अंशु कुमार परेशान हो उठा। उसने पत्नी के मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। इसके बाद स्टेशन परिसर में खोजबीन शुरू की गई, लेकिन महिला का कोई पता नहीं चल सका।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़िता ने होटल के कमरे से पुलिस को फोन कर मदद मांगी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को सुरक्षित बाहर निकालते हुए आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र निवासी सुजीत कुमार से उसका करीब ढाई वर्षों से प्रेम संबंध था। इस दौरान आरोपी लगातार शादी का वादा कर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाता रहा। आरोप है कि आरोपी ने एक बार फिर मिलने के बहाने उसे बुलाया और होटल में अपनी पत्नी बताकर कमरा बुक कराया। इसके बाद कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट और प्रताड़ना भी की। किसी तरह मौका मिलते ही उसने पुलिस को फोन कर पूरी घटना की जानकारी दी। सूचना के बाद अहियापुर थाना पुलिस ने तत्काल होटल में छापेमारी की और कमरे का दरवाजा खुलवाकर युवती को सुरक्षित बाहर निकाला।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने होटल के कमरे को सील कर दिया है। साथ ही एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। विशेषज्ञों की टीम ने होटल पहुंचकर साक्ष्य जुटाए।

इस संबंध में एसडीपीओ टाउन-2 बिनीता सिन्हा ने बताया कि युवती ने पुलिस को फोन कर होटल के कमरे में गलत कार्य किए जाने की सूचना दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवती को सुरक्षित निकाला और आरोपी सुजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता का मेडिकल जांच कराया जा रहा है।

बुनियादी सुविधाओं से वंचित है सीएचसी मदनपुर

तीन महीनों से बंद पड़ी है एक्स-रे मशीन

नवबिहाार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मदनपुर में एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड एवं सिटी स्कैन की सुविधा मरीजों को उपलब्ध नहीं है। मदनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की भीड़ प्रति दिन लगी रहती है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर अवस्थित रहने के कारण आए दिन सड़क दुर्घटना में घायल मरीज यहां उपचार हेतु आते हैं। मदनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक्स-रे मशीन जो पूर्व से लगा हुआ था वह एक्स-रे प्लेट के अभाव में लगभग तीन माह से बंद है। ग्रामीण क्षेत्र में यह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रहने के कारण गरीब एवं मध्यम वर्ग के ही मरीज अक्सर यहां उपचार हेतु आते हैं जो बाहर से महंगे दर पर जांच करवाने में सक्षम नहीं है

सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का ध्यान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मदनपुर के मुलभूत समस्याओं के प्रति आकृष्ट नहीं हो सकी है। एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड एवं सिटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध नहीं रहने के कारण मरीजों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है ।बाहर उक्त जांच करवाने में मरीजों को आर्थिक शोषण किया जाता है।

मरीजों की हो रही फजीहत

डीएम को पत्र लिखकर मैं अविलंब डिजिटल एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड एवं सिटी स्कैन की सुविधा मरीजों को अविलंब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मदनपुर में उपलब्ध करवाने की मांग करता हूं। उक्त जानकारी पूर्व अध्यक्ष, प्रखंड कांग्रेस कमेटी मदनपुर के संजीव कुमार सिंह ने विज्ञप्ति जारी कर दी।

गायब महिला की लाश बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। थाना क्षेत्र के नारगंजो स्थित गड़ीजोर जंगल में गुरुवार की सुबह एक 60 वर्षीय वृद्ध महिला का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

सूचना मिलते ही झाझा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान रजला गांव निवासी स्व. जमाहिर यादव की पत्नी विंदेश्वरी देवी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि विंदेश्वरी देवी दो दिन पहले लहाबन गांव स्थित अपनी बहन के घर जाने के लिए निकली थीं। स्वजन के अनुसार, उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह कम सुनती थीं।

गुरुवार की सुबह जंगल की ओर से तेज दुर्गंध आने पर ग्रामीण वहां पहुंचे। जंगल के अंदर एक महिला का शव पड़ा था, जिसे कपड़े से ढंका गया था। शव पूरी तरह सड़-गल चुका था और उससे तेज दुर्गंध निकल रही थी। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना झाझा थाना को दी।

गंदे पानी में डूबने से दो युवकों की गई जान, गुस्साये लोगों ने किया फोर लेन जाम

एक ने पेड़ की टहनी पकड़ बचायी जान, गड्ढे में गिरता है नगर निगम का गंदा पानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। लाखो पंचायत अंतर्गत रेलवे गुमटी संख्या 45 अयोध्याबाड़ी गांव से पूरब रेलवे गड्ढे में नगर निगम के जमा गंदा पानी में डूबने से दो युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सूजा पंचायत के कोहवा टोल शांतिनगर निवासी संजीत तांती के 25 वर्षीय पुत्र बमबम कुमार, लुझो तांती के 21 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार और अर्जुन तांती के 29 वर्षीय पुत्र बमबम तांती ये तीनों अपने पड़ोसी राजकुमार तांती की पुत्री की शादी के लिए आ रहे बरात को अगवानी करने बाइक से जा रहा था।

इसी दौरान उसका बाइक अनियंत्रित होकर सड़क से सटे पानी भरा गड्ढा में जा गिरा। गड्ढे में अत्यधिक पानी जमा रहने के कारण संजीत तांती के पुत्र बमबम कुमार और लुझो तांती के पुत्र रौशन कुमार की मौत डूबने से हो गई। जबकि अर्जुन तांती के पुत्र बमबम तांती पेड़ के टहनी पकड़कर अपनी जान बचाया।

घटना बुधवार की रात्रि करीब 11 बजे की है। सूचना पाकर लाखो थाना के एसआई रविशंकर कुमार पुलिस बल के साथ रात्रि में ही घटनास्थल पर पहुंचकर शव को गड्ढे से निकाला।

दोनों युवक की डूबने से मौत की खबर जैसे ही कोहवा टोल शांतिनगर सूजा पहुंचा, वैसे ही स्वजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीण रात्रि में ही घटनास्थल पर पहुंच गए।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और नगर निगम आयुक्त से नगर निगम क्षेत्र के दूषित गंदा पानी ग्रामीण क्षेत्रों में बहाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि नगर निगम का गंदा पानी बहाने की व्यवस्था नगर निगम क्षेत्र में ही करना चाहिए।

पूर्व पंसस सुनील राय ने बताया कि 2021 में भारी पुलिस बल की निगरानी में अयोध्याबाड़ी रेलवे गुमटी संख्या 45 के पहुंच पथ को रात्रि में काटकर बेगूसराय की ओर से आ रही गंदा पानी को लाखो निपनिया टोल की ओर पानी बहा दिया गया, उस दिन से नगर निगम क्षेत्र का गंदा पानी अयोध्याबाड़ी और लाखो निपनिया टोल के बीच रेलवे गड्ढे में जमा रहता है।

इसी के किनारे से सड़क गुजरी है, जिससे होकर कोहवा टोल, शांतिनगर, चक्की टोला, निपनिया टोल के ग्रामीण गुजरते हैं ।गंदा पानी से दुर्गन्ध निकलते रहता है। इस गड्ढे में डूबने की कई घटना घट चुकी है।

प्रिंस खान के गुर्गे ने उगले कई राज

कई सफेदपोश व मीडियाकर्मी भी पुलिस के रडार पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। *वासेपुर का भगोड़ा बदमाश प्रिंस खान और उसके गिरोह को लेकर धनबाद पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। प्रिंस के सहयोगी सैयद अब्बास नकवी उर्फ सैफी उर्फ मेजर से पूछताछ के बाद पुलिस ने दावा किया है कि गिरोह ने दहशत फैलाने के लिए मीडिया और कुछ प्रभावशाली लोगों का भी इस्तेमाल किया।*

मेजर ने पुलिस को बताया कि कुछ लोग प्रिंस खान से आर्थिक रूप से लाभान्वित हो रहे थे और अप्रत्यक्ष रूप से गिरोह के लिए काम कर रहे थे। इसके अलावा उसने यह भी कहा कि गिरोह के तार कुछ सफेदपोश और राजनीतिक व्यक्तियों से भी जुड़े हुए हैं। पुलिस अब इन सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है।

धनबाद पुलिस ने प्रिंस खान के सहयोगी मेजर को रिमांड पर लेकर पूछताछ की। मेजर को पुलिस ने दुबई भागने से पहले कोलकाता से गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि मीडिया को प्रिंस खान गिरोह, उसकी करतूतों और उसके मददगारों के बारे में जानकारी दी।

एसएसपी ने बताया कि प्रिंस खान के तार मीडिया और राजनीतिक दलों से भी जुड़े हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं बताया। वहीं, लोग जानना चाहते हैं कि किन दलों के किन नेताओं से प्रिंस के संबंध जुड़े हैं।एसएसपी ने बताया कि रिमांड पर पूछताछ के दौरान मेजर ने अपने खिलाफ दर्ज करीब तीन दर्जन आपराधिक मामलों में प्रत्यक्ष संलिप्तता स्वीकार की। इसके साथ ही उसने कई अन्य मामलों में भी अपनी अप्रत्यक्ष भूमिका का खुलासा किया।

उसने पुलिस को बताया कि धनबाद और आसपास के इलाकों में रंगदारी, गोलीबारी और बमबाजी की अधिकांश घटनाओं के पीछे प्रिंस खान गिरोह की सुनियोजित रणनीति काम कर रही थी, जिसमें उसकी भूमिका भी बेहद अहम थी। मेजर के बयान को लेकर एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि पूछताछ में प्रिंस खान की कई करतूतों का खुलासा हुआ है।

मेजर ने पूछताछ में बताया कि गिरोह बेहद सुनियोजित तरीके से काम करता था। सबसे पहले जिले के बड़े व्यवसायियों, डाक्टरों, ठेकेदारों और अन्य सक्षम लोगों को चिन्हित किया जाता था। इसके बाद उनके बारे में पूरी जानकारी जुटाई जाती थी, खासकर कहां रहते हैं, क्या कारोबार है, आर्थिक स्थिति क्या है।

पूछताछ में यह भी सामने आया कि गिरोह का तकनीकी और वित्तीय संचालन पूरी तरह मेजर के हाथ में था। वह वर्चुअल नंबर उपलब्ध करवाता था, जिनके जरिए रंगदारी के लिए काल की जाती थी ताकि पुलिस ट्रेस न कर सके। मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से धमकी भरे संदेश भेजना भी उसी का काम था। सबसे अहम भूमिका उसकी पैसे के ट्रांजेक्शन में थी। उसने बताया कि रंगदारी की रकम को सीधे प्रिंस खान तक पहुंचाने के लिए बैंक खातों, हवाला, बिटकाइन और एटीएम में नकद जमा जैसे कई तरीकों का इस्तेमाल किया जाता था।

पूछताछ में उसने 100 से अधिक बैंक खातों की जानकारी दी है, जिनके जरिए करोड़ों रुपये का लेन-देन हुआ। पुलिस अब इन खातों की गहराई से जांच कर रही है। मेजर ने यह भी बताया कि प्रिंस खान और उसके परिवार के सदस्य ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं, इसलिए शुरूआत में उन्हें तकनीकी और वित्तीय मामलों में काफी परेशानी होती थी। इसी वजह से मेजर धीरे-धीरे उसका सबसे भरोसेमंद और करीबी सहयोगी बन गया।

मेजर ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस का दबाव बढ़ने के बाद प्रिंस खान के लिए दुबई में रहना मुश्किल हो गया था। गिरफ्तारी के डर से वह अवैध रूप से पाकिस्तान भाग गया। उसने बताया कि प्रिंस खान को पाकिस्तान भागने में उसके घर में काम करनेवाली एक पाकिस्तानी नौकरानी ने मदद की।

वर्तमान में वह पाकिस्तान में उसी के घर में रह रहा है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ चुका है। यह खुलासा धनबाद पुलिस के लिए बेहद गंभीर है, क्योंकि इससे इस पूरे गिरोह के अंतरराष्ट्रीय आतंकी कनेक्शन की आशंका मजबूत हुई है।

पूछताछ में यह भी सामने आया कि गिरोह ने दहशत फैलाने के लिए मीडिया और कुछ प्रभावशाली लोगों का भी इस्तेमाल किया। मेजर ने पुलिस को बताया है कि कुछ लोग प्रिंस खान से आर्थिक रूप से लाभान्वित हो रहे थे और अप्रत्यक्ष रूप से गिरोह के लिए काम कर रहे थे।

इसके अलावा उसने यह भी कहा कि गिरोह के तार कुछ सफेदपोश और राजनीतिक व्यक्तियों से भी जुड़े हुए हैं।

दूल्हे की हुई चप्पलों से पिटाई

समस्तीपुर। जिले के पटोरी थाना क्षेत्र में एक शादी उस समय हंगामे में बदल गई, जब वरमाला के दौरान दूल्हे की पहली पत्नी मौके पर पहुंच गई। देखते ही देखते शादी समारोह रणक्षेत्र में बदल गया। पहली पत्नी ने दूल्हे की कॉलर पकड़कर चप्पलों से पिटाई शुरू कर दी, जिसके बाद ग्रामीणों ने भी बारातियों को खदेड़ दिया। घटना पटोरी थाना क्षेत्र के लोदीपुर धीर गांव की है। बुधवार देर रात प्रदीप सहनी की बेटी अस्मिता की शादी वैशाली जिले के तिसिऔता थाना क्षेत्र के प्राणपुर निवासी पंकज कुमार के साथ हो रही थी। बारात धूमधाम से पहुंची थी और शादी की रस्में चल रही थीं। जैसे ही दुल्हन वरमाला के लिए स्टेज पर पहुंची और दूल्हे को माला पहनाने वाली थी, तभी अचानक दूल्हे की पहली पत्नी नीलम देवी वहां पहुंच गई। नीलम देवी ने दूल्हे की कॉलर पकड़ ली और चप्पलों से उसकी पिटाई शुरू कर दी। अचानक हुए इस घटनाक्रम से शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। दूल्हे के पहले से शादीशुदा होने की जानकारी मिलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए। लोगों ने बारातियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

ट्रक की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। जिले के एकमा थाना क्षेत्र में मांझी-बरौली स्टेट हाईवे-96 पर गुरुवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक स्कूटी सवार दुकानदार की मौत के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और मुआवजे व दोषी चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर करीब ढाई घंटे तक सड़क जाम कर दिया। इस दौरान लोगों ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को आग के हवाले करने का भी प्रयास किया।

मृतक की पहचान नगर पंचायत एकमा बाजार अंतर्गत हेकाम गांव निवासी स्वर्गीय सुरेश सिंह के पुत्र विनोद कुमार सिंह (50) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वह स्कूटी से एकमा से मांझी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान हंसराजपुर स्थित पेट्रोल पंप के समीप नहर पुलिया पर तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल विनोद कुमार सिंह को एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। लेकिन अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों ने पुलिस द्वारा जब्त ट्रक को थाना ले जाने के दौरान रोक दिया और बाद में छपरा-सिवान नेशनल हाईवे-531 पर अलख नारायण सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय एकमा के समीप शव रखकर सड़क जाम कर दिया। जाम के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई और लगभग ढाई घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि मृतक परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे और उनकी मौत से परिवार पर संकट टूट पड़ा है।

जनसंपर्क के बल पर राज्य की राजनीति में श्रवण कुमार की अपनी अलग पहचान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता श्रवण कुमार की राजनीतिक यात्रा संघर्ष, समर्पण और जनसेवा की एक प्रेरक मिसाल मानी जाती है। श्री कुमार ने संगठन और जनसंपर्क के बल पर राज्य की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने विधायक से लेकर मंत्री तक का लंबा राजनीतिक सफर तय किया है और कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। उन्होंने आज राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में मंत्री पद की शपथ ली। बिहार के नालंदा जिले में जन्मे श्री कुमार की राजनीतिक यात्रा की शुरुआत वर्ष 1974 के जेपी आंदोलन से हुई। इस आंदोलन में नीतीश कुमार भी शामिल थे। तभी से नीतीश कुमार और श्रवण कुमार के बीच रिश्ते प्रगाढ़ हुए जो अभी तक बरकरार हैं। श्रवण कुमार ने हजारीबाग जेल में जननायक कर्पूरी ठाकुर के सानिध्य में उन्होंने राजनीति के गुर सीखे। वर्ष 1985 में उन्होंने नालंदा विधानसभा सीट से लोकदल के टिकट पर अपना पहला चुनाव लड़ा जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उस चुनाव में उन्हें 2490 मत प्राप्त हुए थे। हार के बाद वे कुछ समय तक कर्पूरी ठाकुर से नहीं मिले, लेकिन बाद में जब जननायक ने उन्हें बुलाया तो उन्होंने उन्हें महत्वपूर्ण सीख दी कि पार्टी टिकट केवल जीतने के लिए नहीं, बल्कि नेता बनाने के लिए दिया जाता है। यह मार्गदर्शन उनके राजनीतिक जीवन में निर्णायक साबित हुआ। वर्ष 1990 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने जनता दल के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन इस बार भी उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा। इसके बाद वर्ष 1994 में जब नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडीज ने अलग राजनीतिक राह चुनी तो श्रवण कुमार ने जनता दल से इस्तीफा देकर नीतीश कुमार के नेतृत्व में आस्था जताई। वर्ष 1995 के नालंदा विधानसभा चुनाव में श्रवण कुमार ने नालंदा सीट से समता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने 2000, फरवरी 2005,अक्टूबर 2005, वर्ष 2010, वर्ष 2015 वर्ष 2020 और 2025 में लगातार इस सीट से जीत दर्ज की। वर्ष 2005 में नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद श्रवण कुमार जदयू के मुख्य सचेतक भी रहे। उन्होंने कई विभाग में मंत्री की जिम्मेदारी संभालते हुए प्रशासनिक अनुभव हासिल किया। मंत्री रहते हुए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, सड़क और आधारभूत संरचना को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया। नीतीश कुमार के करीबी नेताओं में माने जाने वाले श्रवण कुमार संगठन और सरकार दोनों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। सदन में शांत लेकिन प्रभावी शैली और प्रशासनिक अनुभव के कारण पार्टी नेतृत्व लगातार उन पर भरोसा जताता रहा है। हाल ही में श्रवण कुमार को बिहार में जदयू विधायक दल का नया नेता चुना गया है। सम्राट मंत्रिमंडल में एक बार फिर मंत्री पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद श्रवण कुमार बिहार की राजनीति में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार हैं। जमीनी पकड़, संगठनात्मक अनुभव और लंबे राजनीतिक सफर ने उन्हें राज्य की राजनीति का अहम चेहरा बना दिया है।

इंजीनियर से मंत्री बने निशांत कुमार, सक्रिय राजनीति में नई पारी शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने बिहार सरकार में पहली बार मंत्री पद की शपथ लेकर अपने सियासी सफर के शानदार शुरुआत की। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित समारोह में निशांत कुमार ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) कोटे से मंत्री पद की शपथ ली। निशांत कुमार ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पटना के सेंट कैरेंस स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद मानव भारती इंटरनेशनल स्कूल, मसूरी में अध्ययन किया तथा बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। निशांत कुमार की माता मंजू सिन्हा का वर्ष 2007 में निधन हो गया था। उस समय उन्होंने स्पष्ट कहा था कि उनकी राजनीति में कोई रुचि नहीं है और वे आध्यात्मिक जीवन जीना चाहते हैं। लंबे समय तक वे सार्वजनिक कार्यक्रमों में कम ही दिखाई दिए। हालांकि वर्ष 2024 के बाद उन्होंने अपने पिता के साथ कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेना शुरू किया। वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले भी वे कई बार मीडिया के सामने आए और लोगों से अपील की थी कि वे नीतीश कुमार को समर्थन दें। इसी वर्ष आठ मार्च को उन्होंने औपचारिक रूप से जनता दल यूनाइटेड की सदस्यता ग्रहण की। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद निशांत कुमार ने सक्रिय राजनीति में कदम बढ़ाया और हाल ही में पश्चिमी चंपारण से 'सद्भाव यात्रा' की शुरुआत की। राजनीतिक गलियारों में चर्चा रही कि निशांत कुमार शुरुआत में सरकार में शामिल होने को लेकर इच्छुक नहीं थे, लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के समझाने के बाद वे मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए तैयार हुए। निशांत कुमार के मंत्रिमंडल में शामिल होने को जदयू में नई पीढ़ी की एंट्री और पार्टी के भविष्य की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उन्हें नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है।

गन्ना मूल्य में मामूली वृद्धि पर किसान मोर्चा नाराज

एफआरपी को बताया किसानों के साथ विश्वासघात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पेराई सत्र 2026-27 के लिए केंद्र सरकार द्वारा गन्ना मूल्य के उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में मात्र 10 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि किए जाने पर बिहार राज्य गन्ना किसान मोर्चा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मोर्चा ने इसे किसानों के साथ बड़ा धोखा और 'ऊंट के मुंह में जीरा' के समान बताया है। मोर्चा के अध्यक्ष अशोक प्रसाद सिंह, महासचिव डॉ. आनंद किशोर तथा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जालंधर यदुवंशी ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि केंद्र सरकार एक ओर किसानों की आय दोगुनी करने और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप कृषि उपज का डेढ़ गुना मूल्य देने का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर लगातार गन्ना मूल्य में नाममात्र की वृद्धि कर किसानों की उपेक्षा की जा रही है। नेताओं ने कहा कि वर्ष 2024-25 में गन्ना मूल्य में 20 रुपये, वर्ष 2025-26 में 15 रुपये और अब वर्ष 2026-27 में मात्र 10 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि किसानों के साथ घोर अन्याय है। उनका आरोप है कि कृषि लागत एवं मूल्य आयोग बढ़ती मजदूरी, कीटनाशक एवं उर्वरकों की बढ़ती कीमत, बिजली और डीजल दरों में वृद्धि से बढ़े सिंचाई खर्च, गन्ना कटाई, ढुलाई और लदाई लागत की सही समीक्षा नहीं करता और चीनी मिल मालिकों के हित में मूल्य की अनुशंसा करता है। मोर्चा नेताओं ने कहा कि आयोग में किसानों का प्रतिनिधित्व नहीं होने के कारण गन्ना उत्पादन की वास्तविक लागत को नजरअंदाज किया जाता है। उनका दावा है कि वर्तमान समय में गन्ना उत्पादन की वास्तविक लागत करीब 700 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच चुकी है। उन्होंने राज्य सरकार पर भी समर्थन मूल्य तय करने में किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। किसान मोर्चा ने प्रधानमंत्री से स्वयं हस्तक्षेप कर गन्ना मूल्य के एफआरपी का पुनर्निर्धारण करने की मांग की है। मोर्चा का कहना है कि किसानों को न्यायपूर्ण और लाभकारी मूल्य नहीं मिलने से वे घाटे की खेती करने को मजबूर हैं और अब आंदोलन के लिए बाध्य हो रहे हैं। मोर्चा ने केंद्र सरकार से अविलंब गन्ना मूल्य पर पुनर्विचार करते हुए इसे कम से कम 700 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग की है।

नवनियुक्त मंत्री दामोदर रावत का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार के नवनियुक्त मंत्री व झाझा से विधायक दामोदर रावत के फिर से बिहार सरकार मंत्री बनने पर उनके समर्थकों ने भव्य स्वागत किया। पार्टी के कार्यकताओं ने श्री रावत का ढोल व बाजे के साथ दी गयी। मंत्री बनने पर उनके आवास पहुंचे अखिल भारतीय धानुक महासंघ के अध्यक्ष शंकर प्रसाद ने बताया कि पहले से मंत्री रहे दामोदर रावत के नेतृत्व में बिहार तेजी से आगे बढ़ेगा साथ ही इनको आवंटित परिवहन विभाग के कार्यकलापों में भी तेजी आयेगी। उनका स्वागत करने वालों में जितेन्द्र पटेल, सीमा पटेल, तप्पू सिन्हा, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे। इस दौरान मंत्री ने कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया।

सनातनमय हुआ पीएम नरेंद्र मोदी का रोड शो

प्रो रणबीर नंदन के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार कर साधुओं, संतों ने दिया नए मंत्रिमंडल को आशीर्वाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में नई सरकार के मंत्रिपरिषद विस्तार में शामिल होने पटना पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो उस समय पूरी तरह सनातन मय दिखा जब भाजपा कार्यालय के सामने बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के मंच पर बिहार के विभिन्न मठ मंदिरों से आए साधु संतों ने राम नाम का हरिकीर्तन कर नए मंत्रिमंडल को आशीर्वाद दे रहे थे। इस दौरान रोड शो में बिहार के हजारों की संख्या में साधु संत पुष्प वर्षा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बनी सनातनी सरकार को आशीर्वाद दे रहे थे। इस मौके पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद प्रोफेसर रणबीर नंदन ने कहा कि बिहार सनातनियों का गढ़ रहा है और बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार बनने से सनातनियों में नई उम्मीद जगी है और बिहार में नई वैदिक संस्कृति का विकास होगा। उन्होंने कहा कि अब गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा की सरकार है जिससे देश में अब मठ मंदिरों में सनातन संस्कृति का विकास तेजी से होगा। इस मौके पर प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, राधा कुंज बिहारी मठ, सनातन वेदांत फाउंडेशन सहित कई कबीर मठ सामाजिक संगठन के साधु, संतों ने भगवान का कीर्तन कर कार्यक्रम को भक्तिमय कर दिया। इस मौके बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के सदस्य हिमराज राम, सदस्य अभिमन्यु कुमार सिंह, न्यास पर्षद के अधिकारी, तुषार कांति, तुलस्यान, रंजन प्रियदर्शी, चौधरी, सुनील कुमार सिंह, राजू चंद्रवशी, बी के सत्येंद्र सहित हजारों की संख्या में साधु महात्मा शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया।

पंचायत स्तर के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली' के प्रावधानों के अनुपालन हेतु प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2026 के कार्यान्वयन हेतु सभी हितधारकों के लिए एक विस्तृत निर्देश जारी किया गया है जिसका सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगातार अनुश्रवण किया जा रहा है। जारी आदेश में कहा गया है कि इन नियमों का पालन न करना केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं माना जायेगा बल्कि तीन स्तरों पर प्रवर्तन हेतु किए गए प्रावधान के अंतर्गत जो पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करेंगे, उन पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है।

ज्ञात हो कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 27 जनवरी, 2026 को 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 2016 से लागू नियमावली के स्थान पर 'ठोस अपशष्टि प्रबंधन नियमावली, 2026' अधिसूचित किया गया है जो पूरे देश में 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी है।

चोला एमएस ने एंबुलेंस दान कर आपातकालीन व्यवस्था को किया मजबूत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। चोलामंडलम एमएस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व पहल के तहत पटना में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करते हुए बेसिक लाइफ सपोर्ट सिस्टम से लैस दो विंगर एंबुलेंस दान की है। यह पहल इंडियन हेड इंजरी फाउंडेशन के सहयोग से लागू की गई है। इन एंबुलेंस का औपचारिक शुभारंभ आज शाम पटेल भवन में किया गया। बीएलएस से सुसज्जित इन वाहनों को सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को बढ़ाने के लिए बिहार ट्रैफिक पुलिस को सौंपा गया है। फ्लैग-ऑफ समारोह में कई वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे जिनमें बिहार पुलिस के डीजीपी विनय कुमार, एडीजी ट्रैफिक सुधांशु कुमार, आईएचआईएफ का प्रतिनिधित्व कर रहे एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कमोडोर रणबीर तलवार, चोला एमएस के मैनेजिंग डायरेक्टर वी. सूर्यनारायणन तथा चोला एमएस के चीफ कंप्लायंस ऑफिसर महेंद्र त्रिपाठी शामिल थे। इस अवसर पर आईएचआईएफ टीम के सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने चोला एमएस के इस योगदान की सराहना की और पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं से आगे बढ़कर आपातकालीन चिकित्सा सहायता को मजबूत करने में सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर चोला एमएस के प्रबंध निदेशक वी. सूर्यनारायणन ने कहा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व चोला एमएस की मूल भावना का अभिन्न हिस्सा है। मुरुगप्पा समूह का हिस्सा होने के नाते, समाज को वापस देना हमारी संस्कृति में शामिल है। ये एंबुलेंस सड़क दुर्घटना पीड़ितों को समय पर चिकित्सा सहायता पहुंचाने और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बेहतर बनाने के प्रति चोला एमएस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की उसकी व्यापक दृष्टि को प्रतिबिंबित करती है।

संगठन सृजन साथी अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कांग्रेस की बैठक 12 को

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम की अध्यक्षता में आगामी 12 मई 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। बैठक में प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों, पर्यवेक्षकों, कनेक्ट सेंटर से जुड़े पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पूरे प्रदेश में 'संगठन सृजन साथी' लक्ष्य अभियान को सामूहिक नेतृत्व के माध्यम से धरातल पर उतारना और उसे पूर्ण रूप से सफल बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श करना एवं बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि यह बैठक संगठन को नई ऊर्जा, नई दिशा और नई ताकत देने का अभियान है। कांग्रेस पार्टी गांव, पंचायत और समाज के सभी वर्गों तक अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है।

बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने नए मंत्रियों को दी बधाई और शुभकामनाएं

मंत्रिमंडल में सभी समाज को मिला प्रतिनिधित्व : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बिहार मंत्रिमंडल में शामिल नए मंत्रियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने नए मंत्रियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप सभी जनसेवा से 'विकसित बिहार' के लक्ष्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने विश्वास जताते हुए कहा कि मंत्रिमंडल में शामिल सभी सदस्यों का अनुभव और कर्तव्यपरायणता से बिहार के विकास की राह और मजबूत होगी तथा यह प्रदेश विकास और सुशासन में नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। उन्होंने नई जिम्मेदारी के लिए सभी की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि इस मंत्रिमंडल में अनुभवी नेताओं और युवा जोश की भागीदारी है तो आधी आबादी को भी उचित प्रतिनिधित्व देकर सम्मान दिया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मंत्रिमंडल में समाज के सभी वर्गों को उचित प्रतिनधित्व दिया गया है। युवाओं की भागीदारी से नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कुशल नेतृत्व में ये सरकार विकास, सुशासन एवं जनकल्याण के संकल्प को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाते हुए बिहार को प्रगति, समृद्धि और नए कीर्तिमानों की ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार बिहार मजबूती और विकास के साथ आगे बढ़ाने को लेकर प्रतिबद्ध है, चाहे वह प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार हो या सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार सरकार। हम हर तरह से पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, और नया मंत्रिमंडल प्रदेश की तरक्की को तेज़ी से बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेगी। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की गरिमामयी उपस्थिति में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल विस्तार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित एनडीए के प्रमुख नेताओं की उपस्थिति को उन्होंने ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण क्षण बताया।

ईसीआर डब्ल्यूडब्ल्यूओ, दानापुर का महिला स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में सराहनीय प्रयास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दानापुर। ईसीआर डब्ल्यूडब्ल्यूओ, दानापुर की अध्यक्षा निशी देव के मार्गदर्शन में सृजन प्रेक्षा गृह, रेलवे स्कूल में महिला स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता को समर्पित एक सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ईसीआर डब्ल्यूडब्ल्यूओ, हाजीपुर की अध्यक्षा सुनीता सिंह थीं। उनके गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष प्रेरणा एवं उत्साह प्रदान किया। इस अवसर पर छात्राओं की सुविधा एवं जागरूकता को ध्यान में रखते हुए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन का उद्घाटन किया गया। साथ ही छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मासिक धर्म स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। इसके अतिरिक्त डॉ. श्रेया द्वारा पीरियड्स जागरूकता एवं मासिक धर्म स्वच्छता विषय पर एक अत्यंत जानकारीपूर्ण एवं प्रेरणादायक टॉक शो आयोजित किया गया जिसमें छात्राओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं आवश्यक सावधानियों के विषय में सरल एवं उपयोगी जानकारी दी गई। छात्राओं द्वारा इस विषय पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति भी दी गई जिसने सभी उपस्थित लोगों को जागरूकता एवं संवेदनशीलता का महत्वपूर्ण संदेश दिया। रेलवे की कर्मचारी श्वेता ने 'शक्ति' को दर्शाती हुई एक बेहतरीन एवं भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुति दी जिसने उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को पैड के पैकेट वितरित किए गए। विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं शिक्षकगण भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई। ईसीआर डब्ल्यूडब्ल्यूओ, दानापुर की सचिव आराधना एवं कोषाध्यक्ष स्वाति की इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम ईसीआर डब्ल्यूडब्ल्यूओ, दानापुर की समाज कल्याण, महिला सशक्तिकरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का एक सराहनीय प्रयास रहा।

इएसआइसी मेडिकल कॉलेज, बिहटा में 40 वर्ष के श्रमिकों के लिए निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहटा (पटना)। इएसआइसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बिहटा के ऑडिटोरियम में 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए निःशुल्क 'वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम' का सफलतापूर्वक शुभारंभ हुआ। भारत सरकार के केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम द्वारा देश के 12 विभिन्न स्थानों पर एक साथ इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग के सचिव दीपक आनंद (भा.प्र.से.) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही बिहार के श्रमायुक्त राजेश भारती ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में उपस्थित रहे। विदित हो कि नवंबर 2025 में अधिसूचित श्रम संहिताओं के अंतर्गत, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता 2020 की धारा 6(1)(ए) के तहत अब प्रत्येक नियोक्ता के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वह अपने 40 वर्ष से अधिक उम्र के श्रमिकों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करे।

बिहार के नवगठित मंत्रिमंडल के सदस्यों को मंगल पांडेय ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बिहार सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बिहार के एनडीए सरकार में नवगठित ''नवगठित मंत्रिमंडल'' में शपथ ग्रहण करने वाले सभी मंत्रियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सहित मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री अब बिहार के चहुंमुखी विकास के लिए पूरी तन्मयता और जोर-शोर से कार्य करेंगे। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास के मंत्र को साधेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह टीम मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में बिहार को विकास के नए आयाम पर ले जाएगी। उन्होंने नवगठित मंत्रिपरिषद की संरचना को उचित 'सामाजिक समीकरण को साधने वाला मंत्रिमंडल' करार दिया है। श्री पांडेय ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने विशेष रूप से पिछड़े वर्ग, अति पिछड़े वर्ग और दलित समाज के प्रतिनिधियों को मंत्रिमंडल में समुचित स्थान देकर एक ऐतिहासिक और सकारात्मक संदेश दिया है।

विक्रमशिला सेतु से शीघ्र यातायात बहाली को लेकर युद्धस्तर पर तैयारी

सचिव ने बीआरओ और आइआइटी की टीम के साथ की उच्चस्तरीय समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त होने से उत्पन्न स्थिति और यातायात को पुनः सुचारू रूप से बहाल करने के उद्देश्य से आज पथ निर्माण विभाग के सभागार में एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विक्रमशिला सेतु की जांच, स्ट्रक्चर की स्थिति, क्षतिग्रस्त हिस्सा की मरम्मत करते हुए सेतु से शीघ्र यातायात बहाल करने सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई। उक्त बैठक में बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन की टीम, आईआईटी पटना की टीम, पुल तकनीकी विशेषज्ञ आलोक भौमिक एवं विभाग के वरीय पदाधिकारियों सहित अन्य लोग मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत में सचिव पंकज कुमार पाल ने विक्रमशिला सेतु के एक स्पैन से उत्पन्न समस्याओं, वैकल्पिक यातायात व्यवस्था, समस्याओं के निराकरण हेतु की जा रही कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सचिव को क्षतिग्रस्त हिस्से के मेंटेनेंस करने, डिजाईन, टाइमलाइन, यातायात को सेतु से बहाल करने की जानकारी दी गई। बेली ब्रिज एवं ट्रस ब्रिज बनाने जैसे महत्वपूर्ण उपायों पर चर्चा की गई ताकि तत्काल रूप से विक्रमशिला सेतु से यातायात पुनर्स्थापन हो सके।

संपादकीय

सत्ता मुक्त हो गए कम्युनिस्ट

कम्युनिस्टों की दुर्गति पर प्रकाश करात से जुडी एक घटना मुझे याद आ रही है। मनमोहन सिंह के कार्यालय के दौरान नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई भारत आए थे। प्रसिद्ध समाजवादी नेता शरद यादव ने भट्टराई के स्वागत में एक समारोह आयोजित किया था। समारोह में कांग्रेस, बीजेपी और कम्युनिस्ट सहित अन्य दलों के नेता भी आमन्त्रित थे। अपनी बारी आने पर प्रकाश करात ने भारत के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया और कहा कि नेपाल को भारत कभी बढ़ने नहीं देना चाहता है, दबाकर कर रखना चाहता है। प्रकाश करात की ऐसी बात सुनकर और बिना विरोध किए ही मोतीलाल बोरा, सुषमा स्वराज आदि चले गए। फिर बाबूराम भट्टराई ने अपने संबोधन में प्रशंसा कर भारत को बडा भाई बताया था और मिलकर विकास करने पर प्रतिबद्धता जताई थी। प्रकाश करात की इस बात पर खुद बाबूलाल भट्टराई, सुषमा स्वराज, शरद यादव आश्चर्य चकित थे। उपस्थित जनता की प्रतिक्रिया थी कि कम्युनिस्ट देश हित के पक्ष में कभी भी खडा नहीं हो सकते हैं। कम्युनिस्टों के राज्यसत्ता से मुक्त होने के पीछे ऐसा ही कारण रहा है।

यह पहली बार हुआ है जब देश के किसी राज्य में कम्युनिस्टों की सरकार नहीं होगी। 1957 के बाद केरल, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में से किसी न किसी राज्य में कम्युनिस्टों की सरकार जरूर रही थी। कभी केरल, तो कभी त्रिपुरा, तो कभी पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्टों की जीत होती रहती थी। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने कम्युनिस्टों को पैदल कर कम्युनिस्टों की सरकार का संहार किया था, त्रिपुरा में बीजेपी ने कम्युनिस्टों की सरकार का संहार किया था और अब केरल में कांग्रेस ने कम्युनिस्टों की सरकार का संहार कर दिया। कम्युनिस्टों की केरल में पिछले दस साल से सरकार चल रही थी? केरल में कम्युनिस्टों की हार क्यों हुई, कांग्रेस की जीत क्यों हुई, इसके पीछे जनता का गणित क्या है? जनता का गणित स्पष्ट था, कम्युनिस्टों की सरकार को दफन करना, केरल की जनता के पास विकल्प का अभाव था, बीजेपी मजबूत नहीं थी, बीजेपी के पास सत्ता बनाने लायक समर्थन शक्ति नहीं थी। कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ ही विकल्प था। राष्ट्रीय स्तर पर कम्युनिस्टों की वर्तमान मे कोई पहचान नहीं है और न ही जनता की उल्लेखनीय शक्ति उनके पास है, ये राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की बी टीम के तौर पर ही सक्रिय हैं, कभी ये कांग्रेस और राहुल गांधी के पक्ष में शतरंज खेलते नजर आते हैं तो कभी ये मुस्लिम समर्थक जिहादी पथ पर चलते रहते हैं, हिंदुओं का विरोध करना, राष्ट्रहित के खिलाफ बोलना और भारतीय संस्कृति का संहार करने की मानसिकता से ग्रसित रहते हैं। माओ, मार्क्स, लेनिन और स्टालिन को छोड़कर इनका कोई भारतीय महापुरुष आईकॉन नहीं है। वामपंथ एक विदेशी विचार है, यह अवधारणा आम भारतीय के अंदर बैट गयी है, इस कारण आम भारतीय के अंदर वामपंथ प्रेरक बन नही सकता है, स्वीकार नहीं हो सकता है। यही कारण है कि केन्द्रीय सत्ता के लायक वामपंथ को कभी स्वीकार नहीं किया गया।

कम्युनिस्टो को विकास विरोधी कहना सही होगा क्या? कम्युनिस्टों को स्थिरता विरोधी कहना सही होगा क्या? कम्युनिस्टो को शांति विरोधी कहना सही होगा।

विकास में भेदभाव का शिकार हो रहे हैं प्रमुख तीर्थस्थल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ससंदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में जहां तरक्की और घोषणाओं की बरसात हो रही है, वहीं देश के दूसरे प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थल विकास की बाट जोह रहे हैं। मोदी का निर्वाचन क्षेत्र होने के कारण केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का पूरा जोर काशी तक सीमिट कर रहा गया है। यदि यह मान भी लिया जाए कि काशी हिन्दुओं का प्रमुख तीर्थ स्थल है, इसलिए इसके विकास की दरकार है, तो ऐसे में देश के प्रमुख राष्टीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अन्य तीर्थ स्थल विकास की दौड़ में काशी से काफी पीछे क्यों हैं। कारण साफ नजर आता है कि पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में विकास की गंगा बह रही, वहीं अन्य प्रमुख धार्मिक स्थल वाले जिले बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

(योगेंद्र योगी)

काशी के अलावा देश के अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल वाले जिलों में विकास चींटी की रफ्तार से रेंग रहा है या फिर उसकी सुध नहीं ली जा रही है। काशाी के अलावा देश के प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थलों में आधारभूत सुविधाओं की बेहद कमी है। वैष्णों देवी के लिए प्रसिद्ध कटरा जिले में मूसलाधार बारिश के दौरान भूस्खलन की गंभीर समस्या है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ससंदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में जहां तरक्की और घोषणाओं की बरसात हो रही है, वहीं देश के दूसरे प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थल विकास की बाट जोह रहे रहे हैं। मोदी का निर्वाचन क्षेत्र होने के कारण केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का पूरा जोर काशी तक सीमिट कर रहा गया है। यदि यह मान भी लिया जाए कि काशी हिन्दुओं का प्रमुख तीर्थ स्थल है, इसलिए इसके विकास की दरकार है, तो ऐसे में देश के प्रमुख राष्टीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अन्य तीर्थ स्थल विकास की दौड़ में काशी से काफी पीछे क्यों हैं। कारण साफ नजर आता है कि पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में विकास की गंगा बह रही, वहीं अन्य प्रमुख धार्मिक स्थल वाले जिले बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

वर्ष 2014 से मार्च 2025 तक काशी में विकास के तहत कुल 48,459 करोड़ रुपय की लागत से 580 परियोजनाओं पर काम शुरू किया गया है। काशी के विकास की घोषणाओं की शुरुआत मोदी के पहली बार सांसद बनने के साथ ही शुरु हो गई थी। यह सिलसिला लगातार जारी है। हाल ही में पीएम मोदी ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान 6332 करोड़ रुपये की कुल 163 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें गंगा पर सिग्नेचर ब्रिज सबसे बड़ी परियोजना है। जिसकी लागत करीब 2464.46 करोड़ है। यह ब्रिज काशी की कनेक्टिविटी और ट्रैफिक व्यवस्था को नई दिशा देगा। प्रधानमंत्री के हाथों 1054.69 करोड़ की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण और 5277.39 करोड़ की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया।

काशी के अलावा देश के अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल वाले जिलों में विकास चींटी की रफ्तार से रेंग रहा है या फिर उसकी सुध नहीं ली जा रही है। काशाी के अलावा देश के प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थलों में आधारभूत सुविधाओं की बेहद कमी है। वैष्णों देवी के लिए प्रसिद्ध कटरा जिले में मूसलाधार बारिश के दौरान भूस्खलन की गंभीर समस्या है। जम्मू और कटरा के बीच सड़क और रेल संपर्क अक्सर टूट जाता है। विशेष रूप से, 2025 की बाढ़ के बाद से ट्रेनों का रद्दीकरण और पुलों (जैसे कठुआ, उधमपुर के पास) को नुकसान ने यात्रा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका दिया है। कटरा में स्मार्ट सड़कों, सुव्यवस्थित पार्किंग, और आधुनिक बुनियादी ढांचे की कमी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए मौजूदा सुविधाएं नाकाफी हैं। बढ़ती भीड़ के कारण गर्मियों में पेयजल और निरंतर बिजली आपूर्ति की समस्या बनी रहती है। लगातार निर्माण, वनों की कटाई और भीड़भाड़ के कारण पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

राम मंदिर के विख्यात अयोध्या में बाल विकास विभाग की एक रिपोर्ट ने जिले में कुपोषण की चिंताजनक स्थिति को उजागर की है। जिले के 2,381 आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 2,28,018 बच्चों की जांच में 7,520 बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। इनमें 1,199 बच्चे अति कुपोषित (सैम) और 6,321 बच्चे मध्यम गंभीर कुपोषित (मैम) श्रेणी में हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 264 और 2024-25 में 286 अति कुपोषित बच्चों को पुनर्वास केंद्र भेजा गया। विकास परियोजनाओं के कारण हजारों लोग, विशेषकर छोटे व्यापारी और गरीब, अपने पुश्तैनी आवासों और व्यवसायों से विस्थापित हो गए हैं। परियोजनाओं के कारण उड़ने वाली धूल और निर्माण सामग्री से स्थानीय लोगों को सांस संबंधी बीमारियां हो रही हैं। जल भराव और सीवर के गंदे पानी के घरों में घुसने की समस्या से लोग लंबे समय से परेशान हैं। पुरानी अयोध्या (फैजाबाद) और अयोध्या धाम के बीच आवागमन में मुश्किल हो रही है।

देश के 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल केदारनाथ के रुद्रप्रयाग जिले के कई सुदूरवर्ती गांव अभी भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से जूझ रहे हैं, जहाँ आपदा प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क मार्ग

बाधित होने और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण लोगों को स्वास्थ्य उपचार के लिए भटकना पड़ता है। भारी बारिश के कारण संपर्क मार्ग बाधित होना भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच में एक बड़ी बाधा है। जिले भर में लगभग 25 जल स्रोत सूख चुके हैं, जिससे पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। पानी की कमी से नाराज लोग जल संस्थान के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं। इसी तरह उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, धार्मिक पर्यटन के दबाव और प्रशासनिक चुनौतियां मौजूद हैं। नालों और सार्वजनिक भूमि पर अवैध निर्माण के कारण जल निकासी बाधित हो रही है। मानसून से पहले नालों पर अतिक्रमण के कारण जलभराव का खतरा बना रहता है। हरकी पैड़ी और आसपास के क्षेत्रों में भिक्षावृत्ति एक बड़ी समस्या है। चारधाम यात्रा के सुचारू न रहने या व्यवस्थाओं के कारण स्थानीय होटलों और पर्यटन व्यवसाय पर भी असर पड़ रहा है।

कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में 30,000 करोड़ से अधिक की ब्रज मास्टर प्लान परियोजनाओं और नई आवासीय योजनाओं के लिए 850 करोड़ के बावजूद, कई विकास कार्य फाइलों में अटके हैं। वर्ष 2026-2030 के मास्टर प्लान के अंतर्गत शहर को हाई-स्पीड कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का विज़न है, लेकिन प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चलते जमीनी स्तर पर गति धीमी है। मथुरा-वृंदावन में वर्षभर धार्मिक आयोजनों की लंबी श्रृंखला चलती रहती है। प्रमुख आयोजनों में होलिकोत्सव, मुड़िया मेला, जन्माष्टमी, राधाष्टमी, झूलन उत्सव, कार्तिक मास, गोवर्धन पूजा और ब्रज की विभिन्न परिक्रमाएं शामिल हैं। आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या 8 से 10 लाख तक पहुंच जाती है। भीड़ प्रबंधन अब भी मुख्यतः पुलिस के भरोसे ही संचालित हो रहा है। कई बार मास्टर प्लान और विस्तृत प्रस्ताव तैयार किए गए, लेकिन जमीन पर उतरते हुए नजर नहीं आए।

हिन्दुओं के प्रमुख तीर्थस्थल में शुमार प्रयागराज शहर वर्तमान में कई गंभीर सामाजिक और बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। मुख्य समस्याओं में गंगा-यमुना की बाढ़ से फसल व जनजीवन का नुकसान, बजबजाती नालियां व कूड़े के ढेर के कारण गंदगी, सीवर लाइन का अभाव, यातायात जाम और अवैध अतिक्रमण शामिल हैं। इसके अलावा, बाढ़ के बाद बीमारियां और मच्छरों का प्रकोप भी एक बड़ी चुनौती है। गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में विकास और पर्यटन के बावजूद कई प्रमुख सामाजिक और नागरिक समस्याएं मौजूद हैं, जो स्थानीय निवासियों और तीर्थयात्रियों को प्रभावित करती हैं।

गुजरात सोमनाथ मंदिर (प्रथम ज्योतिर्लिंग) जिले में पर्यटन और आस्था के केंद्र होने के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण सामाजिक और नागरिक समस्याएं भी विद्यमान हैं। इस क्षेत्र में दलित समुदाय के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं (जैसे ऊना की घटना) और हाशिए पर स्थित समुदायों के उत्पीड़न की समस्या रही है। जमीन के अधिकारों को लेकर विवाद और अवैध संरचनाओं को हटाने के दौरान लोगों का विस्थापन और पुनर्वास न होना एक प्रमुख समस्या है। वेरावल जैसे तटीय क्षेत्रों में बंदरगाह आधारित विकास के बावजूद नागरिक सुविधाओं की कमी है। सोमनाथ मंदिर के कारण बड़ी संख्या में पर्यटकों के आगमन से स्थानीय बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ता है, जिससे स्वच्छता और यातायात प्रबंधन की चुनौती बनी रहती है। तटीय जिला होने के कारण यहां चक्रवात और बाढ़ का खतरा बना रहता है, जिसके लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को लगातार काम करना पड़ता है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं और उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे का अभाव है। तमिलनाडु के रामेश्वरम (रामनाथस्वामी मंदिर) रामनाथपुरम जिला धार्मिक और तटीय पर्यटन के बढ़ते आकर्षण के बावजूद अपर्याप्त बुनियादी ढांचा (जैसे- बेहतर सड़कें, आवास और सार्वजनिक सुविधाएं) मांग के अनुरूप तालमेल बिठाने में संघर्ष कर रहा है। रामेश्वरम और धनुषकोडी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक भारी आवागमन के कारण सड़कों पर दबाव, जिससे अक्सर यातायात जाम की स्थिति बनती है। पीक सीजन में आवास, पार्किंग और स्वच्छता सुविधाओं की कमी, जो पर्यटकों के अनुभव को प्रभावित करती है।

नितिन नवीन ने बंगाल के जिस क्षेत्र से शुरू किया अभियान, वहां की सभी सीटों पर खिला 'कमल'

(अशोक कुमार शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी के राष्टीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने नेतृत्व की पहली बड़ी परीक्षा 'गोल्ड मेडल' के साथ पास कर ली है। उनके रणनीतिक कौशल का ही परिणाम है कि पश्चिम बंगाल के जिस किले को फतह करना नामुमकिन माना जा रहा था

भाजपा के राष्टीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी पहली परीक्षा 'गोल्ड मेडल' के साथ पास कर ली। उनके नेतृत्व में भाजपा ने पश्चिम बंगाल के उस किले को फतह कर लिया, जिसे जीतना लगभग नामुमकिन माना जा रहा था। असम में भाजपा ने पहली बार दो तिहाई बहुमत प्राप्त कर सत्ता को बरकरार रखा। दक्षिण भारत के पुडुचेरी में भाजपा ने चार सीटें जीत कर एनडीए की बढ़त कायम रखी। तमिलनाडु में खाता खुला और केरल में तीन सीटें जीतीं। हालांकि केरल, तमिलनाडु में अभी भी बहुत मेहनत की जरूरत है। कुल मिला कर बिहार के इस परिश्रमी और लो प्रोफाइल नेता (नितिन नवीन) ने बहुत कम समय में पार्टी की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभायी।

कभी पश्चिम बंगाल को भी भाजपा के लिए बेहद मुश्किल राज्य माना जाता था। जैसे कि आज केरल और तमिलनाडु हैं। लेकिन 46 साल बाद भाजपा ने बंगाल में 'कमल' खिला ही दिया। कहा जाता था कि पश्चिम बंगाल में हिंदुत्व के लिए जगह नहीं है। लेकिन भाजपा ने अपनी मेहनत और सत्तारूढ़ दलों की गलतियों से इस मिथक को तोड़ दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच राज्यों के चुनाव के ठीक पहले भाजपा के राष्टीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन को चुन कर सबको आश्चर्य में डाल दिया। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के रूप में युवा और नया चेहरा इसलिए चुना, ताकि बंगाल भाजपा को मजबूत और एक सूत्र में बांधा जा सके। नितिन नवीन ने इस काम को बखूबी अंजाम दिया।

20 जनवरी को जब नितिन नवीन भाजपा के विधिवत राष्टीय अध्यक्ष बने तो उनका पहला लक्ष्य पश्चिम बंगाल ही था। पद संभालते ही उन्होंने सबसे पहले 27 जनवरी को पश्चिम बंगाल का रुख किया। वे चाहते तो कोलकाता से अपने अभियान की शुरुआत कर सकते थे। लेकिन उन्होंने अभियान के लिए पश्चिम बंगाल के उस हिस्से को चुना जो बिहार से नजदीक हो और जहां बिहार के लोगों का प्रभाव हो। वे आसनसोल और दुर्गापुर पहुंचे। इन दोनों जगहों पर बिहार के लोगों की अच्छी खासी आबादी है। इसी के चलते बिहार के शत्रुघ्न सिन्हा तृणमूल के टिकट पर आसनसोल से सांसद चुने गये थे। दुर्गापुर में भी बिहार के ही एक और नेता कीर्ति आजाद तृणमूल के टिकट पर सांसद चुने गये थे। नितिन नवीन के कंधे पर यह जिम्मेदारी थी कि आसनसोल और दुर्गापुर के बिहारी वोटरों को तृणमूल के प्रभाव से निकाल कर भाजपा की तरफ लाएं।

आसनसोल और दुर्गापुर औद्योगिक शहर हैं। ये पश्चिम बर्धमान जिले का हिस्सा हैं। इस जिले में कुल 9 सीटें हैं। इन सभी 9 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों की जीत हुई। पंडेश्वर से भाजपा के जितेन्द्र तिवारी जीते। वे बिहार के सीवान के रहने वाले हैं। दुर्गापुर पूर्वी से चंद्रशेखर बनर्जी, दुर्गापुर पश्चिम से लक्ष्मण चंद्र घोरुई, रानीगंज से पार्थो घोष, जमुरिया से बिपिन मुखर्जी, आसनसोल दक्षिण से अग्निपॉल मित्रा, आसनसोल उत्तर से कृष्णेंदु मुखर्जी, कुल्टी से अजय पोद्दार और बाराबनी से अरिजीत रॉय भाजपा उम्मीदवार के रूप में जीते। नितिन नवीन एक कुशल संगठनकर्ता हैं। उन्होंने आम लोगों से जुड़ कर बिहारीपन की भावना को जागृत किया और भाजपा के लिए समर्थन मांगा। अब नतीजा सबके सामने है।

नितिन नवीन, सुवेंदु, दिलीप और समिक की मजबूत टीम- नितिन नवीन का 'श्रीगणेश' ही शानदार रहा। जिस क्षेत्र से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत की, उस जिले की सभी सीटें भाजपा की झोली में डाल दीं। पार्टी के एक नये अध्यक्ष के लिए यह एक बहुत बड़ी कामयाबी है। उनकी लो प्रोफाइल राजनीतिक शैली, बंगाल में बहुत काम आयी। उन्होंने बंगाल भाजपा के प्रमुख नेताओं सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष और प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के साथ मिल कर चुनावी रणनीति तैयार की। बंगाल में चुनावी रणनीति, दो स्तरों पर तैयार हो रही थीं। उच्च स्तर पर अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेन्द्र यादव और सुनील बंसल योजना बना रहे थे तो जमीनी स्तर पर नितिन नवीन, सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, और समिक भट्टाचार्य इस योजना को अमली जामा पहना रहे थे।

स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ की लगातार बैठकें- नितिन नवीन ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ बैठकों की एक श्रृंखला शुरू की थी। इसकी वजह से बूथ प्रबंधन, माइक्रो लेवल पर वोटरों को एकजुट करने में मदद मिली। नितिन नवीन, राज्य भाजपा और टीम अमित शाह के बीच एक समन्वय सेतु थे। उनकी सहजता और सादगी ने राज्य और केन्द्र की टीम की मेहनत को एक पृष्ठ पर ला दिया। इस बार बंगाल भाजपा के किसी नेता ने कोई असंतोष या नाराजगी नहीं दिखायी। जिस बड़े काम के लिए नितिन नवीन को चुना गया था।

एआई चमत्कारी भी है और विनाशकारी भी, इसके प्रभावों को लेकर दुनियाभर की सरकारों की नींद उड़ गई है

एआई के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के बीच एक नया मॉडल वैश्विक चिंता का केंद्र बन गया है। यह है एन्थ्रोपिक द्वारा विकसित मॉडल मिथोस। यह उन्नत प्रणाली जहां साइबर सुरक्षा के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, वहीं इसके संभावित दुरुपयोग को लेकर सरकारों, बैंकों और विशेषज्ञों के बीच गंभीर आशंकाएं भी उभर रही हैं। हम आपको बता दें कि मिथोस एक ऐसा एआई मॉडल है जो कंप्यूटर प्रणालियों में मौजूद छिपी कमजोरियों को पहचानने और उनका फायदा उठाने में सक्षम बताया गया है। कंपनी के अनुसार यह उन त्रुटियों को भी खोज सकता है जिनके बारे में सॉफ्टवेयर बनाने वालों को खुद जानकारी नहीं होती। इन्हें जीरो डे कमजोरियां कहा जाता है, क्योंकि इनके सामने आने के बाद सुधार का समय नहीं मिल पाता।

(नीरज कुमार दुबे)

ब्रिटेन के एआई सुरक्षा संस्थान ने भी मिथोस का परीक्षण किया है और इसे पहले के मॉडलों की तुलना में अधिक सक्षम और खतरनाक बताया है। यह मॉडल कई चरणों वाले साइबर हमलों का अनुकरण करने में सफल रहा है और बिना मानवीय निर्देश के कमजोरियों की पहचान कर सकता है।

एआई के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के बीच एक नया मॉडल वैश्विक चिंता का केंद्र बन गया है। यह है एन्थ्रोपिक द्वारा विकसित मॉडल मिथोस। यह उन्नत प्रणाली जहां साइबर सुरक्षा के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, वहीं इसके संभावित दुरुपयोग को लेकर सरकारों, बैंकों और विशेषज्ञों के बीच गंभीर आशंकाएं भी उभर रही हैं। हम आपको बता दें कि मिथोस एक ऐसा एआई मॉडल है जो कंप्यूटर प्रणालियों में मौजूद छिपी कमजोरियों को पहचानने और उनका फायदा उठाने में सक्षम बताया गया है। कंपनी के अनुसार यह उन त्रुटियों को भी खोज सकता है जिनके बारे में सॉफ्टवेयर बनाने वालों को खुद जानकारी नहीं होती। इन्हें जीरो डे कमजोरियां कहा जाता है, क्योंकि इनके सामने आने के बाद सुधार का समय नहीं मिल पाता। मिथोस की यही क्षमता इसे अत्यंत शक्तिशाली और साथ ही खतरनाक बनाती है।

कंपनी ने सात अप्रैल को इस मॉडल के अस्तित्व की घोषणा की थी, लेकिन इसे सार्वजनिक उपयोग के लिए जारी करने से साफ इंकार कर दिया। कारण स्पष्ट है कि यदि यह तकनीक गलत हाथों में चली गई तो वैश्विक साइबर सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है। हालांकि, सीमित रूप से कुछ कंपनियों और बैंकों को इसके परीक्षण की अनुमति दी गई है ताकि वह इसके जोखिमों को समझ सकें।

हाल ही में स्थिति तब और गंभीर हो गई जब यह सामने आया कि कुछ अनधिकृत लोगों ने इस मॉडल तक पहुंच हासिल कर ली थी। यह घटना इस बात का संकेत है कि इतने संवेदनशील उपकरण को पूरी तरह नियंत्रित रखना कितना कठिन है। इससे तकनीकी कंपनियों की क्षमता पर भी सवाल उठे हैं कि वह अपने सबसे जोखिमपूर्ण उत्पादों को कितनी सुरक्षित रख सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार मिथोस केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि एआई की तेजी से बढ़ती शक्ति का संकेत है। पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में जिस गति से प्रगति हुई है, उससे यह आशंका भी बढ़ी है कि अन्य कंपनियां भी जल्द ही ऐसे मॉडल विकसित कर सकती हैं। इससे साइबर हमलों और बचाव के बीच एक नई प्रतिस्पर्धा शुरू हो सकती है।

ब्रिटेन के एआई सुरक्षा संस्थान ने भी मिथोस का परीक्षण किया है और इसे पहले के मॉडलों की तुलना में अधिक सक्षम और खतरनाक बताया है। यह मॉडल कई चरणों वाले साइबर हमलों का अनुकरण करने में सफल रहा है और बिना मानवीय निर्देश के कमजोरियों की पहचान कर सकता है। हालांकि, यह भी स्पष्ट नहीं है कि यह अत्यधिक सुरक्षित प्रणालियों पर कितना प्रभावी होगा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इस मॉडल को लेकर जितनी चर्चा हो रही है, उसमें कुछ हद तक अतिशयोक्ति भी शामिल हो सकती है। उनका कहना है कि कई सस्ते मॉडल भी कुछ कमजोरियों की पहचान करने में सक्षम हैं। इसके अलावा अधिकांश साइबर हमले अब भी साधारण कमजोरियों जैसे कमजोर पासवर्ड या पुराने सॉफ्टवेयर के कारण होते हैं।

फिर भी, मिथोस के संभावित प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विशेष रूप से बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में इसका असर बहुत गंभीर हो सकता है। यदि इस तरह की तकनीक का दुरुपयोग हुआ तो भुगतान प्रणाली ठप हो सकती है, लोगों के वेतन और लेनदेन रुक सकते हैं, और व्यापक आर्थिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। इसी कारण अमेरिका में भी इस मॉडल को लेकर उच्च स्तर पर चर्चा हो रही है। वहां की सरकार ने इसके उपयोग और पहुंच को लेकर सख्त रुख अपनाया है और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला माना जा रहा है। प्रारंभिक योजना के तहत सीमित संस्थाओं को ही इसकी पहुंच दी गई है और इसके विस्तार को लेकर भी सावधानी बरती जा रही है। भारत में भी इस मुद्दे ने तेजी से ध्यान आकर्षित किया है। देश को इस मॉडल के शुरुआती परीक्षण से बाहर रखा गया, जिससे नीति निर्माताओं और तकनीकी विशेषज्ञों के बीच चिंता बढ़ गई। सरकार अब अमेरिका और कंपनी के साथ बातचीत कर रही है ताकि भारतीय कंपनियों को भी इस तकनीक तक उचित पहुंच मिल सके। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस विषय को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि यह साइबर चुनौती बहुत बड़ी हो सकती है। सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, बैंकों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें की हैं। उद्देश्य यह है कि देश के महत्वपूर्ण ढांचे जैसे बैंकिंग नेटवर्क, दूरसंचार और बिजली प्रणाली को सुरक्षित रखा जा सके। भारत की चिंता केवल पहुंच तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के जोखिमों को लेकर भी है। यदि अन्य कंपनियां भी इसी तरह के मॉडल विकसित करती हैं और उनका वितरण असमान रहता है, तो कुछ देशों की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। यही कारण है कि भारत समान अवसर और संतुलित नीति की मांग कर रहा है। इसके साथ ही, देश की साइबर सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है। उन्हें संवेदनशील प्रणालियों की जांच करने और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी तकनीक दोधारी तलवार की तरह है, इसका उपयोग सुरक्षा बढ़ाने के लिए भी किया जा सकता है और हमलों के लिए भी। बहरहाल, मिथोस ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल सुविधा का साधन नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और नीति निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि दुनिया इस नई तकनीकी शक्ति के साथ संतुलन कैसे बनाती है ताकि इसका लाभ भी मिले और जोखिम भी नियंत्रित रहें।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

9 मई को व्यवहार न्यायालय परिसर, अररिया में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित

अररिया (नबिटासं)। अगर आपके वाहन का ट्रैफिक चालान लंबे समय से लंबित है और भारी जुमार्ने के कारण आप उसका भुगतान नहीं कर पा रहे हैं, तो आपके लिए राहत भरी खबर है। बिहार सरकार के परिवहन विभाग द्वारा लागू ह्वएकमुश्त यातायात चालान निपटान योजनाझ्र2026ह्व के तहत आगामी 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में पुराने लंबित ई-चालानों का निष्पादन रियायती दरों पर किया जाएगा। अररिया जिला प्रशासन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के संयुक्त तत्वावधान में यह राष्ट्रीय लोक अदालत व्यवहार न्यायालय परिसर, अररिया में आयोजित होगी। लोक अदालत सुबह 10:30 बजे से शुरू होगी, जहां वाहन स्वामी अपने लंबित ट्रैफिक चालानों का सरल, त्वरित एवं सुविधाजनक तरीके से

निष्पादन करा सकेंगे। जानकारी के अनुसार वैसे ट्रैफिक ई-चालान, जो 90 दिनों से अधिक समय से लंबित हैं और जिनकी शमन राशि अब तक जमा नहीं की गई है, उन्हें इस योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है। ऐसे मामलों में परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित शमन राशि में अधिकतम 50 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी। इससे आम लोगों को भारी जुमार्ने से राहत मिलेगी तथा पुराने लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन भी संभव हो सकेगा। परिवहन विभाग अररिया द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि कई बार वाहन स्वामी जानकारी के अभाव, अधिक जुमार्ना राशि या लंबी प्रक्रिया के कारण अपने चालानों का समय पर निष्पादन नहीं करा पाते हैं। ऐसे में चालान की राशि लगातार लंबित रहती है और बाद में परेशानी का कारण बनती है। इसी समस्या के समाधान के लिए बिहार सरकार ने यह विशेष योजना लागू की है ताकि आम नागरिक कम राशि में अपने लंबित चालानों का निपटारा करा सकें। राष्ट्रीय लोक अदालत में वाहन स्वामियों की सुविधा के लिए विशेष काउंटर लगाए जाएंगे। यहां ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भुगतान की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा वाहन मालिकों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहायता भी प्रदान की जाएगी ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अपने लंबित ट्रैफिक चालानों की जानकारी पहले से प्राप्त कर लें और निर्धारित तिथि को आवश्यक दस्तावेजों के साथ लोक अदालत में उपस्थित हों। इससे मौके पर ही चालान का निष्पादन आसानी से कराया जा सकेगा। अतः इस अवसर का लाभ अवश्य उठाएं और 09 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने मामलों का निष्पादन कराएं।

केबी झा कॉलेज में किया गया सम्मान समारोह का आयोजन

कटिहार (नबिटासं)। राज्य सरकार के सात निश्चय-3, 2025-30 के चतुर्थ निश्चय उन्नत शिक्षा उज्वल भविष्य के अंतर्गत पूर्णियाँ विश्वविद्यालय,पूर्णियाँ के क्षेत्राधीन कुल 21 प्रखंडों में राजकीय डिग्री महाविद्यालयों की स्थापना की जा चुकी है। उक्त महाविद्यालयों में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन तथा आगामी शैक्षणिक सत्रः

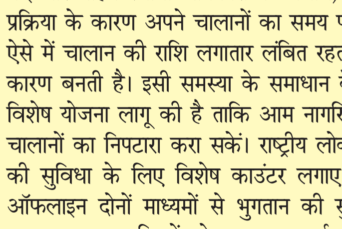

2026 27, 01 जुलाई, 2026 से पठन-पाठन प्रारम्भ कराने हेतु पूर्णियाँ विश्वविद्यालय अंतर्गत राजकीय डिग्री महाविद्यालयों में निम्नलिखित शिक्षकों को प्रतिनियोजन के आधार पर प्रधानाचार्य के पद पर तत्काल प्रभाव से प्रतिनियुक्त किया जाता है इसके अंतर्गत केबी झा कॉलेज महाविद्यालय के प्रो. विनय कुमार पांडे को डांखोरा और प्रो. सतीश मिश्रा को अमदाबाद प्रतिनियुक्त किया गया। इस मौके पर केबी झा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय सिंह ने दोनों को अंगवत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग सह संयोजक विक्रांत सिंह ने भी दोनों को अंगवत्र ओर डायरी ओर कलम दिया। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमल ठाकुर, नगर सह मंत्री रवि सिंह,विशाल सिंह, ध्रुव झा, प्रो. सुभाष कुमार, राहुल झा आदि उपस्थित रहे।

मनिहारी की हर पंचायत में लगेगा सहयोग शिविर

मनिहारी/कटिहार (नबिटासं)। अनुमंडल प्रशासन की ओर से आम जनता की समस्याओं के त्वरित निष्पादन को लेकर बड़ी पहल की गई है। गुरुवार को प्रखंड सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी त्रिलोकी नाथ सिंह ने की। बैठक में बीडीओ सनत कुमार,राजस्व अधिकारी रामसागर पासवान सहित प्रखंड के सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रखंड क्षेत्र की प्रत्येक पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के माध्यम से आम लोगों की शिकायतों और आवेदनों का पंचायत स्तर पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, मनरेगा, स्वच्छता, कृषि, स्वास्थ्य एवं अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

अनुमंडल पदाधिकारी त्रिलोकी नाथ सिंह ने कहा कि मनिहारी प्रखंड के सभी पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से सहयोग शिविर लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी 19 तारीख, मंगलवार को प्रथम सहयोग शिविर बघार पंचायत में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक दूसरे मंगलवार को अलग-अलग पंचायतों में यह शिविर लगाया जाएगा, जहां सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहेंगे। वहीं बीडीओ सनत कुमार ने कहा कि पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले सहयोग शिविर से ग्रामीणों को काफी लाभ मिलेगा। राजस्व अधिकारी रामसागर पासवान ने कहा कि शिविर में भूमि एवं राजस्व संबंधी मामलों के निष्पादन को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी,ताकि लोगों की समस्याओं का जल्द समाधान हो सके। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है, ताकि शिविर पूरी तरह प्रभावी और सफल हो सके।

योग महोत्सव में 800 छात्र-छात्राओं व ग्रामीणों ने किया योगाभ्यास

बरारी/कटिहार (नबिटासं)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के 45 वें काउंटडाउन के तहत गुरुबाजार स्थित मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के सौजन्य से शिव प्राण मैटी मिशन ऑफ इण्डिया की गुरुनानक कन्या उच्च विद्यालय बरारी परिसर में भव्य योग महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 800 छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्घाटन गुरुनानक कन्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक मो. हासिम अली सिद्दीकी, गुरुनानक कन्या मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक भगत सिंह,प्लस टु जागेश्वर उच्च विद्यालय बरारी के प्रधानाध्यापक सौरभ प्रसून, मिशन के सचिव डॉ. सुभाष कुमार विद्यार्थी, शिक्षिका रीना कुमारी एवं रूपांजली कुमारी सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। योग प्रशिक्षक डॉ. सुधांशु कुमार एवं डॉ. पुष्पराज कुमार ने प्रतिभागियों को सूक्ष्म आसन, कटि आसन, त्रिकोण आसन, ताड़ासन, सूर्य नमस्कार, वज्रासन, स्कंध आसन, शशकासन सहित अनुलोम -विलोम, कपालभाति, भ्रामरी प्राणायाम एवं ज्ञान मुद्रा का अभ्यास कराया। प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से बिना किसी आर्थिक खर्च के शरीर को स्वस्थ एवं मानसिक रूप से मजबूत रखा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान आयुष मंत्रालय एवं हैबिल्ड द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल कर 14 दिनों का निःशुल्क ऑनलाइन योग प्रशिक्षण प्राप्त करने की अपील भी की गई। इसके बाद अतिथियों को अंगवस्त्र, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जबकि प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। दूसरे सत्र में संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। इस दौरान डॉ. सुभाष कुमार विद्यार्थी ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। उन्होंने संतुलित खानपान और स्वस्थ जीवनशैली पर भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम को लेकर छात्र - छात्राओं एवं ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया।

सहयोग शिविर की तैयारी तेज, डीएम ने किया स्थल निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी पहल सहयोग शिविर को लेकर प्रखंड के सेमापुर क्षेत्र में तैयारियां तेज कर दी गई हैं।जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने सेमापुर थाना क्षेत्र के बैसागोविंदपुर पंचायत भवन पहुंचकर प्रस्तावित शिविर स्थल का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। आगामी 19 मई को यहा सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है, साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। ताकि ग्रामीणों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि शिविर में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था की व्यवस्था तथा विभिन्न विभागों के काउंटर समय पर स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर को जनहितकारी और सुव्यवस्थित बनाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने बताया कि इस पहल के तहत प्राप्त शिकायतों और आवेदनों का 30 दिनों के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों का एक ही स्थान पर निपटारा किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि अब तक लगभग 40 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य दीपक कुमार सिंह ने डीएम का ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि आय प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा है। जिससे उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। साथ ही पंचायत सचिव की हड़ताल के कारण जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में भी कठिनाइयां आ रही हैं। इस पर डीएम ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी ने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक लोगों तक शिविर की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण इस पहल का लाभ उठा सकें और अपनी समस्याओं का समाधान पा सकें। निरीक्षण के दौरान डीडीसी अमित कुमार, बीडीओ धीरेन्द्र कुमार धीरज, सीओ मनीष कुमार, बीपीआरओ सह बीईओ राज कुमार सिंह, सांख्यिकी पदाधिकारी अंजनी कुमार, मुखिया अब्दुल मतीन, समाजसेवी आलमगीर,मो. खुशबूर सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंत्रिमंडल के गठन पर जदयू पदाधिकारी ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार सरकार के मंत्रिपरिषद में निशांत कुमार, और लेशी सिंह सहित सभी मंत्रियों को मंत्रिपरिषद में सम्मिलित किए जाने पर जदयू नेता डॉ. सुशील कुमार सुमन ने तहेदिल से बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. सुशील कुमार सुमन ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में नई मंत्रिपरिषद बिहार के विकास, सुशासन एवं जनकल्याण के कार्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि नई टीम राज्य के युवाओं, किसानों, महिलाओं, छात्रों एवं समाज के हर वर्ग के हित में प्रभावी कार्य करते हुए बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी मंत्रीगण अपने अनुभव, कार्यक्षमता एवं जनसेवा की भावना के बल पर जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे तथा बिहार सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

साथ ही उन्होंने कहा कि सभी मंत्री राष्ट्रीय अध्यक्ष जदयू सह पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकसित एवं समृद्ध बिहार के सपनों को साकार करने का कार्य करेंगे।डॉ. सुशील कुमार सुमन ने विशेष रूप से सीमांचल की बेटी एवं वरिष्ठ नेत्री सह धमदाहा विधायक श्रीमति लेशी सिंह को मंत्रिपरिषद में स्थान मिलने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे सीमांचल एवं कटिहार जिले के लिए गौरव और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि लेशी सिंह लगातार क्षेत्र की जनता की आवाज को मजबूती से उठाती रही हैं और उनके मंत्रिमंडल में शामिल होने से सीमांचल के विकास को नई गति मिलेगी। हालांकि डॉ सुमन ने कटिहार जिले को अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर निराशा भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कटिहार जैसे महत्वपूर्ण जिले को मंत्रिपरिषद में उचित स्थान नहीं मिलना स्थानीय कार्यकताओं एवं आम जनता की भावनाओं के अनुरूप नहीं है। बधाई देने वालों में जदयू नेता शिवप्रकाश गारोदिया, नरेश शर्मा, संजय सिंह, अशोक कुशवाहा, दीपक कुमार, मुजीबुर्रहमान, शाहिद इकबाल, मोहन सिंह, रणधीर जायसवाल, प्रिंस सिंह, संतोष अग्रवाल, सरिता देवी, अभिषेक सिंह, रेखा साह, अंकित सिंह, बीना, खुशबू झा, टिंकू मंडल, नंदनी ठाकुर सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हैं।

अवैध दवा कारोबार की सूचना पर मेडिकल स्टोर और घर में छापा, संचालक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। बरारी थाना क्षेत्र के बरारी हाट-सिवाना रोड स्थित जीवन ज्योति मेडिकल स्टोर में गुरुवार को औषधि विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। यह कार्रवाई प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार की सूचना मिलने के बाद की गई। करीब तीन घंटे तक चली इस कार्रवाई में मेडिकल स्टोर के साथ-साथ संचालक के आवास की भी सघन जांच की गई।

मामले में मेडिकल स्टोर संचालक अरविंद चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। छापेमारी का नेतृत्व ड्रग इंस्पेक्टर खुर्शीद आलम कर रहे थे। उनके साथ चार सदस्यीय औषधि निरीक्षक टीम,बरारी थानाध्यक्ष सुमेश कुमार, एसआई प्रियंका कुमारी, एसआई अमन कुमार, एसआई राजनेता कुमार सहित पुलिस बल मौजूद था। जांच के दौरान टीम ने गांधीग्राम बारीनगर स्थित संचालक के आवास पर भी तलाशी ली। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि थाना से सूचना मिली थी कि मेडिकल स्टोर में अवैध रूप से दवाओं का कारोबार किया जा रहा है। सहायक औषधि नियंत्रक के निर्देश पर गठित टीम ने कार्रवाई की। जांच में मेडिकल स्टोर से कोई आपत्तिजनक दवा बरामद नहीं हुई । लेकिन आवास से एनआरएक्स श्रेणी की दो प्रकार की दवाएं मिलीं।उन्होंने बताया कि बरामद दवाओं से संबंधित लाइसेंस, खरीद -बिक्री अथवा भंडारण का कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया।

पिकअप वाहन ने मासूम बच्ची को कुचला, मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के उदामारेखा में दरवाजे पर खेल रहे एक डेढ़ साल की बच्ची श्रेया सिंह को एक अनियंत्रित तेज गति से आ रही पिकअप ने कुचल दिया जिससे उस बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पिकअप ड्राइवर घटना स्थल पर पिकअप छोड़ कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार पिकअप ड्राइवर स्थानीय निवासी राम शोभित सिंह का पुत्र मोहन सिंह बताया जाता हैं। हालांकि इसके बारे में अधिकारिक रूप से सूचना उपलब्ध नही हैं। मृतका श्रेया सिंह अपने पिता नवीन सिंह की इकलौती बेटी हैं। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मुफस्सिल थाने के एसआई जेपी सिंह घटनास्थल पर सदलबल पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया ।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 72 घंटे का अखंड हरिनाम संकीर्तन शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के सिरनिया पश्चिम पंचायत के हफलागंज भैरव स्थान में 72 घंटे का अखंड हरिराम संकीर्तन की शुरूआत पूरे वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुई।हरिनाम संकीर्तन को लेकर भक्तों में काफी उत्साह देखा गया। संकीर्तन को सफल बनाने के लिए आधा दर्जन से अधिक कीर्तन मंडली को लगाया गया हैं। वहीं संकीर्तन के दौरान रामायण पाठ, रासलीला एवं हवन कार्यक्रम भी किए जा रहे हैं। संकीर्तन स्थल पर देवी देवताओं के लीला करते हुए कई प्रतिमाएं भी लगाए गए हैं। यज्ञ स्थल पर जैसे-जैसे भक्तों की भीड़

बढ़ रही हैं वैसे-वैसे यज्ञ स्थल के आसपास का मैदान मेले का रूप लेते जा रहा हैं। खाद्य पदार्थ के साथ-साथ श्रृंगार सामग्री,बच्चों के खिलौने एवं झूले आदि की दुकान यज्ञ स्थल की शोभा और भीड़ बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। यज्ञ को सफल बनाने के लिए स्थानीय कमेटी सदस्य तन मन धन से सहयोग कर रहे हैं।

डीएम ने विभिन्न कार्यालयों का किया निरीक्षण, न्यायालय से जुड़े मामलों के समयबद्ध निष्पादन का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जिला पदाधिकारी विनोद दूहन द्वारा विभिन्न अनुमंडल स्थित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण की शुरूआत अनुमंडल कार्यालय, अररिया से हुई। यहां साफ सफाई की व्यवस्था, लिपिकों को आवंटित कार्य संबंधित पंजियों यथा अनुक्रमण पंजी, प्राप्त पंजी, निर्गत पंजी, अनुमंडल नजारत प्रशाखा के मुख्य रोकड़ पंजी, सभी शीर्ष की सहायक रोकड़ पंजी की जांच गई एवं अद्यतन करने का निदेश दिया गया। इस क्रम में कोर्ट से संबंधित लंबित

मामलों एवं स्थापना एवं आपूर्ति प्रशाखा के कार्यों की भी समीक्षा करते हुए कार्य प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद भूमि सुधार उप समाहर्ता, अररिया के कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीडब्ल्यूजेसी एवं एमजेसी से संबंधित मामलों की गहन समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि न्यायालय से जुड़े मामलों के निष्पादन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा सभी लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादित किया जाए। उन्होंने कहा कि आम जनता से जुड़े मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। निरीक्षण के क्रम में अनुमंडलीय पुलिस कार्यालय का भी जायजा लिया गया। इस क्रम में उन्होंने विधि-व्यवस्था से संबंधित विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वहीं अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण एवं जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि लोक शिकायत से जुड़े मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा जो मामले किसी भी स्तर पर लंबित हैं।

खेरिया गंगा घाट का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुरसेला (कटिहार)। डीएम अशुतोष द्विवेदी ने खेरिया घाट पर चल रहे कटाव निरोधी कार्य और नाव परिचालन की सुरक्षा व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कटाव की गंभीर स्थिति का जायजा लिया और कटाव रोधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

डीएम ने घाटों से संचालित नावों की सघन जांच कराई और स्पष्ट निर्देश दिया कि नावों का परिचालन पूरी तरह नियमों के अनुरूप ही किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षमता से अधिक सवारी बैठाना या बिना लाइफ जैकेट के

नाव चलाना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियम उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि सभी प्रमुख घाटों पर मजिस्ट्रेट के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। ताकि किसी भी तरह की लापरवाही न हो। निरीक्षण के दौरान एसडीएम, डीडीसी,डीएसपी, बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी, जिप सदस्य उमेश कुमार उर्फ उमा यादव, मुखिया ललन राम सहित कई जनप्रतिनिधि भी मौके पर उपस्थित रहे।

नहरों में पानी नहीं रहने से किसानों को हो रही है परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। प्रखंड के सोहथा दक्षिण पंचायत में चारों ओर नहरों का जाल बिछा हुआ है लेकिन विडंबना यह है कि इन नहरों में पानी नहीं रहने के कारण किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सिंचाई के लिए किसानों को सरकार की तरफ से बिजली मिली हुई है लेकिन आंधी तूफान में कई घंटा बिजली नहीं रहने के कारण महंगे डीजल खरीदकर पंप सेट के सहारे खेतों की सिंचाई करनी पड़ रही है, जिससे खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। इस पंचायत में मक्का, मखाना और केला की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। जो यहां के किसानों की मुख्य आय

का स्त्रोत है। अगर समय पर नहरों में पानी उपलब्ध हो जाए, तो किसानों को काफी राहत मिल सकती है और उनकी लागत भी कम हो सकती है। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ समय पूर्व नहर में पानी छोड़ा गया था, लेकिन विभागीय लापरवाही और मरम्मत के अभाव में नहर कई जगहों से टूटी हुई है। इसके कारण पानी खेतों तक पहुंचने के बजाय रास्ते में ही बहकर बर्बाद हो जाता है।

भारत स्टूडियो को मिला मोस्ट इनोवेटिव वेडिंग फोटोग्राफी स्टूडियो का अवार्ड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फारबिसगंज। विगत दिनों दिल्ली मे प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव के हाथों भारत स्टूडियो को ह्वद मोस्ट इनोवेटिव वेडिंग फोटोग्राफी स्टूडियो ऑफ द ईयरह्व का प्रतिष्ठित अवार्ड मिला है। भारत स्टूडियो फारबिसगंज के डायरेक्टर हाईस्कूल रोड वार्ड 16 के निवासी शिवन सोनी को यह अवार्ड दिया गया।

अवार्ड भारत स्टूडियो की क्रिएटिविटी, नई तकनीकों और नवाचार को देखते हुए दिया गया है, जिसने वेडिंग फोटोग्राफी के क्षेत्र में एक नई दिशा दी है। भारत स्टूडियो के डॉयरेक्टर शिवम सोनी ने इस सम्मान का श्रेय अपने सभी क्लाइंट्स, परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के विशाल समर्थन को दिया है। कहा कि उनके विश्वास और प्रेरणा ने हमें हमेशा उत्कृष्टता की ओर बढ़ने का हौसला दिया है।

नदी-तटीय समुदायों को लेकर गंगा संवाद का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार में गंगा घाटी मंच एवं अभिलाषा परिवार स्वयंसेवी संस्था की ओर से आयोजित गंगा संवादह्व में नदी-तटीय समुदायों के पर्यावरणीय न्याय, सामुदायिक जल अधिकारों और समावेशी नदी बेसिन शासन के मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। कटिहार में इस प्रकार के गंगा संवादह्व का आयोजन पहली बार किया गया। कार्यक्रम में मछुआरों, नदी किनारे के किसानों, महिलाओं, प्रवासी समुदायों तथा नदी-कटाव और गाद जमाव से प्रभावित लोगों की आजीविका, अधिकारों और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए।

संवाद में यह रेखांकित किया गया कि गंगा - ब्रह्मपुत्र -मेघना बेसिन के नदी-तटीय समुदायों के अनुभवों, आजीविका संबंधी चुनौतियों

और स्थानीय आवश्यकताओं को नदी शासन और विकास नीतियों में अधिक समावेशी ढंग से शामिल किए जाने की आवश्यकता है। विशेषज्ञों, सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय समुदायों ने अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, समावेशी नदी शासन और सामुदायिक भागीदारी के आधार पर नदी-पारिस्थितिकी तंत्रों के संरक्षण, पुनर्वास नीतियों तथा प्रभावित समुदायों के लिए प्रभावी संस्थागत सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। यहाँ राष्ट्रीय, राज्यस्तरीय और स्थानीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई तथा उनके समाधान के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। विशेष रूप से मछुआरा समुदाय से जुड़े नदी प्रदूषण, गाद भराव और मछलियों की घटती संख्या जैसी समस्याओं पर गंभीर विमर्श किया गया। इसके साथ ही दियारा क्षेत्र में रहने वाले लोगों और उनकी आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी गहन चर्चा हुई, जिसमें संवाद में भाग ले रहे प्रतिभागियों ने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। जिसमें डीआरडीए निदेशक सह नोडल ऑफिसर गंगा समिति कटिहार सुदामा प्रसाद सिंह ने दियारा क्षेत्र में रह रहे लोगों की समस्याओं पर चर्चा में भाग लिया। जिसमें यह निकल कर आया कि दियारा क्षेत्र में अभी लॉ एंड ऑर्डर किसी सिचुएशन को लेकर काफी बदलाव की आवश्यकता है। वहां रह रहे लोगों की आजीविका पर सोचने बचाने की आवश्यकता है और खास करके बाढ़ के समय में जो वहां आपदा आती है उसके प्रबंधन की आवश्यकता है। मुख्य रूप से पूरे संवाद में गंगा और सहायक नदियों को जीवंत करने की चर्चा गहन रूप से हुई।

अमेरिका तक पहुंची ईरान युद्ध की आग, 50 प्रतिशत महंगा हुआ पेट्रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान को तबाह करने चला अमेरिका इस आग में खुद झुलस गया है। ईरान युद्ध की आग अमेरिका तक पहुंच गई है। दरअसल, ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव ने अमेरिका में ईंधन की कीमतों में आग लगा दी है। अमेरिका में जहां पेट्रोल की कीमतें पिछले करीब दो महीने में 50 फीसदी बढ़ गई हैं।

युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक अमेरिका में पेट्रोल (गैसोलीन) की कीमतें 50 प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं। एएए की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महज एक हफ्ते में ही पेट्रोल की औसत कीमत 31 सेंट बढ़कर 4.48 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है। इन कीमतों ने पिछले चार साल का रेकॉर्ड तोड़ दिया है। मंगलवार को अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत

4.51 डॉलर प्रति गैलन दर्ज की गई।

4 साल का तोड़ा रेकॉर्ड: एबीसी न्यूज और गैसबडी की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में पेट्रोल की कीमत में यह जुलाई 2022 के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है। युद्ध शुरू होने यानी 28 फरवरी से अब तक राष्ट्रीय औसत कीमतों में 1.54 डॉलर प्रति गैलन की भारी बढ़ोतरी हो चुकी है।

होर्मुज ने बढ़ाई टेंशन: दुनिया के कुल कच्चे तेल का लगभग पांचवां हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। वर्तमान में यह मार्ग गंभीर रूप से बाधित है, जिससे तेल टैंकर फंसे हुए हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने इसे तेल बाजार के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा सप्लाई डिस्रप्शन करार दिया है। इस संकट के कारण अप्रैल की शुरुआत में कच्चे तेल की कीमतें 112 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गईं।

अमेरिका में महंगाई और ट्रंप की जिदः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जिद अमेरिकियों पर भारी पड़ रही है। पहले टैरिफ और अब ईरान युद्ध ने अमेरिकियों को महंगाई की आग में धकेल दिया है। अमेरिका के लोगों ने पहले टैरिफ और अब ईरान युद्ध का विरोध किया, लेकिन ट्रंप पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। अमेरिकी कोर्ट के आदेश के बाद टैरिफ तो लगभग खत्म हो गया, लेकिन युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है।

अमेरिका में क्यों आई तेजी

विश्लेषकों का मानना है कि अप्रैल में ईरानी तेल निर्यात को ब्लॉक करने के अमेरिकी फैसले ने कीमतों में आग लगाने का काम किया है। ग्लोबल फ्यूल रिटेल के निदेशक रॉब स्मिथ के अनुसार, बाजार में मांग और आपूर्ति का गहरा असंतुलन है, जो कीमतों को नीचे नहीं आने दे रहा। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों का कहना है कि तेल बाजार वर्तमान में व्हाइट हाउस के फैसलों और मिडिल ईस्ट के घटनाक्रमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार, अमेरिका में एक गैलन पेट्रोल की कीमत में 51 प्रतिशत हिस्सा कच्चे तेल की लागत का होता है।

रिटायरमेंट के लिए सरकार ने शुरू की नई स्कीम, करोड़ों लोगों को होगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के असंगठित क्षेत्र के करोड़ों कामगारों को ध्यान में रखते हुए पेंशन फंड

नियामक और विकास प्राधिकरण ने एक नई योजना की शुरुआत की है। इस योजना का नाम (एनपीएस संचय) है। इस संबंध में एक सर्कुलर भी जारी कर दिया है। इस योजना को खासतौर पर उन लोगों के लिए बनाया गया है जिन्हें निवेश विकल्प और एसेट अलोकेशन समझने में दिक्कत होती है। यह योजना ऑल सिटीजन मॉडल और मल्टी स्कीम फ्रेमवर्क के तहत आती है। एनपीएस संचय का मुख्य मकसद निवेश प्रक्रिया को आसान बनाना है ताकि अंतिम स्तर पर सलाह की कमी के बावजूद लोग आसानी से रिटायरमेंट के लिए बचत कर सकें। बता दें कि देश के लगभग 90 प्रतिशत वर्कफोर्स को रोजगार देने वाला असंगठित क्षेत्र अब तक औपचारिक पेंशन कवरेज से वंचित रहा है। ऐसे में यह योजना बड़ा असर छोड़ सकती है। एनपीएस संचय योजना में 18 से 85 वर्ष तक का कोई भी भारतीय नागरिक पेंशन खाता खोल सकता है और निवेश शुरू कर सकता है। एनपीएस संचय में शामिल होने के लिए निवेशकों को सब्सक्राइबर रजिस्ट्रेशन फॉर्म के अनुसार प्रक्रिया पूरी करनी होगी और जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे। योजना के निवेश पैटर्न की बात करें तो मौजूदा सरकारी पेंशन योजनाओं जैसे ही होगा। उदाहरण के लिए अटल पेंशन योजना में जिस तरीके से निवेश होता है वैसा ही पैटर्न होगा। एनपीएस संचय में न्यूनतम और आगे के योगदान के नियम वही होंगे जो की अन्य सामान्य योजनाओं में लागू हैं। भविष्य में इनमें बदलाव कर सकता है।

दुनिया के अमीरों में अंबानी का घटा रुतबा, मस्क से अर्नाल्ट तक पर डॉलर की बारिश

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के अमीरों में मुकेश अंबानी रुतबा घट गया है। अंबानी ब्लूमबर्ग

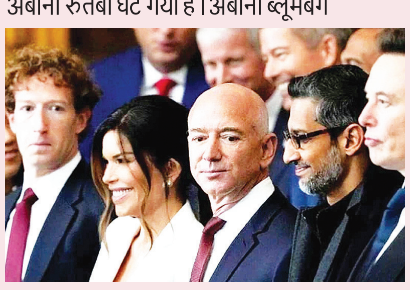

बिलियनेयर्स इंडेक्स के टॉप-20 से बाहर हो गए हैं। दूसरी ओर टॉप-10 अरबपतियों में से 9 पर बुधवार को डॉलर की बारिश हुई है। टेस्ला के एलन मस्क की दौलत में बुधवार को 6.66 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। इसके साथ ही उनकी संपत्ति 663 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। लैरी पेज की दौलत 8.01 अरब डॉलर बढ़ी। अब इनके पास 335 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। सर्गी ब्रिन के ऊपर 7.37 अरब डॉलर की बारिश हुई है। इनका नेटवर्थ 311 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर काबिज अमेजन के मालिक जेफ बेजोस के पास 292 अरब डॉलर की संपत्ति है। इनमें बुधवार को 1.46 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। लैरी एलिसन की दौलत अब 9.03 अरब डॉलर उछलकर 247 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ह्वाट्सएप की मूल कंपनी मेटा के मालिक मार्क जुकरबर्ग की दौलत में 2.76 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। अब जुकरबर्ग के पास कुल 218 अरब डॉलर की संपत्ति है। माइकल डेल की दौलत 6.59 अरब डॉलर बढ़कर 189 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। जेनसेन हुआंग ने भी बुधवार को 9.09 अरब डॉलर पीट डाले। इनके पास कुल 162 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। बर्नार्ड अर्नाल्ट की दौलत भी 7.43 अरब डॉलर बढ़कर 162 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। अरबपतियों के नेटवर्थ का बड़ा हिस्सा उनके शेयरों से आता है। ऐसे में जब शेयरों के भाव में उछाल आता है तो उनका नेटवर्थ भी बढ़ जाता है। एनवीडिया के शेयर की कीमत 5.68 प्रतिशत बढ़ी, इंटेल के शेयरों में 4.46 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

तिजोरी में कोई सेंध नहीं! बैंक को जांच में मिली क्लीनचिट

नई दिल्ली : भारत के सबसे बड़े निजी बैंक के लिए राहत की खबर है। बैंक के गवर्नेंस की समीक्षा कर रही लॉ फर्मों को अब तक की जांच में कोई बड़ी खामी नहीं मिली है। रॉयटर्स के सूत्रों के अनुसार, इस रिपोर्ट के बाद अब वर्तमान सीईओ शशिधर जगदीशन की पुनर्नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल, बैंक ने मुंबई स्थित ट्राइलीगल और वाडिया गांधी एंड कंपनी को गवर्नेंस की समीक्षा के लिए नियुक्त किया था। यह कदम तब उठाया गया जब एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने मार्च में व्यक्तिगत मूल्यों और बैंक की कार्यप्रणाली में असंगति का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा दे दिया था। जानकारी के मुताबिक लॉ फर्म्स ने पिछले तीन वर्षों के बोर्ड मीटिंग्स और असाधारण आम बैठकों के मिनट्स और वीडियो रिकॉर्डिंग्स की समीक्षा की। इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या चक्रवर्ती ने किसी गवर्नेंस मुद्दे को उठाया था और अगर हां, तो उसे किस तरह सुलझाया गया। सूत्रों के अनुसार बोर्ड स्तर पर उठाए गए सभी मुद्दों को निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत ही संभाला गया और कोई गंभीर गड़बड़ी सामने नहीं आई। इस विवाद के चलते बैंक के सीईओ शशिधर जगदीशन की पुनर्नियुक्ति को लेकर भी अनिश्चितता पैदा हो गई थी। उनका मौजूदा कार्यकाल अक्टूबर में समाप्त हो रहा है और बैंक को मई के अंत तक रिजर्व बैंक के पास आवेदन देना है। अब सूत्रों का कहना है कि लॉ फर्म्स की क्लीन रिपोर्ट के बाद बैंक बोर्ड जल्द ही जगदीशन के नाम की पुनर्नियुक्ति का प्रस्ताव रख सकता है। एचडीएफसी बैंक को क्लीन चिट मिलने के बाद इसके शेयर में बुधवार को तेजी आई। यह शेयर 3.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 796.60 रुपये पर बंद हुआ।

हाई कोर्ट पहुंचा टाटा का विवाद, टल सकती है 8 मई को होने वाली टाटा ट्रस्ट्स की मीटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट्स का विवाद हाई कोर्ट पहुंच गया है। बंबई हाई कोर्ट में बुधवार को दायर एक याचिका में टाटा ट्रस्ट्स की शुक्रवार को होने वाली अहम बैठक को कैंसिल करने की मांग की

गई है। इसमें कहा गया है कि सर रतन टाटा ट्रस्ट ने महाराष्ट्र में ट्रस्टों से जुड़े नियमों में सितंबर 2025 में किए गए संशोधन का उल्लंघन किया है। इसलिए 1 सितंबर, 2025 के बाद लिए गए सभी फैसलों को अवैध करार दिया जाना चाहिए। टाटा ट्रस्ट्स का टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में मैज्योरिटी स्टेक है। इसमें एसआरटीटी का स्टेक 23.56 प्रतिशत है।

ईटी के मुताबिक यह याचिका सुरेश तुलसीराम पाटिलखेड़े ने दायर की है। उनका तर्क है कि एसआरटीटी का मौजूदा बोर्ड महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट (संशोधन) एक्ट, 2025 के अनुरूप नहीं है। अगर कोर्ट इस याचिका पर तत्काल सुनवाई करता है और याचिकाकर्ता को राहत देता है तो टाटा ट्रस्ट्स को अपनी मीटिंग रोकनी पड़ सकती है। इस मीटिंग को काफी अहम माना जा रहा है क्योंकि इसमें टाटा ट्रस्ट्स ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के बोर्ड में अपने रिप्रजेंटेशन की समीक्षा करने की तैयारी में है। अभी टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट के नॉमिनी हैं। महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट (संशोधन) ऑर्डिनेंस, 2025 में एक नई धारा जोड़ी गई थी। इसमे तहत स्थायी ट्रस्टियों की संख्या को ट्रस्ट की कुल क्षमता के एक-चौथाई तक सीमित कर दिया गया था। नया नियम पिछले साल 1 सितंबर से लागू हुआ था। याचिका के मुताबिक एसआरटीटी में भी छह ट्रस्टी हैं जिनमें से तीन जिम्मी नवल टाटा, जहांगीर एचसी जहांगीर और नोएल नवल टाटा स्थायी ट्रस्टी हैं। यह संख्या कुल स्ट्रेंथ का 50 फीसदी है जबकि कानून के मुताबिक 25 फीसदी होनी चाहिए।

नियमों के उल्लंघन का आरोप: 8 मई को टाटा ट्रस्ट्स की एक अहम मीटिंग होने वाली है सर रतन टाटा ट्रस्ट पर नियमों का उल्लंघन करने का आरोप बंबई हाई कोर्ट में दायर याचिका में मीटिंग कैंसिल करने की मांग टाटा ट्रस्ट्स की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में बहुलांश हिस्सेदारी ट्रस्ट को तीन स्थायी सदस्य बनाए रखने के लिए ट्रस्टीज की संख्या बढ़ाकर 12 करनी होगी। मौजूदा स्ट्रक्चर में केवल एक ही व्यक्ति स्थायी ट्रस्टी हो सकता है। दिवंगत रतन टाटा के भाई जिम्मी टाटा इस ट्रस्ट में सबसे पुराने ट्रस्टी हैं।

12 की उम्र में शादी, 16 में मौत के मुंह से वापसी, उसके बाद कल्पना सरोज ने खड़ा किया 100 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। सफलता की कहानियां अक्सर किसी असफलता या नौकरी जाने के बाद शुरू होती हैं, लेकिन कल्पना सरोज की कहानी उस उम्र में शुरू हुई जब बच्चे दुनिया को समझना शुरू करते हैं। एक दलित परिवार में जन्मीं कल्पना ने गरीबी, सामाजिक भेदभाव, बाल विवाह और घरेलू हिंसा के उस नरक को देखा है, जिसकी कल्पना मात्र से रूह कांप जाए। लेकिन आज वह 100 करोड़ रुपये से अधिक के बिजनेस साम्राज्य की मालकिन हैं।

कल्पना सरोज का जन्म 1961 में महाराष्ट्र के एक छोटे से गांव में हुआ था। उनके पिता पुलिस में कांस्टेबल थे। समाज की रूढ़िवादी परंपराओं के कारण मात्र 12 साल की उम्र में उनकी शादी कर दी गई और उन्हें मुंबई भेज दिया गया। मुंबई में उनके पति के परिवार ने उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया। शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का सिलसिला इतना बढ़ा कि 16 साल की उम्र में उनके पिता उन्हें वापस गांव ले आए। लेकिन समाज ने उन्हें सहारा देने के बजाय कलंक माना।

तिरस्कार और अपमान से तंग आकर कल्पना ने जहर खाकर अपनी जान देने की कोशिश की। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। कल्पना बच गईं। मौत के करीब पहुंचकर उन्हें अहसास हुआ कि जब वह मर नहीं सकीं, तो उन्हें जीने का हक है। वह फिर से मुंबई आ गईं और एक गारमेंट फैक्ट्री में सिलाई का काम शुरू किया। यहां से उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता के रूप में अपनी पहली ताकत मिली। व्यापार और समाज सेवा में उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने साल 2013 में उन्हें पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया।

कैसे शुरू हुआ उद्यमिता का सफर

कल्पना ने महसूस किया कि केवल मजदूरी से जीवन नहीं बदलेगा। उन्होंने सरकारी लोन लेकर एक छोटा फर्नीचर व्यवसाय शुरू किया। लेकिन उनके जीवन का सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब वह कमानी ट्यूब्स से जुड़ीं। यह कंपनी कर्ज और कानूनी विवादों के कारण सालों से बंद पड़ी थी। बेरोजगार मजदूर किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में थे जो कंपनी को बचा सके। अनुभवी दिग्गजों ने भी इस डूबती कंपनी से हाथ खींच लिए थे, लेकिन कल्पना ने इसकी बारीकियों को समझा। उन्होंने कानूनी लड़ाइयां लड़ीं, बैंकों से बातचीत की और मजदूरों के हितों को ध्यान में रखकर कंपनी का पुनर्गठन किया। उनकी मेहनत रंग लाई और 'कमानी ट्यूब्स' फिर से मुनाफे में आ गई। इसके बाद उन्होंने रियल एस्टेट और स्टील जैसे क्षेत्रों में भी कदम रखा। आज उनका बिजनेस ग्रुप 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का है।

आरबीआई ने मनी चेंजर्स के लिए नए लाइसेंस पर लगाई रोक

फॉरेक्स कारोबार के लिए जारी किए नए नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) का लेनदेन करने वाली संस्थाओं के लिए नए और बदले हुए नियम लागू किए हैं। इन नियमों के तहत, अब नए 'मनी चेंजर्स' (पैसा बदलने वाले) को लाइसेंस जारी नहीं किए जाएंगे। केंद्रीय बैंक ने बुधवार को कहा कि इन नियमों के जरिए विदेशी मुद्रा की सुविधा देने के लिए 'प्रिंसिपल-एजेंट' मॉडल का विस्तार किया जाएगा, ताकि सही जांच-परख के साथ सेवाएं दी जा सकें।

आरबीआई ने कहा कि विदेशी मुद्रा सेवाओं की डिलिवरी सुधारने और नियमों का पालन आसान बनाने के मकसद से फॉरेक्स का काम करने वाले अधिकृत व्यक्तियों के मौजूदा ढांचे की समीक्षा की गई है। इन नियमों के अनुसार, विदेशी मुद्रा का कोई भी लेनदेन करने के लिए सभी संस्थाओं को आरबीआई से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। अलग-अलग कैटिगरी के

अधिकृत डीलरों के लिए नियमों को फिर से तय किया गया है।

तीन कैटिगरी: नियमों के मुताबिक, नई मंजूरी के लिए आवेदनों पर तीन कैटिगरी में विचार किया जाएगा। एडी कैटेगरी-आई में बैंक आवेदन कर सकते हैं। कैटेगरी में वे और फुल फ्लेजेड मनी चेंजर या फॉरेक्स एजेंट आवेदन कर सकते हैं, जो कम से कम दो साल से काम कर रहे हों और पिछले दो वित्तीय वर्षों में जिनका सालाना औसत फॉरेक्स टर्नओवर 50 करोड़ रहा हो।

आरबीआई के नए नियमः फॉरेक्स का लेनदेन करने वाली संस्थाओं के लिए नए नियम लागू किए इन नियमों के तहत अब नए मनी चेंजर्स को लाइसेंस जारी नहीं किए जाएंगे फॉरेक्स की सुविधा देने के लिए प्रिंसिपल-एजेंट मॉडल का विस्तार होगा

इसके लिए सभी संस्थाओं के लिए आरबीआई से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा अलग-अलग कैटिगरी के डीलरों के लिए नियमों को फिर से तय किया गया है वे संस्थाएं आएंगी जो विदेशी मुद्रा से जुड़े नए और इनोवेटिव प्रोडक्ट्स और सेवाएं देना चाहती हैं।

बुर्ज खलीफा बनाने वाली कंपनी के फाउंडर भारतीय कर्मचारियों के मुरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई की रियल एस्टेट कंपनी एमार प्रॉपर्टीज के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर मोहम्मद अलाब्बर ने भारतीय कर्मचारियों की कार्यशैली की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वे भारतीयों को नौकरी देना पसंद करते हैं क्योंकि उनका वर्क एथिक (काम के प्रति नैतिकता) मजबूत होता है और वे किसी भी समय काम के लिए उपलब्ध रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे रात को 1 बजे भी फोन उठा लेते हैं।

हाल ही में अबू धाबी में आयोजित 'मेक इट इन द एमिरेट्स' में बोलते हुए अलब्बार ने कहा, 'मैं हमेशा कहता हूं कि मेरा आईक्यू औसत है, लेकिन मेरी मेहनत सबसे बेहतर है। मैं कड़ी मेहनत में विश्वास करता हूं।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सफलता के लिए सिर्फ बुद्धिमत्ता नहीं, बल्कि निरंतर मेहनत और अनुशासन ज्यादा मायने रखते हैं। अलाब्बर ने भारतीय कर्मचारियों की प्रतिबद्धता को उदाहरण के रूप में पेश करते हुए कहा, 'जितनी ज्यादा मेहनत करेंगे, उतनी ज्यादा किस्मत साथ देगी। एक कहावत है- जब प्रतिभा मेहनत नहीं करती, तो मेहनत उसे हरा देती है। यही कारण है कि मुझे भारतीयों को जॉब देना पसंद है,

क्योंकि वे रात 1 बजे भी फोन उठा लेते हैं।' उन्होंने कहा कि भारतीय कर्मचारी अपने काम के प्रति बेहद समर्पित होते हैं और समय की परवाह किए बिना जिम्मेदारियां निभाते हैं।

आपको अपने काम की जांच करनी चाहिए, हर अवसर को समझना चाहिए और यह तय करना चाहिए कि कहां जोखिम लेना है। साथ ही टीम को लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना जरूरी है। केवल घंटों तक काम करना ही काफी नहीं है, अलाब्बर ने 'स्मार्ट वर्क' और जोखिम प्रबंधन पर भी जोर दियाः हर मौके को गहराई से समझें और सही समय पर जोखिम लेना सीखें। सही लोगों को साथ लाएं और उनके काम की बारीकी से निगरानी करें। साल 2008 के वित्तीय संकट और कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनियों को संकट आने के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय, पहले से ही लचीला और चुस्त बनना चाहिए। मोहम्मद अलाब्बर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सबसे सफल कारोबारियों में से एक हैं। उनकी कंपनी एमार प्रॉपर्टीज ने न केवल बुर्ज खलीफा बल्कि दुबई मॉल जैसी प्रतिष्ठित संरचनाओं का निर्माण किया है। वे वैश्विक रियल एस्टेट, रिटेल और ई-कॉमर्स क्षेत्र में एक बड़ा नाम हैं। फोर्ब्स के अनुसार मोहम्मद अलाब्बर की कुल संपत्ति करीब 2.9 अरब डॉलर है।

विदेशी शराब और वाइन बनाने वाली कंपनियों ने राज्य सरकारों से मांगी दाम बढ़ाने की इजाजत

सप्लाई चेन पर असर

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया के तनाव का असर आपके शराब की बोतल तक पहुंचने वाली है। कंफेडरेशन ऑफ इंडियान अल्कोहलिक बीवरेज कंपनीज ने राज्य सरकारों से कहा है कि उन्हें भारत में बनी विदेशी शराब ब्रांड की शराब कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी की छूट मिले। इनका कहना है कि पश्चिम एशिया संकट की वजह से जो क्रूड ऑयल की सप्लाई घटी है, उसका असर उनकी इंडस्ट्री पर भी पड़ा है।

सीआईएबीसी के महासचिव अनंत एस. अय्यर ने राज्य सरकारों को भेजे रिप्रजेंटेशन में कहा है कि पश्चिम एशिया से दुनिया भर का करीब 20 फीसदी क्रूड ऑयल सप्लाई होता है। लेकिन इस समय जो संकट चल रहा है, उससे इसकी सप्लाई बाधित हुई है। उसका असर अन्य इंडस्ट्री के साथ-साथ पैकेजिंग इंडस्ट्री पर भी पड़ा है। लॉजिस्टिक कॉस्ट बढ़ गया है। साथ ही शीशा बनाने के उद्योग भी संकट में हैं। कुल मिला कर पूरी अर्थव्यवस्था पर महंगाई का प्रभाव पड़ रहा है।

शराब उद्योग पर कैसा असर

उनका कहना है कि शराब की पैकिंग या तो शीशे की बोतल में होती है या फिर पेट के बोतल में। पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से शीशा बनाना तो महंगा हो ही गया है, पेट रेजिन भी करीब 15 फीसदी महंगा हो गया है। क्योंकि यह क्रूड ऑयल को क्रेक करने के बाद ही निकलता है। साथ ही बोतलों में प्लास्टिक कैप भी लगता है। यह ठक्कन इसलिए महंगा हो गया क्योंकि प्लास्टिक दाना ही महंगा हो गया है। उनका कहना है कि इस साल फरवरी से अभी तक प्लास्टिक कैप की कीमतें 30 फीसदी तक बढ़ चुकी हैं।

इस उद्योग को सिर्फ पैकेजिंग सामानों के महंगा होने से ही दिक्कत नहीं है। डॉलर के मुकाबले रुपया के कमजोर होने से भी इसे दिक्कत है। संगठन का कहना है कि इस समय डॉलर के मुकाबले रुपया गिर कर 95 रुपये के आसपास पहुंच गया है। इससे शराब उद्योग में विदेशों से आयातित सभी इनपुट का दाम महंगा हो गया है। अय्यर बताते हैं कि बीते फरवरी के मुकाबले इस समय पेपर बोर्ड की कीमतें भी बढ़ गई हैं। वर्जिन मल्टी-लेयर बोर्ड के आयात में सरकार ने मिनिमम इंपोर्ट प्राइस तय कर रखा है।

बुआ को बचाने डैम में कूदा भतीजा, दोनों की मौत

मशक्कत कर निकाला गया दोनों का शव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। मेराल थाना क्षेत्र के चामा पंचायत अंतर्गत गोवरदाहा गांव में गुरुवार की सुबह एक हृदयविदारक घटना घटी। यहां के हड़वडिया डैम में डूबने से बुआ और भतीजे की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद से पीड़ित परिवार सहित पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोवरदाहा निवासी अजीमुद्दीन खान की 13 वर्षीय पुत्री जैनाब खातून डैम के पास थी, तभी अचानक वह गहरे पानी में डूबने लगी।

अपनी बुआ को डूबता देख 16 वर्षीय भतीजा सोहेल खान (पिता-इकबाल खान) अपनी जान की परवाह किए बिना उसे बचाने के लिए पानी में कूद गया। बदकिस्मती से पानी का स्तर अधिक होने के कारण सोहेल भी खुद को संभाल नहीं पाया और देखते ही देखते दोनों गहरे पानी में समा गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। मामले की जानकारी मेराल सीओ यशवंत नायक और थाना प्रभारी विष्णुकांत को दी गई, जिसके बाद प्रशासनिक टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

स्थानीय गोताखोरों की मदद से करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों के शवों को पानी से बाहर निकाला गया। तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं।

हादसे की खबर मिलते ही झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, झामुमो जिला अध्यक्ष शंभू राम, स्थानीय मुखिया प्रतिमा देवी और विजय विश्वकर्मा सहित कई गणमान्य लोग घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार

गांव में पसरा मातम

से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सरकारी मदद का भरोसा दिया।

मुखिया प्रतिमा देवी ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि वह सरकारी प्रावधानों के तहत आपदा राहत कोष से उचित मुआवजा दिलाने का पूरा प्रयास करेंगी।

मृतकों के शवों को गढ़वा सदर अस्पताल भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिए गए हैं। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

पुलिस ने किया सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

मैरेज हॉल में चल रहा था धंधा, दर्जन भर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। टिकारी प्रखण्ड कार्यालय के पीछे प्रकाश उत्सव मैरेज हॉल में छापेमारी कर पुलिस ने अनैतिक कार्य का गुरुवार को भंडाफोड़ किया।

पुलिस ने देह व्यापार (सेक्स रैकेट) में संलिप्त 6 महिला और 5 युवकों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। हॉल के संचालक सहित दो लोगों को हिरासत में लिया है। छापेमारी के बाद मैरेज हॉल को सील कर दिया है।

मामले में गुप्त सूचना के आधार पर एसडीएम प्रवीण कुंदन और एसडीपीओ सुशांत कुमार चंचल के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन कर मैरेज हाल पर छापेमारी की कार्रवाई की गई।

इस क्रम में जैसे ही पुलिस की टीम हॉल के अंदर पहुंची, वहां अफरा-तफरी मच गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार छापेमारी के दौरान अलग-अलग कमरों से 6 महिलाएं और 5 युवक संदिग्ध अवस्था में पाया गया।

पुलिस ने मौके से कई आपत्तिजनक सामग्री, मोबाइल फोन और नकदी भी बरामद की है। पकड़े गए युवक व महिला आसपास के इलाकों के बताए जा रहे हैं।

पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए मैरेज हाल के

संचालक व एक कर्मचारी को भी गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि वे मोटे मुनाफे के लालच में इस अनैतिक धंधे को सुनियोजित तरीके से चला रहे थे।

पुलिस की पूछताछ में बताया कि पैसों का लालच देकर महिलाओं को देह व्यापार के लिए बुलाया जाता था। पुलिस ने एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया है।

एसडीपीओ सुशांत कुमार चंचल ने बताया कि लगातार सूचना मिल रही थी कि हॉल में अनैतिक कार्य का धंधा चल रहा है। इसके आलोक में छापेमारी की गई। संचालक सहित सभी के विरुद्ध विधि संगत कार्रवाई की जा रही है।

अवैध निकासी की जांच से सहमे शिक्षा विभाग के कर्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। झारखंड में महालेखाकार (एजी) की जांच रिपोर्ट ने ट्रेजरी घोटाले में हड़कंप मचा दिया है, जिसमें 14 जिलों के खजानों से लगभग 31.47 करोड़ रुपये की अवैध निकासी का खुलासा हुआ है। इसमें 614 से अधिक सरकारी कर्मचारियों ने तकनीकी खामियों का फायदा उठाकर दोहरे वेतन और एरियर के रूप में कोषागार से उक्त राशि निकाली है।

महालेखाकार की आडिट रिपोर्ट में शुरूआती तौर पर 14 कोषागारों से 31.47 करोड़ से अधिक की अवैध निकासी की पुष्टि हुई है। राज्य के बोकारो, हजारीबाग, रांची, रामगढ़, पलामू और चाईबासा सहित 14 जिले में इसकी जांच हो रही है। इस कड़ी में गोड्डा के शिक्षा विभाग में 48 लाख रुपए की अवैध निकासी की जांच शुरू कर दी गई है।

जिला प्रशासन ने इसकी जांच को अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू की अध्यक्षता में जांच कमेटी का गठन किया है। इसमें अपर समाहर्ता के अलावा भूमि सुधार उप समाहर्ता रितेश जायसवाल को जांच की जिम्मेवारी सौंपी गई है। डीसी लोकेश मिश्रा के निर्देश पर गठित कमेटी ने जांच शुरू कर दी है।

इसमें संबंधित आरोपितों से पूछताछ की गई है।इसकी रिपोर्ट शीघ्र ही जिला प्रशासन को सौंपी जाएगी। हालांकि इसमें कहा गया है कि हाई कोर्ट के आदेश पर औरव तत्कालीन जिला स्थापना समिति के आदेश पर मध्य विद्यालय बोओरीजोर के तत्कालीन डीडीओ ने वेतन मद से उक्त राशि की निकासी की थी, जिसे शिक्षकों के खाते में बाद में डाल दिया गया था। इसमें घोटाले जैसी की कोई बात नहीं है।

बता दें कि राज्य स्तर पर महालेखाकार ने अपनी आडिट रिपोर्ट में कहा है कि गोड्डा कोषागार से वर्ष 2018 -19 में बोआरीजोर अंचल के मध्य विद्यालय बोआरीजोर के तत्कालीन प्रधानाध्यापक सह व्ययन और निकासी पदाधिकारी मिहिर कुमार मंडल ने शिक्षकों के वेतन मद से 32.43 लाख रुपए की अवैध निकासी की थी।

वहीं जिला जन शिक्षा मद में भी करीब 16.17 लाख रुपये की अवैध निकासी महालेखाकार की रिपोर्ट में उजागर हुई है।

दोनों ही मामले की जांच चल रही है।

वर्ष 2018 -19 में बोआरीजोर अंचल के मध्य विद्यालय बोआरीजोर के तत्कालीन प्रधानाध्यापक सह व्ययन और निकासी पदाधिकारी ने वेतन मद से 32.43 लाख रुपए की निकासी की थी। वहीं जन शिक्षा मद में करीब 16.17 लाख रुपये की निकासी की महालेखाकार की रिपोर्ट के आधार पर संबंधित डीडीसी से जांच पड़ताल की गई है।

चरमराई गैस व्यवस्था

भागलपुर। भागलपुर की जीवनरेखा माने जाने वाले विक्रमशिला सेतु के बंद होते ही अब असर सीधे आम लोगों की रसोई तक पहुंच गया है। शहर में रसोई गैस की आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है। पहले से अंतरराष्ट्रीय तनाव और युद्धजनित परिस्थितियों के कारण गैस की मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पा रही थी, ऊपर से विक्रमशिला सेतु के ध्वस्त होने जैसी स्थिति ने वितरण तंत्र की कमर तोड़ दी है। हालत यह है कि कई एजेंसियों में सिलिंडर का स्टॉक समाप्त होने लगा और उपभोक्ताओं को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। दरअसल, भागलपुर शहर में एचपीसीएल की गैस आपूर्ति का मुख्य आधार पूर्णिया बाटलिंग प्लांट रहा है। यहां से गैस लदे ट्रक सीधे विक्रमशिला सेतु होकर शहर के वितरकों तक पहुंचते थे। लेकिन सेतु बंद होने के बाद अब पूरी परिवहन व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई है। मुंगेर मार्ग से होकर गैस सिलिंडर की गाड़ियां मंगाई जा रही हैं, लेकिन लंबी दूरी, भारी वाहनों का दबाव और जगह-जगह लग रहे जाम के कारण आपूर्ति समय पर नहीं पहुंच पा रही। कई ट्रक घंटों सड़क पर रेंगते रहते हैं। इसका सीधा असर शहर के उपभोक्ताओं पर पड़ा है।

महंगाई के खिलाफ झामुमो का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरायकेला। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और लगातार बढ़ती महंगाई के विरोध में गुरुवार को सरायकेला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष डॉ. शुभेंदु महतो के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले भर से भारी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुटे, जिन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

समाहरणालय परिसर में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आसमान छूती कीमतों पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। झामुमो नेताओं ने कहा कि गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से न केवल आम घरों का बजट बिगड़ गया है, बल्कि छोटे दुकानदार, होटल व्यवसायी और ठेला-खोमचा चलाने वालों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर पार्टी ने केंद्र की ?महंगाई नीति? को आड़े हाथों लिया। धरना को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ. शुभेंदु महतो ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनता की बुनियादी समस्याओं से पूरी तरह बेखबर है और केवल जुमलेबाजी कर देश को गुमराह कर रही है। आज गरीब परिवारों के लिए चूल्हा जलाना दूभर हो गया है।

डॉ. महतो ने आगे आरोप लगाया कि केंद्र सरकार झारखंड के साथ हमेशा से सौतेला व्यवहार करती रही है और जनता के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि महंगाई पर जल्द लगाम नहीं लगाई गई, तो झामुमो सड़क से सदन तक और भी बड़ा जनआंदोलन करने को बाध्य होगी।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने 'महंगाई वापस लो', 'जनविरोधी नीति बंद करो' और 'गरीबों पर अत्याचार बंद करो' जैसे नारों के साथ समाहरणालय परिसर को गुंजायमान कर दिया।

खाकी की लापरवाही में लुट रही किसानों की गाढ़ी कमाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । जिले से रक्षक ही भक्षक बनने का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसने पुलिसिया कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहाँ के कोलासी पुलिस शिविर कोढ़ा थाना क्षेत्र में पुलिस की कथित मिलीभगत से एक किसान के खेत में लगी तैयार मकई की फसल को भू-माफियाओं द्वारा न केवल लूटा गया, बल्कि पुलिस ने जब्त किए गए ट्रैक्टर और अनाज को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के वापस आरोपियों को ही सौंप दिया।जानकारी के अनुसार बरमसिया निवासी पीड़ित किसान संजय कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। घटना बीते 30 अप्रैल 2026 की है। पीड़ित का आरोप है कि दोपहर करीब 1 बजे संजय यादव, कुमार राकेश,रिंकू यादव और जैदुल समेत 20-25 हथियारबंद लोगों ने उनके 15 बीघा के खेत में घुसकर जबरन फसल काटना शुरू कर दिया।पीड़ित ने तत्काल डायल 112 और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर सहायक थाना कटिहार के एसआई मोहम्मद सद्दाम हुसैन और कोलासी कैंप के एएसआई अश्विनी कुमार

भू-माफिया के आगे बेबस प्रशासन

दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने वहां से मकई से लदा एक बिना नंबर प्लेट का ट्रैक्टर-ट्रेलर जब्त किया और उसे कोलासी पुलिस शिविर ले आई। हैरानी की बात तब हुई जब पीड़ित ने थाने जाकर कार्रवाई की जानकारी ली। आरोप है कि पुलिस अधिकारियों ने भू-माफियाओं के साथ साठगांठ कर बिना किसी प्राथमिकी दर्ज किए ही, अनाज से लदे ट्रैक्टर को चुपचाप छोड़ दिया। पीड़ित का दावा है कि लूट की इस घटना में उन्हें करीब 80 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।पीड़ित संजय कुमार सिंह का दर्द सिर्फ वर्तमान घटना तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि साल 2020 में भी इसी तरह उनकी गेहूं की फसल लूट ली गई थी। उस समय भी पुलिस को लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मामला पटना उच्च न्यायालय सी डब्ल्यूजेसी 20372/2025 और अन्य न्यायालयों में विचाराधीन होने के बावजूद माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।पुलिस ने मेरी आंखों के सामने मेरे अनाज को माफियाओं को सौंप दिया। जब रक्षक ही लुटेरों के साथ मिल जाएं, तो एक आम किसान कहाँ जाए?

गांधी मैदान में दिखी सियासी मिस्ट्री

पटना। पटना के गांधी मैदान में गुरुवार को सम्राट चौधरी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार समारोह के दौरान एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने बिहार की राजनीति की पुरानी तस्वीरें फिर से जीवंत कर दीं। मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत कई दिग्गज नेता मौजूद थे। इसी दौरान पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी समारोह में पहुंचे। जैसे ही वे मंच के करीब आए, प्रधानमंत्री मोदी की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने इशारे से उन्हें पास बुलाया। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया और कुछ क्षणों तक बातचीत भी की। इस दौरान माहौल बेहद आत्मीय और सहज नजर आया। हाथ मिलाने के बाद नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी के कंधे पर हाथ रखा और हल्के से उसे हिलाया।

बैरिकेडिंग से टकरायी बाइक, बच्ची की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

तोपचांची। तोपचांची थाना गेट के बाहर नेशनल हाईवे पर लगे पुलिस बैरिकेडिंग से बुधवार देर रात एक बाइक टकरा गई। इस घटना में आठ वर्षीय बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। मृत बच्ची की पहचान चन्द्रपुरा थाना क्षेत्र के तरंगा चडरी गांव निवासी पिंटू मोहली की पुत्री माही कुमारी के रूप में हुई है। पिंटू मोहली अपनी पत्नी तथा दो बच्चों-माही कुमारी (8 वर्ष) और एक वर्षीय बेटे-के साथ बाइक से राजगंज से तोपचांची आ रहे थे। तभी तोपचांची थाना के समीप नेशनल हाईवे पर लगी धनबाद पुलिस की बैरिकेडिंग से उनकी बाइक टकरा गई।

टक्कर के बाद माही की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गई। सूचना मिलते ही नेशनल हाईवे कर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच पुलिस कर रही है।

कंपनियों पर एफआईआर से हड़कम्प

किसानों की जमीन हुई बर्बाद, नदी का अस्तित्व खतरे में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टंडवा । रेलवे लाइन बेड एवं फुलवारिया स्टेशन निर्माण कार्य के नाम पर अवैध मिट्टी और पत्थर खनन का बड़ा मामला सामने आया है। ग्रामीणों की शिकायत पर हुई जांच में 11 एकड़ गैरमजरूआ खास भूमि के साथ-साथ रैयती जमीन से भी बड़े पैमाने पर मिट्टी निकासी की पुष्टि हुई है। इस अवैध खनन ने इलाके का भौगोलिक स्वरूप ही बदल दिया है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश पर टंडवा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कराई गई है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद निमार्ता कंपनियों और बिचौलियों में हड़कंप मचा हुआ है।

30 अप्रैल को राजस्व टीम ने फुलवारिया और गोविंदपुर गांव में जांच की। जांच में पाया गया कि फुलवारिया के खाता संख्या 142, प्लॉट 349 की 7.98 एकड़ गैरमजरूआ भूमि पर बड़े पैमाने पर अवैध खनन हुआ है।

वहीं गोविंदपुर के खाता संख्या 13, प्लाट 85 की लगभग तीन एकड़ भूमि से करीब 14 फीट तक मिट्टी काटी गई है। स्थिति और भी गंभीर तब सामने आई जब कुछ स्थानों पर 32 फीट तक गहराई में खनन के प्रमाण मिले। गोविंदपुर में नदी किनारे भी अवैध रूप से पत्थरों की निकासी की गई है।

प्रशासन ने इस मामले में संबंधित रेलवे संवेदक कंपनियों—एरोकॉन, मिलिनियम, झांझरिया और रायल को अवैध खनन तत्काल रोकने का निर्देश दिया है।

गौरतलब है कि वर्ष 2024-25 में भी राजा कंस्ट्रक्शन कंपनी पर अवैध मिट्टी निकासी के मामले में करोड़ों रुपये का जुमार्ना लगाते हुए उसे ब्लैकलिस्ट किया गया था। बावजूद इसके ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति प्रशासनिक सख्ती पर सवाल खड़े करती है।

मिश्रोल पंचायत के मुखिया सुवेश राम ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केढ़नी नदी का अस्तित्व लगभग मिटा दिया गया है। उन्होंने बताया कि जहां रैयती जमीन से 2.5 से 3 फीट तक मिट्टी काटने की अनुमति होती है, वहां 10 फीट तक अवैध खनन किया गया है।

उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने अपनी जमीन से मिट्टी देने की अनुमति दी थी, आज उनकी जमीन पूरी तरह अनुपयोगी हो चुकी है। न तो वहां खेती संभव है और न ही मकान निर्माण। किसान अब अपने फैसले पर पछता रहे हैं।

मुखिया ने यह भी आरोप लगाया कि भूदान में मिली भुइया जाति की जमीन को भी कंपनियों ने बर्बाद कर दिया है। जमीन पर बड़े-बड़े पत्थर छोड़ दिए गए हैं, जिससे वह पूरी तरह बेकार हो चुकी है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बिना रोकटोक के बेचा जा रहा आरओ का पानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भभुआ। जिले के शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक इन दिनों आरओ पानी की सप्लाई खूब हो रही है। लोग शुद्ध पानी के नाम पर आरओ पानी पर निर्भर होते जा रहे हैं। वहीं शादी विवाह में भी आरओ पानी की खूब मांग हो गई है।

लेकिन इस पूरी व्यवस्था में सबसे गंभीर बात यह है कि अधिकांश जगहों पर बिना किसी जांच, मानक और अनुमति के पानी की सप्लाई धड़ल्ले से की जा रही है। जिससे लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों पर खतरा मंडरा रहा है।

नगर के मोहल्लों से लेकर सुदूर ग्रामीण इलाकों तक छोटे-बड़े प्लांट लगाकर निजी संचालक पानी की सप्लाई कर रहे हैं। इन प्लांटों के संचालन के लिए न तो किसी प्रकार का लाइसेंस लिया गया है और न ही संबंधित विभाग द्वारा समय-समय पर पानी की गुणवत्ता की जांच की जा रही है।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि जो पानी लोगों तक पहुंच रहा है, वह वास्तव में कितना शुद्ध है। यदि मशीनों की समय पर सर्विसिंग नहीं होती या फिल्टर समय पर नहीं बदले जाते, तो पानी में हानिकारक तत्व मिल सकते हैं।

इसके बावजूद प्रशासन की ओर से इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है, जिससे आम जनता अनजाने में जोखिम भरा पानी पीने को मजबूर है। बीते दिनों नगर के पूरब पोखरा के पास स्थित एक प्लांट में दिल्ली से आई एक टीम ने जांच की थी। जिसमें कई मामले सामने आए। इसके बाद भी प्रशासन द्वारा कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

वहीं दूसरी ओर, गर्मी के दिनों में लगातार गिरते भूजल स्तर ने स्थिति को और भी चिंताजनक बना दिया है। कई इलाकों में हैंडपंप और कुएं सूखने की कगार पर हैं।

अय्याशी का अड्डा बनता जा रहा गढ़वा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। बिहार, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश की सीमाओं को जोड़ने वाला गढ़वा जिला इन दिनों एक शर्मनाक वजह से सुर्खियों में है। तीन दिनों के भीतर पुलिस और प्रशासन की ताबड़तोड़ छापेमारी ने शहर के भीतर चल रहे 'देह व्यापार' के सिंडिकेट की पोल खोल दी है।

होटलों से नाबालिगों की बरामदगी और स्पा सेंटरों से संचालकों का फरार होना यह बता रहा है कि तीन राज्यों के इस जंक्शन का इस्तेमाल अब अनैतिक कार्यों के लिए किया जा रहा है। नाबालिगों से चौकाने वाले खुलासे सामने आए हैं।

सोमवार को गढ़वा प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर के होटल रठउ, होटल फ्लर और रंका रोड स्थित होटल तिवारी इन में औचक छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने आपत्तिजनक स्थिति में 28 युवक-युवतियों को हिरासत में लिया। इस कार्रवाई में सबसे गंभीर मोड़ तब आया जब तीनों होटलों से एक-एक नाबालिग लड़की को रेस्क्यू किया गया।

पिछले बुधवार को इन तीनों नाबालिगों का गढ़वा न्यायालय में बयान दर्ज कराया गया, जिसके बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस अब उन आरोपियों पर पोक्सो एक्ट के तहत

- नाबालिगों के बयान के बाद बढ़ी हलचल
- राज्यों की सीमा का फायदा उठा रहे अपराधी

शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है, जो इन नाबालिगों के साथ पकड़े गए थे।

सदर अस्पताल में मेडिकल जांच और बाल कल्याण समिति की काउंसलिंग के बाद पुलिस इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। नाबालिगों को झांसा देकर लाया गया था। कई सफेदपोश भी इसमें शामिल हो सकते हैं।

होटलों में मचे हड़कंप के बीच अरंगी मोड़ स्थित 'द रिलैक्स स्पा सेंटर' पर भी प्रशासन का डंडा चला। एसडीएम संजय कुमार के नेतृत्व में हुई छापेमारी के दौरान सेंटर के संचालक और महिला कर्मी शटर गिराकर मौके से फरार हो गए। संदेह होने पर पुलिस छत के रास्ते और सीढ़ियों से अंदर दाखिल हुई।

अंदर की स्थिति बेहद संदिग्ध थी। जांच के दौरान पुलिस को ताश की गड्डियां, दो बिना नंबर की बाइक, मसाज से जुड़ी सामग्री, रेट चार्ट और चार बेड मिले। साक्ष्य मिटाने के लिए कुछ कागजात भी जलाए गए थे।

एसडीएम ने मौके पर ही स्पा सेंटर को सील कर दिया। बताया जा रहा है कि यह सेंटर मुकुंद लाल नामक व्यक्ति का है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

गढ़वा की भौगोलिक बनावट ऐसी है कि यहां से बिहार, यूपी और छत्तीसगढ़ की सीमाएं चंद फासले पर हैं। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या इस 'कनेक्टिविटी' का फायदा उठाकर बाहर से लड़कियां लाई जा रही हैं?

तीन दिनों के भीतर हुए इन खुलासों ने स्थानीय लोगों को चौंका दिया है। शहर के बीचों-बीच चल रहे इन 'अड्डों' पर हुई कार्रवाई ने अब यह बहस छेड़ दी है कि गढ़वा में देह व्यापार का यह काला साम्राज्य कितना बड़ा हो चुका है।

प्रशासन की इस सक्रियता से होटल और स्पा संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। एसडीएम संजय कुमार ने साफ कर दिया है कि किसी भी सूरत में अनैतिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जांच के आधार पर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

खेतों में समाई नहरें, किसान चिंतित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। अनुमंडल में पुल चोरी, टॉवर चोरी और सरकारी भवनों से सामान गायब होने की चचाओं के बीच अब ह्लनहर चोरीह्व का मामला भी सामने आने लगा है। यह सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन जमीनी हकीकत इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली है।

अनुमंडल के धमदाहा, भवानीपुर, रुपौली और आसपास के कई इलाकों में सिंचाई विभाग की मुख्य नहरों और खेतों तक पानी पहुंचाने वाली सहायक नहरों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया जा रहा है।

हालत यह है कि कई जगहों पर सहायक नहरें पूरी तरह खेतों में तब्दील हो चुकी हैं और उनका अस्तित्व तक मिट गया है।

स्थानीय किसानों के अनुसार, मुख्य नहरों से गांव और खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए वर्षों पहले छोटी-छोटी सहायक नहरों का निर्माण कराया गया था। इन नहरों के माध्यम से हजारों एकड़ खेतों की सिंचाई होती थी, लेकिन बीते कई वर्षों से इन नहरों की देखरेख नहीं होने के कारण अतिक्रमणकारी धीरे-धीरे इन पर कब्जा जमाते गए।

पहले किनारों को काटा गया, फिर मिट्टी भरकर समतल किया गया और अब कई जगहों पर ट्रैक्टर से जुताई कर पूरी नहर को खेत बना दिया गया है।ग्रामीणों का कहना है कि कुछ स्थानों पर तो नहर की जमीन पर स्थायी निर्माण तक कर लिया गया है। कहीं घर बना दिए गए हैं तो कहीं बांस-बल्ला और घेराबंदी कर निजी जमीन की तरह उपयोग किया जा रहा है। सबसे गंभीर स्थिति सहायक नहरों की है, क्योंकि इनकी नियमित मॉनिटरिंग नहीं होने के कारण अतिक्रमणकारियों ने इन्हें सबसे आसान निशाना बना लिया है।

किसानों ने आरोप लगाया कि सिंचाई विभाग केवल कागजों पर ही नहरों की सफाई और निगरानी का दावा करता है।

पायलट बनने के सपने से लेकर शूटिंग तक का सफर

● राइफल दिलाने के लिए पिता ने बेच दिया था घर

नई दिल्ली। देश के स्टार शूटर और ओलंपिक पद विजेता गगन नारंग का आज जन्मदिन है। नारंग ने देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। गगन नारंग पहले भारतीय शूटर हैं, जो लंदन ओपंपिक में क्वालीफाइड हुए थे। 2012 में हुए लंदन ओलंपिक में नारंग नें पुरुष श्रेणी में 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में 701.1 प्वाइंट के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया था। इस खिलाड़ी का बचपन बड़ा ही दिलचस्प है। गगन ने काफी उम्र में ही सफलता हासिल की।

20 की उम्र में जीता स्वर्ण पदक- 2003 में एफ्रो एशियन गेम्स में शूटिंग प्रतियोगिता में गगन ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उस समय उनकी उम्र 20 साल थी। 2006 में मेलबर्न में हुए कॉनवेल्थ गेम्स के अलग-अलग प्रतियोगिता में गगन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। इसके बाद 2008 में चीन में हुए विश्वकप में भी गगन ने स्वर्ण पदक जीता।

पायलट बनना चाहते थे नारंग- 6 मई, 1983 को जन्मा यह खिलाड़ी बचपन से वायुसेना में पायलट बनना चाहता था। गगन के पिता भीमसेन नारंग बताते हैं, नारंग में बचपन में ही निशानेबाजी की प्रतिभा दिख गई थी। उनके अनुसार, 2 साल की उम्र गगन ने बलून पर पिस्टल से निशाना लगाया था। उसके बाद उन्हें अहसास हुआ कि उनका बेटा निशानेबाजी में काफी आगे जा सकता है।

कॉमनवेल्थ में जीते 4 पदक- साल 2010 में नई दिल्ली में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में गगन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 गोल्ड मेडल अपने नाम किए। इसमें 10 मीटर और 50 मीटर एयर राइफल कैटेगरी शामिल थी। ऐसा करने वाले वो पहले भारतीय बन गए। 2010 में ही एशियाई गेम्स में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया था। इसके अलावा बैंकाक में होने वाले ढ्ढस्स्न्न विश्व कप के फाइनल में गगन ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। इस उपलब्धि के बाद गगन की रैंकिंग बढ़ गई और वह अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी में शीर्ष निशानेबाजों में शुमार हो गए। अंतरराष्ट्रीय खेलों में यह सफलता हासिल करने वाले गगन नारंग तीसरे भारतीय निशानेबाज बन गए थे।

हॉकी एशिया कप से पहले

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला टीम

भोपाल। भारतीय पुरुष और महिला अंडर-18 हॉकी टीमें 15 से 20 मई तक उद्धव दास मेहता सेंट्रल सेंटर में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के साथ चार मैचों की सीरीज खेलेंगी। यह सीरीज अंडर-18 नेशनल कोचिंग कैंप के बाद हो रही है, जो 19 अप्रैल, 2026 को साई भोपाल में शुरू हुआ था। इस महीने के आखिर में काकामिगाहारा में होने वाले अंडर-18 एशिया कप से पहले हो रही यह सीरीज काफी अहम है। महिला टीम के लिए, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की सीरीज 15 मई से शुरू होगी। दूसरा मैच 17 मई, तीसरा मैच 18 मई को और चौथा मैच 20 मई को खेला जाएगा। पुरुषों की टीम अपनी सीरीज 15 मई से शुरू करेगी। दूसरा मैच 17 मई, तीसरा मैच 18 मई और चौथा मैच 20 मई को खेला जाएगा। पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कैंप के दौरान हुई प्रगति और आने वाले मैचों की अहमियत पर जोर देते हुए कहा, 'साई भोपाल में हमारा दौर बहुत अच्छा रहा है। खिलाड़ियों ने जोश और उम्मीदों पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। इस कैंप के दौरान मुख्य फोकस सभी पोजीशन पर बुनियादी तरीकों को मजबूत करना रहा, ताकि वे मॉडर्न हॉकी की मांगों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हों और सीनियर लेवल की ओर लगातार आगे बढ़ सकें।' उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ आने वाले एक्सपोजर मैच हमारी तैयारी में एक अहम कदम हैं। यह ग्रुप के लिए उच्च-क्षमता का अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेने का मौका है। सीरीज में हम अपनी टीम के बेहतर संयोजन को तलाश सकते हैं। अंडर-18 एशिया कप आने वाला है, इसलिए ये मैच भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे अच्छी टीम चुनने में हमारी मदद करेंगे।' महिला टीम की कोच रानी रामपाल ने कहा, 'साई भोपाल में कैंप हमारे लिए खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक अच्छा अवसर रहा है। हम खुश हैं कि उन्होंने इसका फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के खिलाफ मैच उन्हें ऊंचे स्तर पर खेलने और अंडर-18 एशिया कप की तैयारी करने का शानदार मौका देंगे। यह हर खिलाड़ी के

ग्रैंड स्लैम का बहिष्कार

● अपने अधिकारों के लिए लड़ने का एकमात्र तरीका: एरिना सबालेंका

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने मंगलवार को कहा कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में ज्यादा हिस्सा पाने के खिलाड़ी हकदार हैं। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने कहा कि ज्यादा हिस्से के लिए टूर्नामेंट का बहिष्कार करने को भी तैयार हैं। एरिना सबालेंका ने इटैलियन ओपन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि शो हमारी तरफ से है। हमारे बिना कोई टूर्नामेंट नहीं होता। वह एंटरटेनमेंट नहीं है। हम निश्चित रूप से अधिक राशि पाने के हकदार हैं। मुझे लगता है कि किसी समय हम बहिष्कार करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है।' उन्होंने कहा, 'हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। मुझे लगता है कि कुछ चीजें खिलाड़ियों के साथ बहुत गलत हैं। किसी समय यह अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच जाएगा। पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम बॉस को दो पत्र साइन किए थे। इसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास, और मातृत्व के अवसर पर सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान करने की मांग की गई थी। पत्र में टूर्नामेंट राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जिससे मेजर टूर्नामेंट एटीपी मेन्स टूर और विमेंस डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-लेवल इवेंट्स के बराबर आ जाएंगे।'

महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन की विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने कहा, 'टूर्नामेंट के बहिष्कार का निर्णय थोड़ा ज्यादा हो जाएग।' स्वियाटेक ने कहा, 'सच कहूं तो सबसे जरूरी बात गवर्निंग बॉडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है। हमारे पास अपनी बात रखने की जगह होनी चाहिए। उम्मीद है कि फ्रेंच ओपन से पहले इस तरह की बैठक करने का मौका मिलेगा और हम देखेंगे कि उसमें क्या होता है।'

खिलाड़ियों ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा था कि फ्रेंच ओपन द्वारा पुरस्कार राशि में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा काफी नहीं है। पिछले साल फ्रेंच ओपन की कमाई 395 मिलियन यूरो थी, जो उसके पहले के वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। कुल पर्स में सिर्फ 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। खिलाड़ियों का राजस्व हिस्सा घटकर 14.3 प्रतिशत रह गया है। अनुमान के मुताबिक इस साल फ्रेंच ओपन का राजस्व 400 मिलियन यूरो से ज्यादा हो जाएगा। इसी वजह से खिलाड़ी अपनी राशि को बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। एरिना ने फ्रेंच ओपन 2026 की शुरुआत से पहले अपनी मांग रखकर आयोजकों को निश्चित रूप से पुरस्कार राशि पर पुनर्विचार करने का दबाव बढ़ा दिया है। फ्रेंच ओपन 2026 का 18 मई से 7 जून 2026 तक खेला जाना है।

सैमसन के 'पावर शो' के सामने बेबस हुई DC

● पॉइंट्स टेबल में ष्टस्स्च की छलांग, प्लेऑफ क्वालीफाई की उम्मीदें बरकरार

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में शुरू हुआ संजू सैमसन की बेहतरीन बल्लेबाजी का सफर आईपीएल 2026 में भी जारी है।

मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में उन्होंने एक बार फिर शानदार बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स के सामने चेन्नई सुपर किंग्स को शानदार जीत दिलाई। दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 155 रन बनाए थे। 156 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी CSK एक समय 45 रन पर 2 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी, लेकिन सैमसन ने युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के साथ मिलकर दिल्ली को और कोई सफलता नहीं लेने दिया और 17.3 ओवर में टीम को 2 विकेट पर 159 रन पर पहुंचाते हुए 8 विकेट से जीत दिला दी।

सैमसन के दम पर DC से आगे निकली CSK

संजू सैमसन 52 गेंदों पर 6 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 87 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं, कार्तिक शर्मा 31 गेंदों पर 2 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 41 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच नाबाद और मैच विनिंग 114 रन की साझेदारी हुई। CSK ने जीत के साथ ही DC को 2 अंक पीछे छोड़ दिया है।

ऋषभ पंत की जाएगी कप्तानी!

● मुंबई इंडियंस के हाथों स्स्त्र की हार के बाद फिर उठी मांग, दिग्गजों ने बताई ये बड़ी वजह

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जॉइंट्स (स्स्त्र) के बीच सोमवार को आईपीएल 2026 का एक अहम मुकाबला खेला गया। जिसमें लखनऊ एक बार फिर करारी हार का सामना करना पड़ा। यह लखनऊ की लगातार छठी है। मुंबई के हाथों मिली इस हार के बाद एक बार फिर ऋषभ पंत को लखनऊ की कप्तानी से हटाने की मांग तेज हो गई है।

स्स्त्र अब तक खेले गए 9 मैच में सिर्फ 2 में ही जीत दर्ज कर पाई है और 4 पॉइंट्स के साथ अंकतालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। टीम के लगातार खराब पदर्शन के बाद कई दिग्गजों ने स्स्त्र मैनेजमेंट से पंत को कप्तानी से हटाने की मांग की है। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत भी तक इस सीजन में बल्लेबाजी या कप्तानी से कोई बड़ा कारमाना नहीं कर पाए हैं।

पंत को कप्तानी से हटाने की मांग

ऋषभ पंत को कप्तानी से हटाने की मांग सबसे पहले दिग्गज खिलाड़ी वसीम जाफर ने की थी। उन्होंने इसके पीछे तर्क दिया था कि पंत कप्तानी के दबाव के कारण अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में उनसे कप्तानी की जिम्मेदारियां ले लेनी चाहिए, ताकि वो खुलकर खेल सके और अपनी बल्लेबाजी पर फोकस कर सके। जाफर ने पंत की जगह ऐडन मारक्रम को कप्तानी दिए जाने की

पंत को बैटिंग पर फोकस करने की जरूरत

रोहन गावस्कर ने क्रिकबज से बात करते कहा कि, एक बार लखनऊ के मालिक संजीव गोयनका ने कहा था कि वो चाहते हैं कि ऋषभ पंत एक विरासत तैयार करें। लखनऊ सुपर जॉइंट्स के लिए अगले 10-15 साल तक खेलें और ट्रॉफी जीतें। गावस्कर ने कहा कि लेकिन कभी-कभी आपको कुछ खिलाड़ियों को फायरिंग लाइन से बाहर निकालना होता है। स्स्त्र मैनेजमेंट को अब इस सीजन यह फैसला करना पड़ेगा कि वो उन्हें कप्तान बनाए रखना चाहते हैं या नहीं। पंत को आजाद छोड़ देना चाहिए और उन्हें अपनी बैटिंग पर फोकस करना चाहिए। सबको पता है कि टी-20 में किस दर्जे के खिलाड़ी हैं और वो समय आने पर क्या कर सकते हैं।

बेंगलुरु से छीनी फाइनल की मेजबानी

अब अहमदाबाद में होगा खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने 6 मई को आईपीएल 2026 के प्लेऑफ मुकाबलों के आधिकारिक कार्यक्रम का शेड्यूल जारी कर दिया है। इस घोषणा की सबसे बड़ी खबर यह है कि टूर्नामेंट का फाइनल अब बेंगलुरु में नहीं बल्कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

बेंगलुरु से क्यों बदला गया फाइनल का वेन्यू?

बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शुरुआत में फाइनल मैच की मेजबानी बेंगलुरु को सौंपी गई थी। हालांकि, स्थानीय क्रिकेट संघ और पदाधिकारियों की कुछ ऐसी मांगें थीं जो बीसीसीआई के तय नियमों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर पाई गईं।

धर्मशाला और न्यू चंडीगढ़ को मिली बड़ी जिम्मेदारी

ढ्ढक्करु2026 के समापन के लिए बीसीसीआई ने तीन स्थानों का चयन किया है। प्लेऑफ का सफर 26 मई को धर्मशाला के सुरम्य हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम से शुरू होगा, जहां क्वालिफायर-1 खेला जाएगा। इसके बाद, टूर्नामेंट का कारवां न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की ओर बढ़ेगा, जहां 27 मई को एलिमिनेटर और 29 मई को क्वालिफायर-2 के महत्वपूर्ण मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। यह पहली बार है जब न्यू चंडीगढ़ जैसे नए केंद्रों को प्लेऑफ जैसे हाई-वोल्टेज मैचों की जिम्मेदारी दी गई है।

बीसीसीआई द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार तारीखें इस प्रकार हैं

- **क्वालिफायर 1:** 26 मई 2026, धर्मशाला - इसमें शीर्ष दो टीमें भिड़ेंगी और जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी।
- **एलिमिनेटर:** 27 मई 2026, न्यू चंडीगढ़ - इसमें तीसरे और चौथे स्थान की टीमों के बीच 'करो या मरो' का मुकाबला होगा।
- **क्वालिफायर 2:** 29 मई 2026, न्यू चंडीगढ़ - यहां एलिमिनेटर की विजेता का सामना क्वालिफायर-1 में हारने वाली टीम से होगा।
- **फाइनल:** 31 मई 2026, अहमदाबाद - क्वालिफायर-1 और क्वालिफायर-2 की विजेता टीमें खिताब के लिए आमने-सामने होंगी।

पंजाब को धूल चटाकर टॉप पर पहुंची सनराइजर्स हैदराबाद

● बदल गया पॉइंट्स टेबल का पूरा समीकरण, RCB को भी लगा झटका

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 49वां मैच बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) और पंजाब किंग्स (PBKS) के बीच हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला गया। इस सीजन दोनों के बीच यह दूसरा मुकाबला था। जिसे स्क्रा। ने 33 रनों से जीत लिया। इस जीत के साथ ही सनराइजर्स 14 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर आ गई।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी एसआरएच ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 235 रन बनाए थे। हैदराबाद के लिए हेनरिक क्लासेन ने 43 गेंदों पर 69 रन की शानदार पारी खेली। क्लासेन के अलावा अभिषेक शर्मा 35, ट्रेविस हेड 38, ईशान किशन 55 और नीतीश कुमार रेड्डी ने 13 गेंदों पर 29 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। जवाब में पंजाब किंग्स 20 ओवर में 7 विकेट पर 202 रन बना सकी और 33 रन से मैच हार गई।

टॉप पर पहुंची सनराइजर्स हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद 11 मैचों में 7 जीत के साथ 14 अंक लेकर पहले स्थान पर है। पंजाब किंग्स 10 मैचों से 13 अंक लेकर दूसरे, आरसीबी 9 मैचों से 12 अंक लेकर तीसरे, राजस्थान रॉयल्स 10 मैचों से 12 अंक लेकर चौथे और गुजरात टाइटंस 10 मैचों से 12 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है।

चेन्नई सुपर किंग्स 10 मैचों से 10 अंक लेकर छठे, दिल्ली कैपिटल्स 10 मैचों से 8 अंक लेकर सातवें, कोलकाता नाइट राइडर्स 9 मैचों से 7 अंक लेकर आठवें, एमआई 10 मैचों से 6 अंक लेकर नौवें और एलएसजी 9 मैचों से 4 अंक लेकर दसवें स्थान पर है। समान अंक के बावजूद टीमों की रैंकिंग में अंतर रन रेट की वजह से है।

हेनरिक क्लासेन के पास आई ऑरेंज कैप

स्क्रा।-पंजाब किंग्स मैच के बाद ऑरेंज कैप एक बार फिर से एसआरएच के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन के पास आ गई है। क्लासेन ने 43 गेंदों पर 69 रनों की पारी खेली थी। क्लासेन के सीजन के 11 मैचों की 11 पारियों में 494 रन हो गए हैं। एसआरएच के ही अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। अभिषेक के 11 मैचों की 11 पारियों में 475 रन हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में भैरों मार्ग-रिंग रोड पर नए साल से खत्म होगा जाम, शुरू होगा अंडरपास

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्माणाधीन भैरों मार्ग अंडरपास का फरवरी 2027 तक काम पूरा

होगा। इस अंडरपास का काम पूरा करने के लिए जुलाई में कुछ दिन रेलवे लाइन पर ट्रेनों का आवागमन रोका जाएगा। इसके लिए रेलवे पहले ही मंजूरी दे चुकी है। दरअसल इस अंडरपास के ऊपर से पूर्वी राज्यों को जाने वाली ट्रेन लाइनें गुजरती हैं। जिसके चलते काम को पूरा करने में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। अंडरपास के मुख्य भाग का काम तभी किया जा सकता है, जब ट्रेनों का आवागमन बंद हो। परियोजना में हो रही देरी का एक मुख्य कारण साल जुलाई 2023 में यमुना में आई बाढ़ है। बाढ़ का पानी निर्माणाधीन अंडरपास के भीतर भर गया था, जिससे साइट को भारी नुकसान पहुंचा। पानी के दबाव और मिट्टी के कटाव के कारण परियोजना का एक बड़ा हिस्सा जमीन में धंस गया था। इस प्राकृतिक आपदा ने न केवल काम की गति रोकी, बल्कि इंजीनियरिंग के स्तर पर भी नई चुनौतियां खड़ी कर दीं। बाढ़ के कारण जमीन धंसने का असर अंडरपास की डिजाइन पर भी पड़ा है। धंसने की वजह से बनने वाले भाग की ऊंचाई (वर्टिकल क्लीयरेंस) पहले के मुकाबले कम हो गई है। इसका सीधा परिणाम यह होगा कि भैरों मार्ग से रिंग रोड पर आश्रम की ओर जाने वाले हिस्से में बस और ट्रक जैसे ऊंचे वाहन नहीं गुजर सकेंगे। यह मार्ग केवल कारों और छोटे वाहनों के लिए ही सुलभ होगा। इस अंडरपास को जून 2022 में उसी समय शुरू किया जाना था जब प्रगति मैदान सुरंग सड़क का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुभारंभ किया था। मगर रेलवे लाइनों के कारण काम में देरी हुई। भैरों मार्ग अंडरपास के शुरू होने से भैरों मार्ग, रिंग रोड और प्रगति मैदान के आसपास लगने वाले ट्रैफिक जाम से दिल्लीवासियों को राहत मिलेगी।

गरीब मरीजों के लिए रेफरल सिस्टम सख्त, पहले बेड की उपलब्धता देखनी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली आरोग्य कोष' (डीएके) योजना के नियमों में बदलाव किया है। अब गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को निजी अस्पताल भेजने से पहले यह देखना जरूरी होगा कि सरकारी

अस्पतालों में बेड उपलब्ध हैं या नहीं। दिल्ली स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की ओर से जारी नए निर्देशों के मुताबिक, अगर सरकारी अस्पताल में मरीज का इलाज संभव है तो उसे पहले वहीं इलाज दिया जाएगा। किसी और अस्पताल में रेफर नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, एमआरआई, सीटी स्कैन जैसी इमेजिंग जांच के लिए मरीजों को बाहर तभी भेजा जाएगा, जब सरकारी अस्पताल में वह सुविधा उपलब्ध न हो या तीन दिन के भीतर जांच कराना संभव न हो। मरीजों को सेल्फ डेक्लेरेशन भी देना होगा सरकार ने यह भी तय किया है कि किसी मरीज को रेफर करने से पहले यह जांचना जरूरी होगा कि वह डीजीईएचएस, सीजीएचएस या किसी दूसरी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत कवर है या नहीं। इसके लिए मरीज से सेल्फ डिक्लेरेशन लिया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर और बेहतर इलाज देना है।

राज्यों में भाजपा का विस्तार, देश में घटी मुस्लिम विधायकों की संख्या

मुस्लिम विधायकों की संख्या 2013 में 339 से घटकर अब लगभग 282 रह गई है

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल और असम में मिली चुनावी सफलताओं से भारतीय जनता पार्टी और मजबूत हुई है। देश में भाजपा की 2014 से बढ़ती लोकप्रियता ने राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप दिया है। जिसका एक स्पष्ट परिणाम राज्य विधानसभाओं में मुस्लिम प्रतिनिधित्व में आई तीव्र गिरावट है। मुस्लिम विधायकों की संख्या 2013 में लगभग 339 से घटकर अब लगभग 282 रह गई है।

मुस्लिम विधायकों की सबसे तेज गिरावट बड़े राज्यों में देखी जा रही है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम विधायकों की संख्या लगभग आधी होकर 63 से घटकर 31 हो गई है। पश्चिम बंगाल में यह संख्या 59 से घटकर 37 हो गई है, जबकि बिहार में यह संख्या 19 से घटकर 11 रह गई है। राजस्थान में भी यह संख्या 11 से घटकर 6 हो गई है।

ये गिरावटें इसलिए भी उल्लेखनीय हैं क्योंकि इन राज्यों में देश की मुस्लिम आबादी का एक बड़ा हिस्सा रहता है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी लगभग 19% है, लेकिन अब उनके पास 8% से भी कम सीटें हैं। पश्चिम बंगाल में लगभग 27% आबादी के मुकाबले विधायकों में मुस्लिमों की हिस्सेदारी लगभग 12.6% है। बिहार में, यह लगभग 17% आबादी के मुकाबले 4.5% है।

अन्य राज्यों में भी इसी तरह का अंतर दिखाई देता है। असम में मुस्लिम आबादी एक तिहाई से ज्यादा है, लेकिन सीटों में

उनकी हिस्सेदारी लगभग 17% है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में मुस्लिम विधायकों की हिस्सेदारी लगभग 3-4% है, जो उनकी कुल आबादी के 10% से काफी कम है। जिन राज्यों में मुस्लिम विधायकों का प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत ज्यादा था। वहां भी गिरावट देखी गई है। केरल में मुस्लिम विधायकों की संख्या 36 से घटकर 34 हो गई है, जबकि कर्नाटक में 11 से घटकर 9 हो गई है। गुजरात में यह संख्या दो से घटकर एक हो गई है। वहीं छत्तीसगढ़ में अब एक भी मुस्लिम विधायक नहीं है। अरुणाचल प्रदेश, गोवा, हिमाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और छत्तीसगढ़ इन सात राज्यों में वर्तमान में कोई मुस्लिम विधायक नहीं हैं। हालांकि, कुछ अपवाद भी हैं। तमिलनाडु में मुस्लिम विधायकों की संख्या 8 से बढ़कर 9 हो गई है, जबकि मध्य प्रदेश और मेघालय में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है।

यहां तक ??कि जम्मू और कश्मीर में भी जहां अभी भी मुस्लिम विधायकों की संख्या सबसे ज्यादा है। उनकी संख्या 58 से घटकर 51 हो गई है। मुस्लिम विधायकों द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली पार्टियों के संबंध में सबसे ज्यादा 61 विधायक कांग्रेस से हैं। उसके बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस से 39, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी से 34-34 विधायक हैं। वैसे, भाजपा के पास मणिपुर से अचब उद्दीन और त्रिपुरा से तफज्जल हुसैन सहित दो मुस्लिम विधायक हैं।

पांच बार पर लाइसेंस होगा रद्द

दिल्ली में ट्रैफिक नियम सख्त: 11919 वाहनों के 100 से ज्यादा बार कटे चालान

नई दिल्ली , एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 11919 ऐसे वाहन दौड़ रहे हैं जिनके 100 या उससे ज्यादा चालान हैं। इतने चालान होने के बावजूद ये वाहन बेखौफ दौड़ रहे हैं। मगर अब ऐसा नहीं हो सकता। अगर किसी वाहन चालक ने एक वर्ष में पांच बार से ज्यादा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया तो ड्राइविंग लाइसेंस रद्द हो जाएगा। साथ ही चालान को 45 दिन में जमा नहीं किया तो फिर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली पुलिस अब इन सभी वाहन मालिकों को नोटिस भेजेगी।

दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) नीरज ठाकुर की ओर से उपलब्ध कराए गए डाटा से पता चलता है कि 16 जून, 2019 से लेकर 30 अप्रैल, 2026 तक कुल 6231729 चालान पेंडिंग हैं। ये ऑन स्टॉप किए गए चालान हैं। इनमें 6079233 वाहनों के एक से 10 चालान, 123789 वाहनों के 11 से 20 चालान, 19785 वाहनों के 21 से 30 चालान, 5327 वाहनों के 31 से 40 चालान, 2034 वाहनों के 41 से 50 तक, 804 वाहनों के 51 से 60 चालान, 387 वाहनो के 61 से 70 चालान, 184 वाहनों के 71 से 80 चालान, 76 वाहनों के 81 से 90 चालान, 45 वाहनों के 91 से 100 से ज्यादा चालान हैं।

वहीं 65 वाहनों के 100 या उससे चालान हैं। इस तरह कैमरों से हुए 8815374 चालान पेंडिंग हैं। ये चालान एक जनवरी, 2015 से 30 अप्रैल, 2026 तक हैं। इनमें 8027382 वाहनों के एक से 10 चालान, 459255 वाहनों के 11 से 20 चालान, 166646 वाहनों के 21 से 30 चालान, 69004 वाहनों के 31 से 40

चालान, 34356 वाहनों के 41 से 50 चालान, 19343 वाहनों के 51 से 60 चालान, 11521 वाहनों के 61 से 70 तक चालान, 7489 वाहनों के 71 से 80 चालान, 5048 वाहनों के 81 से 90 चालान, 3476 वाहनों के 91 से 100 चालान और 11854 ऐसे वाहन हैं जिनके 100 या उससे ज्यादा 800 तक चालान हैं।

ये आरोपी वाहन बेखौफ दौड़ रहे हैं

पुलिस अधिकारियों के अनुसार बार बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाहन बेखौफ दौड़ रहे हैं। इतने चालान होने चालक के मन में कोई डर नहीं रहता है। नई दिल्ली के संसद मार्ग थाना इलाके में तेज रफ्तार ट्रक ने जिन दो चचेरे भाईयों को रौंदा उस ट्रक के पांच चालान पेंडिंग थे। ऐसे में ऐसे वाहन चालकों पर नकेल कसना जरूरी थी।

प्रियंका चतुर्वेदी ने सुवेंदु अधिकार के पीए की हत्या पर जताया दुख, कहा-चुनावी हिंसा सही नहीं

नई दिल्ली , एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस घटना पर शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी दुख जताया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के नतीजे किसी भी हालत में ऐसी हिंसा को जन्म नहीं दे सकते, जिससे राज्य की कानून-व्यवस्था बिगड़ जाए। प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'सुबह उठकर सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की लक्षित हत्या की खबर सुनकर मैं स्तब्ध और दुखी हूं। चुनाव के

नतीजे ऐसी हिंसा को जन्म नहीं दे सकते और न ही देना चाहिए, जो राज्य में कानून-व्यवस्था को पटरी से उतार दे।' उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि इस जघन्य अपराध के पीछे जो भी आरोपी हैं, उन्हें कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिले। चंद्रनाथ रथ के परिवारवालों, उनके दोस्तों, सहकर्मियों और अधिकारी के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।' उन्होंने '? शांति' लिखते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। दरअसल, बुधवार रात पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले के मध्यग्राम इलाके में चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने उन पर अचानक फायरिंग की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली लगने के बाद स्थानीय लोग तुरंत उन्हें पास के नर्सिंग होम लेकर पहुंचे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। भाजपा की ओर से आरोप लगाया गया है कि इस हत्या के पीछे टीएमसी कार्यकर्ताओं का हाथ है।

दिल्ली में डेंगू का कहर, 5 साल में अप्रैल माह में सबसे ज्यादा मामले, एमसीडी ने अभियान किया तेज

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अप्रैल में डेंगू के 52 मामले आए हैं, जो पिछले पांच वर्षों के दौरान इसी अवधि का सर्वाधिक आंकड़ा है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की ओर से जारी आंकड़ों में यह खुलासा हुआ है। एमसीडी के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 में डेंगू के 42 मामले आए थे, जबकि 2024, 2023, 2022 में इसी महीने में क्रमशः 31, 24 और 12 मामले दर्ज किए गए थे और यह साल-दर साल वृद्धि को इंगित करता है।

एमसीडी के मुताबिक इस वर्ष अप्रैल तक राजधानी में डेंगू के 107 मामले सामने आए हैं। दिल्ली में 2026 के पहले चार महीनों में मलेरिया के मामले भी सामने आए, जो हाल के वर्षों में शुरुआती मौसम में सीमित प्रसार के रुझान को इंगित करता है।

अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण के दौरान 15,649 घरों में मच्छरों के प्रजनन की पुष्टि हुई, जो 2025 में ऐसे 15,662 घरों की संख्या के लगभग बराबर है। नगर निकाय के अधिकारियों के मुताबिक, मानसून के दौरान मलेरिया के संभावित मामलों में वृद्धि से निपटने के लिए वे तैयार हैं।

नवीनतम रपट के मुताबिक, राजधानी में इस वर्ष अप्रैल तक मलेरिया के 29 मामले सामने आए हैं, जो 2025 में इसी अवधि के दौरान दर्ज किए गए 39 मामलों और 2024 में दर्ज किए गए 35 मामलों से कम है, हालांकि 2023 में दर्ज किए गए 15 मामलों से अधिक है। अधिकारियों ने अप्रैल में हुई बारिश को मच्छर-जनित बीमारियों के मामलों में वृद्धि का एक कारण बताया। उन्होंने कहा कि एमसीडी ने एहतियाती उपायों के तहत निर्माण स्थलों और आवासीय क्षेत्रों में लार्वा-रोधी अभियान, फागिंग और निरीक्षण तेज कर दिए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष एमसीडी के मलेरिया-रोधी अभियान में तेजी आई है और दो मई तक अधिकारियों ने 12.15 लाख से अधिक घरों का निरीक्षण किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान किए गए 11.99 लाख घरों के निरीक्षण से अधिक है। वर्ष 2024 में अधिकारियों ने समान अवधि के दौरान 10.44 लाख से अधिक घरों का निरीक्षण किया था।

होर्मुज संकट पर सक्रिय हुआ फ्रांस, राष्ट्रपति मैक्रों ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात

पेरिस, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ बातचीत के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सभी पक्षों से होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी को बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के हटाने का आह्वान किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बात की है। मैंने बढ़ते तनाव पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की और यूएई के नागरिक बुनियादी ढांचे व कई जहाजों पर किए गए अनुचित हमलों की निंदा की।' उन्होंने लिखा, 'सभी पक्षों को स्ट्रेट से बिना देरी और बिना किसी शर्त के हटा देना चाहिए। हमें स्थायी रूप से उस व्यवस्था को बहाल करना होगा, जिसमें संघर्ष से पहले नौवहन की पूर्ण स्वतंत्रता सुनिश्चित थी। फ्रांस और ब्रिटेन का बनाया बहुराष्ट्रीय मिशन जहाज मालिकों और बीमा कंपनियों के बीच भरोसा वापस लाने में मदद कर सकता है। यह मिशन स्वाभाविक रूप से युद्ध में शामिल पक्षों से अलग होगा। एयरक्राफ्ट कैरियर 'चार्ल्स डी गॉल' का आगे तैनात होना इस मामले में फिट बैठता है।' राष्ट्रपति मैक्रों ने पोस्ट किया, 'हाल की घटनाओं से ऐसे मिशन की उपयोगिता साफ तौर पर पता चलती है। मैंने ईरानी राष्ट्रपति से इस मौके का फायदा उठाने की गुजारिश की है और मैं इस मामले पर राष्ट्रपति ट्रंप से भी बातचीत करने वाला हूं। स्ट्रेट में शांति की बहाली परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मुद्दों और क्षेत्रीय स्थिति पर चल रही वार्ताओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। प्रतिबंध हटाने में जिन यूरोपीय देशों की महत्वपूर्ण भूमिका है, वे इसमें अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

त्वचा गोरी करने वाले उत्पाद सेहत के लिए बेहद खतरनाक, डब्ल्यूएचओ बोला- खपत रोकने के लिए बदलनी होगी सोच

जिनेवा, एजेंसी। त्वचा को गोरा करने वाले उत्पादों के बढ़ते इस्तेमाल और उनसे जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को अब सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा है। संगठन ने पारा युक्त स्किन-लाइटनिंग उत्पादों के खिलाफ नया व्यवहारिक नजरिया टूलकिट जारी किया है, जिसका उद्देश्य केवल इन की बिक्री रोकना ही नहीं बल्कि लोगों में इनके प्रति बढ़ती मानसिक और सामाजिक स्वीकार्यता को चुनौती देना है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि ऐसे उत्पाद लंबे समय में दिमागी नुकसान, हार्मोन संबंधी गड़बड़ियां, गर्भस्थ शिशुओं पर असर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार समस्या केवल अवैध या जहरीले उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सोच से भी जुड़ी है जिसमें गोरी त्वचा को सुंदरता, सफलता और आत्मविश्वास का प्रतीक मान लिया गया है। यही कारण है कि अब वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियां केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय लोगों के व्यवहार, विज्ञापनों के प्रभाव और सामाजिक दबाव को समझकर मांग कम करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। सोशल मीडिया, फिल्म उद्योग और ब्यूटी विज्ञापनों ने इस बाजार को नई गति दी है, जहां गोरी त्वचा को आकर्षण और सफलता से जोड़कर पेश किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बड़ी संख्या में युवा इन उत्पादों को आत्मविश्वास बढ़ाने या सामाजिक स्वीकार्यता पाने के साधन के रूप में देखने लगे हैं। यही वजह है कि चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद इनकी मांग कम नहीं हो रही।

पारा का असर शरीर से लेकर पर्यावरण तक

डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कई स्किन-लाइटनिंग क्रीम और लोशन में पारा का इस्तेमाल किया जाता है। पारा एक जहरीली धातु है, जो शरीर में जमा होकर तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे याददाश्त, मानसिक विकास और दिमागी कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। गर्भवती महिलाओं के मामले में इसका असर गर्भस्थ शिशु तक पहुंच सकता है, जिससे बच्चे के विकास पर खतरा बढ़ जाता है। उनके लगातार प्रयोग से त्वचा में जल्दी झुर्रियां पड़ जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इन उत्पादों के रसायन पानी के जरिये बाहर निकलते हैं तो मिट्टी और जल स्रोत भी प्रदूषित होते हैं। इससे पर्यावरण और जलीय जीवन पर दीर्घकालिक असर पड़ सकता है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कई देशों ने पहले भी पारा युक्त उत्पादों पर प्रतिबंध लगाए, लेकिन केवल कानून से समस्या खत्म नहीं हुई। इसी वजह से संगठन ने नया व्यवहारिक टूलकिट तैयार किया है। इसके जरिये यह समझने की कोशिश की जाएगी कि लोग ऐसे उत्पादों तक कैसे पहुंचते हैं, कौन-सी चीजें उन्हें प्रभावित करती हैं और वे लगातार उनका उपयोग क्यों जारी रखते हैं। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि जब तक इन मानसिक और सामाजिक कारणों को नहीं समझा जाएगा, तब तक मांग को कम करना मुश्किल रहेगा।

ईरान युद्ध से जुड़ रहे ट्रंप के हमलावर के तार, एफबीआई खंगाल रही आरोपी का डिजिटल रिकॉर्ड

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय ने गत माह व्हाइट हाउस में एक समारोह में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के वरिष्ठ सदस्यों की हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी का संभावित मकसद ईरान युद्ध के तौर पर पहचाना है। यह जानकारी देश भर में राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा अन्य संघीय एजेंसियों को भेजी गई एक खुफिया रिपोर्ट में दी गई है। मंत्रालय के खुफिया कार्यालय द्वारा जारी इस प्रारंभिक रिपोर्ट में संदिग्ध कोल एलन के कई सामाजिक और राजनीतिक असंतोष का आकलन किया गया है। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया है कि ईरान संघर्ष उसके

हमले को अंजाम देने के फैसले में योगदान दे सकता है। खुफिया एजेंसियों ने एलन की एक पोस्ट का हवाला भी दिया गया है जिसमें युद्ध में अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना की गई थी। इस आकलन से 25 अप्रैल को व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर पर नाकाम हमले के पीछे के मकसद में प्रारंभिक रोशनी दिखाई पड़ी है।

ब्लूस्काई खाते की समीक्षा भी जारी : अदालती दस्तावेजों में, अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि कोल एलन राजनीतिक रूप से ट्रंप से असहमत था और उन सरकारी नीतियों व निर्णयों के खिलाफ लड़ाई करना चाहता था जिन्हें वह नैतिक रूप से आपत्तिजनक मानता था। हमले का मकसद जानने के लिए एफबीआई उसकी सोशल मीडिया गतिविधियों और डिजिटल फुटप्रिंट की जांच कर रही है।

कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है अल्बर्ट

अक्टूबर में वोटिंग संभव, अलगाववादियों ने 3 लाख हस्ताक्षर जुटाए

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा को अलग देश बनने की मांग और ज्यादा तेज हो गई है। अलगाववादियों ने बुधवार को दावा किया है कि उन्होंने इतना समर्थन जुटा लिया है कि अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराया जा सकता है। अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी। आंदोलन के नेता मिच सिलवेस्ट्रे ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अब यह लड़ाई अगले चरण में पहुंच गई है।

हालांकि इतना समर्थन जुटा लेने का मतलब यह नहीं है कि रेफरेंडम पक्का हो गया है। चुनाव आयोग को पहले इन हस्ताक्षरों की जांच करनी होगी। इस प्रक्रिया पर फिलहाल अदालत के आदेश की वजह से रोक भी लगी हुई है। अगर वोटिंग अल्बर्टा के पक्ष में गई तो यह प्रांत कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है।

अल जजीरा के मुताबिक, अगर सभी कानूनी अड़चनें दूर हो जाती हैं, तो प्रांत में 19 अक्टूबर को प्रस्तावित बड़े जनमत संग्रह के साथ अलगाव पर भी वोटिंग कराई जा सकती है। उसी दिन संविधान और इमिग्रेशन जैसे दूसरे मुद्दों पर भी मतदान की योजना है। अगर यह प्रस्ताव वोटिंग तक पहुंचता है, तो लोगों से सीधा सवाल पूछा जाएगा कि क्या अल्बर्टा कनाडा से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बनना चाहिए। लेकिन सर्वे बताते हैं कि अभी सिर्फ करीब 30 प्रतिशत लोग ही इसके समर्थन में हैं, यानी जनमत संग्रह पास होना भी आसान नहीं है। हालांकि अलगाववादियों का मानना है कि यह आंकड़ा वोटिंग के दौरान बढ़ने वाला है।

अल्बर्टा की प्रीमियर डेनिएल स्मिथ ने कहा है कि अगर जरूरी हस्ताक्षर पूरे होते हैं तो वह वोटिंग आगे बढ़ाएंगी, लेकिन वह खुद कनाडा से अलग होने के पक्ष में नहीं हैं। इस अलगाववादी आंदोलन की जड़ें काफी पुरानी हैं। अल्बर्टा, जहां करीब 50 लाख लोग रहते हैं, लंबे समय से खुद को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग मानता है। यहां के लोग मानते हैं कि उनकी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राजनीति अलग है, लेकिन फैसले ओटावा में बैठकर लिए जाते हैं। कनाडा के अल्बर्टा में अलग देश बनने की मांग अचानक नहीं उठी है। इसके पीछे कई सालों से चल रही नाराजगी और अलग पहचान की भावना काम कर रही है। सबसे बड़ा कारण आर्थिक है। अल्बर्टा तेल और गैस से भरपूर राज्य है। यहां कनाडा के कुल तेल उत्पादन का लगभग 84% हिस्सा निकलता है। यहां के लोगों को लगता है कि वे ज्यादा कमाते हैं, लेकिन फायदा बाकी कनाडा को ज्यादा मिलता है।

उपायुक्त अजय नाथ ने की बोकारो हवाई अड्डा विस्तारीकरण से संबंधित कार्य प्रगति की समीक्षा

उपायुक्त की अध्यक्षता में बोकारो परिसदन के सभाकक्ष में आहूत बैठक आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो हवाई अड्डा विस्तारीकरण से संबंधित कार्य प्रगति की समीक्षा उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में 07 मई, 2026 को बोकारो परिसदन के सभाकक्ष में आयोजित की गई। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी एवम अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बोकारो हवाई अड्डा से जुड़े विभिन्न कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

रनवे के दोनों तरफ से झाड़ियों की काई एवं साफ सफाई का कार्य आगामी 15 दिनों में करें पूरा

बैठक के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि बोकारो हवाई अड्डा से जल्द उड़ान सुनिश्चित करने हेतु सभी विभाग आपस में समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि बोकारो के विकास को एक नई उड़ान दी जा सके। उन्होंने कहा कि सभी बाधाओं को दूर करते हुए हवाई अड्डा से उड़ान जल्द सुनिश्चित करना हम सभी का लक्ष्य हैं, इसलिए सकारात्मक सोच के साथ सभी आवश्यक कार्यों को जल्द पूरा करें। साथ ही उन्होंने बीएसएल प्रबंधन को बोकारो हवाई अड्डा परिसर में 75 मीटर रनवे के दोनों तरफ से झाड़ियां की कटाई एवं साफ सफाई का कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निदेश दिया। आगामी। बैठक के दौरान बीएसएल के प्रतिनिधि ए.के. तिवारी, एएआई रांची के उप महाप्रबंधक मनोज कुमार, नगर डीएसपी आलोक रंजन, डीपीआरओ रवि कुमार, कार्यपालक दंडाधिकारी चास श्रीमती जया कुमारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

रनवे के दोनों तरफ से झाड़ियों की कटाई एवं साफ सफाई शीघ्र करें पूरी : उपायुक्त

चास थाना क्षेत्र में कोटपा के अनुपालन को लेकर चलाया गया छापेमारी अभियान

कोटपा उल्लंघन मामले में 15 दुकानदारों से वसूला गया ₹4300 अर्थदण्ड

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को डॉ. अभय भूषण प्रसाद, सिविल सर्जन के निर्देशन एवं चास थाना प्रभारी के सहयोग से तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 की धारा 4, 6(क) एवं 6(ख) के तहत चास थाना क्षेत्र में विशेष जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जिला छापामारी दल के सदस्य मो. असलम द्वारा धर्मशाला मोड़, महावीर चौक, तेलीडीह मोड़ एवं चास मुख्य मार्ग स्थित कुल 53 दुकानों की जांच की गई। जांच के क्रम में 15 दुकानदारों/व्यक्तियों को कोटपा कानून का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जिनसे अर्थदण्ड के रूप में कुल ₹4300 की वसूली की गई।

दुकानों से हटाये गये तम्बाकू प्रचार के पोस्टर

जिला परामर्शी मो. असलम, तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम ने बताया कि छापामारी के दौरान दुकानों पर लगे तम्बाकू उत्पाद के प्रचार-प्रसार संबंधी पोस्टर हटवाये गये। साथ ही दुकानदारों को 21 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तम्बाकू उत्पाद नहीं बेचने संबंधी चेतावनी पोस्टर उपलब्ध कराते हुए उसे अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया।

खुले सिगरेट एवं खुले पैकेट की बिक्री पर कार्रवाई की चेतावनी

जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम द्वारा बताया गया कि कोटपा-2003 झारखण्ड संशोधन अधिनियम-2021 की धारा 6(ग) के तहत कोई भी दुकानदार खुले रूप में अथवा खुले पैकेट में सिगरेट की बिक्री नहीं करेगा। उल्लंघन करते पाए जाने पर संबंधित दुकानदार पर ₹1000 तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

रंगदारी मांगने वाले चार आरोपित गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रंगदारी मांगने वाले गिरोह का धनबाद पुलिस ने पदार्फाश किया है. पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. सिटी डीएसपी ऋत्विक ने बताया, बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में कुख्यात प्रिंस खान उर्फ छोटे सरकार के नाम का भय दिखाकर एक करोड़ रुपये की रंगदारी की डिमांड की गई थी. मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों को दबोच लिया. वही व्यवसायी से

एक करोड़ की रंगदारी मांगी गई थी सिटी एसपी ने बताया कि 6 मई 2026 को व्यवसायी गुलाम अंसारी ने बरवाअड्डा थाना में शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने आवेदन में उल्लेख किया था कि अज्ञात अपराधियों द्वारा फोन कर जान से मारने की धमकी दी जा रही है और एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी जा रही है. शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू की गई।

संत जेवियर्स व डिनोबिली स्कूल के वाहनों पर किया 1.10 लाख का जुर्माना

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी के नेतृत्व में मोटरयान निरीक्षक अभय कुमार तथा शुभम कुमार ने आज धनबाद के संत जेवियर्स स्कूल तथा डिगवाडीह स्थित डिनोबिली स्कूल में स्कूली वाहनों की जांच की। जांच में संत जेवियर्स स्कूल के 3 वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए। उनपर मोटरवाहन अधिनियम के तहत 36450 रुपए का जुमार्ना किया गया। जबकि डिनोबिली स्कूल डिगवाडीह के 15 वाहनों पर 74650 रुपए का जुमार्ना किया गया। मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, रोड सेफ़्टी इंजीनियर अमरेश कुमार, मुकुल कुमार तथा स्कूल के शिक्षक उपस्थित रहे।

घरेलू गैस की कीमतों में की गई वृद्धि के खिलाफ झामुमो का जिला मुख्यालय में धरना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। घरेलू गैस की कीमतों में की गई वृद्धि के खिलाफ आज झारखंड मुक्ति मोर्चा ने पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालय में धरना देकर आंदोलन कर रही है। धरना के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम से ज्ञापन देने का काम किया गया है। इसी कड़ी में आज बोकारो जिला मुख्यालय में भी झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला अध्यक्ष की अगवाई में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकदिवसीय धरना दिया। इसमें महिलाओं की संख्या अधिक देखी गई। इस दौरान हाथ में मूल्य वृद्धि के खिलाफ तख्ती लेकर विरोध जताया गया। केंद्र सरकार के खिलाफ भी नारेबाजी की गई। नेताओं

ने कहा कि पांच राज्य में चुनाव संपन्न होने के बाद आम उपभोक्ताओं को गैस में वृद्धि कर आर्थिक बोझ देने का काम केंद्र सरकार ने किया है। पहले से ही घरेलू गैस की कीमत आसमान छू रही थी ।लेकिन फिर से मूल्य वृद्धि कहीं ना कहीं पूरी तरह से गलत है। केंद्र सरकार अगर इसे वापस नहीं लेती है तो सड़क से सदन तक हम लोग आंदोलन करेंगे।

हर क्षेत्र में सफलता के लिए डिजिटल स्किल जरुरी : उप विकास आयुक्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आईआईटी (आईएसएम) के मैनेजमेंट स्टडीज और इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट ने भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के साथ मिलकर यादवपुर के गांधी स्मारक आदिवासी +2 हाई स्कूल में अगली पीढ़ी को मजबूत बनाने के लिए डिजिटल अपस्किलिंग की भूमिका का इस्तेमाल नाम के एक पायलट प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सह उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल स्किल्स अब विकल्प नहीं, बल्कि सफलता के लिए हर क्षेत्र में जरूरी हैं। उन्होंने छात्रों को इस मौके का इस्तेमाल करके शुरूआत से ही मजबूत टेक्नोलॉजिकल और कम्युनिकेशन क्षमताएँ बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल स्किल्स जीवन में आगे बढ़ने के लिए जरूरी हैं। हर प्रोफेशन में, डिजिटल कॉम्पिटेंसी लोगों को फायदा देती है। उन्होंने आईआईटी आईएसएम और बीसीसीएल की इस पहल को शुरू करने के लिए सराहना करते हुए कहा कि छात्रों के लिए ये स्किल्स सीखने और उन पर काम करने का यह सबसे अच्छा समय है। कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी आईएसएम की फैकल्टी टीम प्रो. शशांक बंसल, प्रो. सौम्या सिंह और प्रो. हिमांशु गुप्ता ने किया था। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम ऑफिसर श्री आशीष कुमार गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर शामिल हुए। बीसीसीएल के सीएसआर विभाग से श्री समरेज अली भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों के बीच डिजिटल लिटरेसी, कम्युनिकेशन स्किल्स और टेक्नोलॉजिकल अवेयरनेस के महत्व पर जोर दिया गया। साथ में कॉन्फिडेंस, क्रिएटिविटी और भविष्य के करियर की तैयारी को बेहतर बनाने के लिए स्किल-बेस्ड लर्निंग प्रोग्राम्स में एक्टिव पार्टिसिपेशन को बढ़ावा दिया। इस पायलट प्रोजेक्ट का उद्देश्य धनबाद जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 1,000 छात्रों को डिजिटल और स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग देना है। साथ ही छात्रों की डिजिटल काबिलियत, प्रॉब्लम सॉल्विंग की काबिलियत और करियर के बारे में जागरूकता को मजबूत करना है, ताकि वे तेजी से बदलते टेक्नोलॉजी के माहौल में अच्छे से ढल सकें। इस कार्यक्रम में कई जाने-माने मेहमान और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद थे, जो जिले के स्कूली छात्रों के बीच डिजिटल शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध थे।

डॉ. मोहम्मद मोसूफ अहमद को नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग की ओर से 6 मई 2026, बुधवार को पूर्व विभागाध्यक्ष स्वर्गीय डॉ. मोहम्मद मोसूफ अहमद के निधन पर एक शोकसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरा वातावरण गमगीन रहा और उपस्थित लोग उन्हें याद कर भावुक नजर आए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. राम कुमार सिंह ने की। उन्होंने स्वर्गीय डॉ. मोसूफ अहमद की शैक्षणिक, साहित्यिक एवं शिक्षण सेवाओं को याद करते हुए कहा कि वे एक सम्मानित शिक्षक, कुशल मार्गदर्शक और बेहद ईमानदार एवं सरल व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन उर्दू भाषा और साहित्य की सेवा में समर्पित कर दिया। शोकसभा में डीएसडब्ल्यू डॉ. पुष्पा कुमारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। वहीं कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन डॉ. धनंजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. मोसूफ अहमद उनके अत्यंत करीबी और सच्चे मित्रों में शामिल थे। उन्हें याद करते हुए वे काफी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि डॉ. मोसूफ अहमद की कमी न केवल उर्दू विभाग बल्कि पूरे विश्वविद्यालय परिवार को हमेशा महसूस होगी। इस अवसर पर उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. आलमगीर साहिल ने स्वर्गीय डॉ. मोसूफ अहमद का संक्षिप्त जीवन परिचय प्रस्तुत करते हुए उनकी शैक्षणिक, साहित्यिक सेवाओं और पारिवारिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वे छात्रों के लिए एक आदर्श शिक्षक और अभिभावक समान थे। डॉ. अब्दुल मतीन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. मोहम्मद मोसूफ अहमद का निधन उर्दू जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। अपने संबोधन के दौरान वे काफी भावुक दिखाई दिए। इनमें डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. मंतोष पांडे, डॉ. देवेंद्र कुमार चौबे, डॉ. जय गोपाल मंडल, डॉ. तापती चक्रवर्ती, डॉ. सुरेश कुमार मुंडा, डॉ. संजीदा खातून, डॉ. मेराज अहमद मेराज, डॉ. मोहम्मद इकबाल, अजहर आरिफ, डॉ. हसन निजामी, यूनुस फिरदौसी तथा गुलाम गौस सहित कई गणमान्य लोग शामिल थे। इस मौके पर स्वर्गीय डॉ. मोसूफ अहमद के कई छात्र भी मौजूद रहे।

प्राक्कलन समिति ने देवघर में योजनाओं की समीक्षा की

सभापति हेमलाल मुर्मू बोले- पारदर्शिता और गुणवत्ता से हों काम

देवघर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड विधानसभा की प्राक्कलन समिति ने बुधवार सात मई को देवघर परिसदन सभागार में विभिन्न विभागों की योजनाओं और परियोजनाओं के प्राक्कलन की विस्तृत समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति सह लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने की। बैठक में समिति सदस्य सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद, बगोदर विधायक नागेन्द्र महतो, घाटशिला विधायक सोमेश चंद्र सोरेन महतो और पांकी विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता मौजूद थे। उपविकास आयुक्त पीयूष सिन्हा ने सभी विभागों के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट रखी। समिति ने प्रस्तावित बजट के आलोक में कार्यों की समीक्षा की और आवश्यकता का मूल्यांकन किया। सभापति हेमलाल मुर्मू ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ हो। लंबित कार्यों को समय सीमा में पूरा करने और नियमित मॉनिटरिंग पर जोर दिया गया। बैठक में विद्युत, पेयजल, पुनासी परियोजना, स्वास्थ्य, शिक्षा, पथ निर्माण, भवन निर्माण, कल्याण, समाज कल्याण, उद्यान, गव्य विकास, लघु सिंचाई, प्रदूषण नियंत्रण, परिवहन, पर्यटन, सहकारिता, पशुपालन समेत अन्य विभागों की योजनाओं की समीक्षा हुई। बैठक में डीएफओ अभिषेक भूषण, नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, सिविल सर्जन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला योजना पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल देवघर व मधुपुर के कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति, भवन प्रमंडल, एनआरपी के अधिकारी और जिला स्तरीय विभागों के अभियंता मौजूद थे।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय की घटना पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स ने जताई चिंता

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल काउंसिल मेंबर और अधिवक्ता रणजीत गिरि ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में 05.05.2026 को घटित उस घटना की कड़ी निंदा की है, जिसमें एक युवा अधिवक्ता को न्यायिक हिरासत में भेजने का निर्देश दिया गया था। अधिवक्ता रणजीत गिरि ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए घटना पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया है। अधिवक्ता रणजीत गिरि ने कहा कि युवा अधिवक्ता द्वारा बार-बार खेद जताने और क्षमा मांगने के बावजूद यह कठोर कदम उठाया गया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। न्यायिक शक्तियों के प्रयोग में संयम, निष्पक्षता और करुणा का होना अनिवार्य है। न्यायालय और अधिवक्ताओं के बीच का संबंध आपसी सम्मान, गरिमा और धैर्य पर आधारित होता है। युवा वकील जो अभी इस पेशे में सीख रहे हैं, उनके साथ ऐसा व्यवहार पूरे कानूनी बिरादरी के लिए निराशाजनक है। कानून का शासन न्यायालय की मयार्दा के साथ-साथ न्यायिक शक्तियों के निष्पक्ष उपयोग की मांग करता है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों, एजेंसियों द्वारा भूमि अधियाचना से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा

विकास कार्यों में किसी भी स्तर से लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, आपसी समन्वय के साथ बेहतर परिणाम : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विभिन्न विभागों, एजेंसियों द्वारा भूमि अधियाचना से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा बैठक उपायुक्त श्री अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आवासीय कार्यालय में आयोजित किया गया। मौके पर सभी अंचलों के अंचलाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जिले में चल रहे विभिन्न विकासात्मक निर्माण कार्यों के लिए विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों द्वारा अधियाचित भूमि आवंटन से संबंध में कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। मूलरूप से विद्युत सब स्टेशन, नए विद्युत शक्ति उपकेंद्र, छात्रावास डॉरमेट्री निर्माण, डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन, गैस पाइपलाइन, शहरी इलाकों को विकसित करने संबंधी तथा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए महिला महाविद्यालय का निर्माण भूमि आवंटन के संबंध में संबंधित अंचलाधिकारी के कार्य प्रगति की अवस्थिति से अवगत होते हुए कार्य में तीव्रता लाने का उपायुक्त अजय नाथ झा द्वारा निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्य त्वरित गति से पूरा हो सके इसके लिए सभी अंचलाधिकारी शीघ्र कार्रवाई करते हुए भूमि का चिन्हीकरण करें एवम शीघ्र प्रतिवेदित करें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया किया जाना आवश्यक है। इसमें किसी स्तर से लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार एवं सभी अंचलों के अंचलाधिकारी उपस्थित थे।

बीएसएल में 'कोल, कोक एवं कोल केमिकल्स' विषय पर 53वीं ऑपरेटिंग कमेटी की बैठक आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट द्वारा आरडीसीआईएस, रांची के समन्वय में 7 एवं 8 मई 2026 को 'कोल, कोक एवं कोल केमिकल्स' विषय पर 53वीं ऑपरेटिंग कमेटी की बैठक का आयोजन किया जा रहा है। इस दो दिवसीय सम्मेलन में भारतीय इस्पात उद्योग से जुड़े 80 से अधिक विशेषज्ञ एवं तकनीकी प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यह समिति कोकिंग परिचालन से संबंधित पारंपरिक एवं उभरती चुनौतियों पर विचार-विमर्श करते हुए कोयला, कोक एवं कोल केमिकल्स प्रबंधन में दक्षता वृद्धि हेतु अनुभवों तथा सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान का एक प्रभावी मंच प्रदान करती है। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन 07 मई 2026 को मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य सभागार में किया गया। इस अवसर पर बोकारो इस्पात संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन ने सम्मेलन के उद्देश्यों, इसकी प्रासंगिकता तथा भावी कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारतीय इस्पात उद्योग में विचारशील नेतृत्वकर्ता के रूप में बोकारो स्टील प्लांट की भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम में इस्पात उद्योग के विशेषज्ञों के साथ-साथ बीएसएल के कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। दो दिवसीय तकनीकी सत्रों के दौरान सेल की विभिन्न इकाइयों के साथ-साथ जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, आरआईएनएल एवं एनआईएनएल सहित अन्य इस्पात कंपनियों, अनुसंधान संस्थानों एवं उद्योग सहयोगी संगठनों के विशेषज्ञ परिचालन उत्कृष्टता, कार्यस्थल सुरक्षा, डिजिटलीकरण, डीकाबोर्नाइजेशन तथा कोयला एवं कोक संचालन में उभरती अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों जैसे समकालीन विषयों पर अपने विचार एवं अनुभव साझा कर रहे हैं। यह सम्मेलन इस्पात निर्माण प्रक्रियाओं में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने तथा अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। विशेषज्ञों के साझा मंथन एवं अनुभवों के आदान-प्रदान से भविष्य में पर्यावरण-अनुकूल उत्पादन प्रणालियों तथा तकनीकी रूप से उन्नत इस्पात निर्माण प्रणाली को मजबूती मिलेगी।

थाना प्रभारी पुष्पराज कुमार के निलंबन को वापस लेने की मांग को लेकर विरोध

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चीराचास थाना प्रभारी पुष्पराज कुमार के निलंबन को लेकर अब लोगों का विरोध सामने आने लगा है। स्थानीय लोगों और महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपकर निलंबन आदेश वापस लेने की मांग की है। लोगों का कहना है कि थाना प्रभारी ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण में अहम भूमिका निभाई है। बोकारो एसपी कार्यालय पहुंचकर लोगों ने चीराचास थाना प्रभारी पुष्पराज कुमार के समर्थन में आवेदन दिया। आवेदन में कहा गया है कि पुष्पराज कुमार एक शांतिप्रिय, संवेदनशील और कुशल पुलिस पदाधिकारी हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल में साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी, चोरी और कई जटिल मामलों का सफल निष्पादन किया। लोगों का कहना है कि थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने और घरेलू विवादों को सुलझाने में थाना प्रभारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आवेदनकर्ताओं ने दावा किया कि बिना ठोस साक्ष्य के निलंबन की कार्रवाई से लोगों में निराशा है और इससे पुलिस व्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। हमलोग चाहते हैं कि निलंबन आदेश पर पुनर्विचार हो, क्योंकि थाना प्रभारी ने क्षेत्र में बेहतर काम किया है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए निलंबन आदेश वापस लेने की मांग की है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK